THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 106 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.3 2083 शुक्रवार, 17 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वोटर लिस्ट में छूट गया नाम तो फिक्र नोट! दिल्ली समेत 4 राज्यों में बढ़ी एसआईआर की समय सीमा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने या सुधारने का बड़ा मौका, मतदाता सूची को ज्यादा सटीक और अपडेट बनाने के लिए चुनाव आयोग (ईसीआई) ने दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की समय सीमा बढ़ा दी है। अब बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन पूरा करने के लिए पहले से ज्यादा समय मिलेगा, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने या गलत जानकारी रहने की संभावना कम हो।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़

1 की मौत : 100 से ज्यादा घायल, तेज बारिश के बीच 10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे

पुरी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल हो गए। एक श्रद्धालु की मौत की भी खबर है।

जमा हुए हैं लाखों श्रद्धालु :
यह घटना बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) पर हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ खींचने के कार्यक्रम को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु जमा हुए थे। आपातकालीन बचाव दलों ने घायलों को तुरंत बाहर निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और स्वास्थ्य कर्मियों ने तुरंत बचाव और भीड़ को नियंत्रित करने का अभियान शुरू किया, ताकि स्थिति सामान्य की जा सके।

चश्मदीद ने क्या बताया :
पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और विभिन्न चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 मरीजों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना में हुई मौत पर गहरा दुख जताया।

न्यूजीलैंड में आया 5.9 तीव्रता का भूकंप

सुनामी का अलर्ट जारी

वेलिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप (साउथ आइलैंड) के पश्चिमी तट पर गुरुवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद अधिकारियों ने सुनामी का अलर्ट जारी करते हुए लोगों से तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र ते अनाउ शहर से करीब 42 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पश्चिम में था।

भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर के आसपास दर्ज किया गया। इसकी गहराई करीब 76.4 किलोमीटर थी। न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने कहा है कि प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोग बिना देरी किए सुनामी निकासी क्षेत्र से बाहर निकलें और नजदीकी ऊंचे स्थान या जितना संभव हो सके, अंदरूनी इलाके की ओर चले जाएं।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

> सरकार ने आदेश जारी किए, हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों (सीफेयरर्स) की नई तैनाती पर रोक लगा दी है। यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस (आरपीएसएल) कंपनियों पर लागू होगा।

सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी (आईएसपीएस) कोड का पूरी तरह पालन करें। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई।

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में हुए हमलों में कम से कम 14 भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है। हालांकि अगर विदेशी शिपिंग कंपनियां भारत के बाहर से नाविकों की भर्ती करती हैं, तो भारत सरकार का यह आदेश उन पर सीधे लागू नहीं होगा।

> होर्मुज में जहाज नहीं भेज रहीं कंपनियां : ईरानी हमलों के बाद कई शिपिंग कंपनियां होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए अमेरिका की सुरक्षा लेने से भी बच रही हैं।

> अमेरिकी हमलों में 35 ईरानी लोगों की मौत : ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के दिनों में हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 35 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

> ईरान जंग के बाद पहली बार अमेरिका जाएंगे नेतन्याहू : इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका जाएंगे। वे दिवंगत अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं।

> अचानक कतर पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री : अब्बास अराघची अचानक कतर की राजधानी दोहा पहुंचे। वह कतर के पूर्व अमीर हमद बिन खलीफा अल थानी के सम्मान में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेंगे।

> लापता भारतीय नाविक के मौत की पुष्टि : ओमान के तट के पास कारोबारी जहाज जीएफएस गैलेक्सी पर 12 जुलाई को हुए हमले के बाद लापता हुए एक भारतीय नाविक की मौत की पुष्टि हो गई है।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस : सोनिया गांधी

> बैठक के बाद बड़ा एलान, कई मुद्दों पर भी हुआ मंथन

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने कहा है कि संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी ने अपनी बैठक में कई प्रस्तावित विधेयकों पर चर्चा की और तय किया कि विपक्षी दलों के साथ मिलकर इनके खिलाफ आवाज उठाई जाएगी। जयराम रमेश ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्रीय गृह मंत्री परिसीमन विधेयक को फिर से संसद में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 17 अप्रैल को सरकार इस विधेयक पर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में असफल रही थी और उसे बड़ा झटका लगा था। अब सरकार इसे दोबारा लाना चाहती है। कांग्रेस इस विधेयक का पहले भी विरोध करती रही है और आगे भी करती रहेगी। साथ ही विपक्षी दलों की एकजुटता बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी।उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी।

जयराम रमेश ने बताया कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। इस विषय पर बनी जेपीसी को 10 अगस्त तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। कांग्रेस इस प्रस्ताव का भी विरोध करेगी।

सुप्रीम कोर्ट बोला-9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें

बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा, सरकार से कहिए ऐसा न करें

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि सीबीएसई को 9वीं से थ्री लैंग्वेंज पॉलिसी लागू नहीं करनी चाहिए। 9वीं कक्षा की पढ़ाई पहले से मुश्किल है, ऐसे में तीसरी भाषा को शामिल करने की क्या जरूरत है।

कोर्ट ने कहा कि इससे स्टूडेंट्स का मानसिक तनाव बढ़ सकता है। भारत सरकार से कहिए कि ऐसा न करें। जस्टिस बीवी नागरथना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि तीसरी भाषा को क्लास 5 या 6 में ही शुरू कर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र इसके साथ अधिक प्रभावी ढंग से तालमेल बिठा सकें।

दरअसल, बेंच तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास हाईकोर्ट के राज्य के हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) बनाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। तमिलनाडु सरकार जेएनवी में लागू थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी के पक्ष में नहीं है।

कोर्ट बोला- तीसरी भाषा की पढ़ाई 9वीं में बंद हो :
जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि तीसरी भाषा को पढ़ाना 6वीं क्लास में शुरू करना चाहिए और 9वीं में इसे बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं का दबाव कक्षा 8 से ही शुरू हो जाता है। आगे उन्होंने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बताते हुए कहा कि जब मैं स्कूल में थी तब 8वीं के बच्चों को 10वीं की चीजें पढ़ाई जाती थीं। उस वक्त

सीबीआई का एक्शन : कर्नाटक में केएपीएल के निदेशक को पांच लाख की रिश्वत लेते दबोचा

✻ घर से 75 लाख नकद और सोना बरामद

बेंगलूरू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई ने बेंगलुरू स्थित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कर्नाटक एंटीबायोटिक्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अनुराग दनायक को भोपाल की एक फर्म से 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी।

आखिर सीबीआई ने आरोपी को कैसे पकड़ा :
सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को रिश्वत के लेन-देन की सूचना मिलने के बाद एजेंसी ने नोएडा में जाल बिछाया। वहां अनुराग दनायक को केएपीएल की अधिकृत सर्विस एजेंट कंपनी से 5 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। प्रवक्ता के अनुसार, आरोपी प्रबंध निदेशक ने भोपाल की एक फर्म से करीब 15 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। यह फर्म केएपीएल की अधिकृत सर्विस एजेंट है और मध्य प्रदेश के सरकारी संस्थानों को दवाओं की आपूर्ति करती है।

फर्म को क्या फायदा पहुंचाने का था आरोप :
सीबीआई का आरोप है कि यह रिश्वत फर्म के सर्विस एजेंट एग्रीमेंट के नवीनीकरण को मंजूरी देने और उसे अतिरिक्त सरकारी संस्थान आवंटित करने के लंबित आवेदन पर अनुकूल निर्णय लेने के बदले मांगी गई थी। इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में दवाओं की बिक्री पर फर्म को मिलने वाले कमीशन में से हिस्सा (कट) भी रिश्वत के रूप में मांगा गया था। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी प्रबंध निदेशक को 15 लाख रुपये की कुल मांगी गई रिश्वत की रकम में से पहली किस्त के रूप में 5 लाख रुपये लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

'कानून से ऊपर नहीं हैं आप' : भ्रष्टाचार से लड़ते वक्त कानून नहीं भूलिए

कर्नाटक हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी पर सरकार के हाथों का खिलौना या अपनी मनमर्जी करने के आरोप नए नहीं हैं। ताजा मामले में प्रवर्तन निदेशालय ईडी को कर्नाटक हाईकोर्ट से उस समय कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा जब अदालत ने एक आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त और उनके परिवार के खिलाफ की गई तलाशी कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाए। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई आवश्यक है, लेकिन किसी भी जांच एजेंसी को कानून की सीमाओं के भीतर रहकर ही कार्रवाई करनी होगी।

ईडी की तलाशी कार्रवाई और हाईकोर्ट में याचिका :
मामला आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त डॉ.वाई. मंजूनाथ और उनकी पत्नी द्वारा दायर याचिकाओं से जुड़ा है। याचिकाओं में जून में ईडी द्वारा बेलगावी और बेंगलुरु स्थित परिसरों पर की गई तलाशी को चुनौती दी गई। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि ईडी की कार्रवाई कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज एक रंगे हाथों पकड़े जाने के मामले से जुड़ी थी। बाद में इस केस को जगदीश नायक नाम के आबकारी अधिकारी के खिलाफ दर्ज किया गया था, जिसे कथित तौर पर 25 लाख की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। याचिकाकर्ताओं ने फिर अदालत को बताया कि न तो एडिशनल कमिश्नर और न ही उनके परिवार के सदस्यों का नायक या मुख्य अपराध से कोई संबंध था। कर्नाटक हाईकोर्ट में कोर्ट, जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने आबकारी विभाग के एडिशनल कमिश्नर डॉ.वाई. मंजूनाथ और उनकी पत्नी महादेवी मंजूनाथ की याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनके जरिए 24 और 25 जून को बेलागावी और बेंगलुरू में उनके घरों पर पीएमएलए की धारा 17 के तहत ईडी द्वारा की गई तलाशी और ज़ब्ती की कार्रवाई को चुनौती दी गई थी।

हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं का भी उल्लेख किया। अदालत ने कहा कि यदि मामला आय से अधिक संपत्ति यानी धारा 13 से जुड़ा होता तो ईडी की दलीलों पर अलग दृष्टिकोण अपनाया जा सकता था। लेकिन वर्तमान मामला कथित रूप से धारा 7A के ट्रैप केस से संबंधित है। अदालत ने पूछा कि जिस आरोपी के विरूद्ध ट्रैप केस दर्ज हुआ, उसका अतिरिक्त आयुक्त या उनके परिवार से क्या संबंध है। कोर्ट ने संकेत दिया कि जांच एजेंसी को ऐसे मामलों में पर्याप्त प्रारंभिक सामग्री प्रस्तुत करनी चाहिए।

टीएमसी को एक और बड़ा झटका

राज्यसभा सदस्य कोयल मलिक ने दिया इस्तीफा

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस को गुरुवार को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्यसभा सदस्य और लोकप्रिय बंगाली अभिनेत्री रुक्मिणी मलिक (कोयल मलिक) ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कोयल मलिक ने 6 अप्रैल 2026 को पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी।

उन्हें तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए नामित किया था, हालांकि अब उनके अचानक इस्तीफे को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के लिए एक बड़े राजनीतिक झटके के रूप में देखा जा रहा है। राजनीति में आने से पहले कोयल मलिक बंगाली फिल्म उद्योग का एक बेहद चर्चित और लोकप्रिय चेहरा रही हैं। उन्हें टॉलीवुड की 'टॉली-क्वीन' भी कहा जाता है। पिछले दो दशकों से वह बंगाली सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 2003 में सुपरहिट फिल्म 'नेटर गुरु' से की थी। इसके बाद 'बंधन' (2004), 'शुभदृष्टि' (2005), 'पागलू' (2011), 'हेमलॉक सोसाइटी' (2012) और 'मितिन माशी' थ्रिलर सीरीज (2019) जैसी कई सफल फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाकर दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई। कोयल मलिक को अपने शानदार अभिनय के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिल चुके हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड बांग्ला, दो बीएफजेए अवॉर्ड और साल 2023 में पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिष्ठित 'महानायक सम्मान' प्रदान किया गया था।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा

गुरुग्राम में पकड़े गए 13 बांग्लादेशी, कोई नहीं दिखा सका दस्तावेज, डिपोर्ट शुरू

गुरुग्राम, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने अवैध घुसपैठियों के खिलाफ एक बड़ी और प्रभावी कार्यवाही की है। पुलिस ने साइबर सिटी में अवैध रूप से रह रहे 13 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़कर उनके देश वापस भेजने (निर्वासन) की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार को गुरुग्राम पुलिस की एक विशेष एस्कॉर्ट टीम इन सभी नागरिकों को लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से रवाना हो चुकी है।

क्राइम ब्रांच की टीम को मिली बड़ी कामयाबी :
गुरुग्राम पुलिस के मुताबिक, अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) सेक्टर-39 की टीम ने शहर में अवैध प्रवासियों की धरपकड़ के लिए एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया था। इसी अभियान के दौरान टीम ने खुफिया इनपुट और मुस्तैदी के आधार पर इन 13 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की। जांच के दौरान ये सभी भारत में वैध रूप से रहने के कोई भी पुख्ता दस्तावेज या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके। भारत सरकार और सक्षम प्राधिकारी के आदेशों का अनुपालन करते हुए इन नागरिकों को डिपोर्ट करने की कागजी कार्रवाई पूरी की गई। गुरुग्राम पुलिस ने इनकी सुरक्षित रवानगी के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

सुरक्षा टीम : 01 निरीक्षक (इंस्पेक्टर) के नेतृत्व में 23 पुलिसकर्मियों की एक स्पेशल एस्कॉर्ट टीम तैनात की गई है।

रूट प्लान : यह टीम सभी 13 बांग्लादेशी नागरिकों को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जरिए पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन लेकर जा रही है।

मालदा टाउन पहुंचने के बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत इन्हें भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा, जहां से इन्हें इनके देश वापस भेज दिया जाएगा।

70 वर्ष से अधिक उम्र और बीमार कैदियों की समय से पहले रिहाई

सभी राज्य तीन महीने में नीति बनाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश देते हुए कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र, लाइलाज बीमारी, गंभीर बीमारी या शारीरिक रूप से अक्षम कैदियों की मानवीय आधार पर समय से पहले रिहाई के लिए तीन महीने के भीतर एक स्पष्ट नीति तैयार की जाए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में देशभर में ऐसे कैदियों की दयापूर्ण रिहाई के लिए एक समान दिशा-निर्देश बनाने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि जेलों में बुजुर्ग और शारीरिक रूप से कमजोर कैदियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। कई कैदी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे कैदियों को जेल में बनाए रखना संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) का उल्लंघन है। यह अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के भी अनुरूप नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नई नीति में पात्रता की शर्तें, 'टर्मिनल इलनेस' (लाइलाज बीमारी) की स्पष्ट परिभाषा और स्वतंत्र मेडिकल बोर्ड द्वारा निष्पक्ष स्वास्थ्य जांच की अनिवार्य व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। अदालत ने यह भी कहा कि समय से पहले रिहाई से जुड़े सभी आवेदनों का बिना किसी अनावश्यक देरी के निपटारा किया जाए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी आवेदन ई-प्रिजन्स पोर्टल के माध्यम से संसाधित किए जाएं। पोर्टल पर आवेदन दाखिल होने से लेकर मेडिकल जांच, जेल अधिकारियों की रिपोर्ट, मेडिकल बोर्ड और अंडरट्रायल रिव्यू कमेटी की सिफारिश, सक्षम प्राधिकारी का अंतिम फैसला और उसके कारण तक पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से दर्ज की जाएगी।

100 से अधिक वैज्ञानिकों के इस्तीफों से हिला इसरो

गगनयान मिशन के बीच सरकार हुई सख्त, बदल दिए नियम

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गगनयान मिशन समेत भारत के कई अहम स्पेस प्रोजेक्ट के बीच इसरो (इसरो) में वैज्ञानिकों के लगातार इस्तीफों और वीआरएस ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इसी को देखते हुए अंतरिक्ष विभाग ने नया निर्देश जारी कर दिया है। अब गगनयान और अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े वैज्ञानिकों के इस्तीफे या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) को सामान्य प्रक्रिया के तहत मंजूरी नहीं दी जाएगी। हर मामले में अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 जुलाई को यूआर राव सैटेलाइट सेंटर (यूआरएससी) और विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) जैसे केंद्रों को जारी किए गए मेमोरेंडम में निर्देश दिया गया कि वे 'ग्रुप A' के वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों के इस्तीफे या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के अनुरोधों को सामान्य प्रक्रिया के तहत स्वीकार न करें। ऐसे सभी मामलों को संबंधित केंद्र के निदेशक की सिफारिश के साथ अंतरिक्ष विभाग भेजा जाएगा, जहां अंतिम निर्णय लिया जाएगा। दरअसल ये कर्मचारी भारत के प्रतिष्ठित मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम 'गगनयान' और अन्य 'महत्वपूर्ण मिशनों' से जुड़े हैं। जिन अन्य केंद्रों को यह निर्देश जारी किया गया, उनमें सतीश धवन स्पेस सेंटर (एसडीएससी), लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (एलपीएससी), स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी), नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी), इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएससी) और मास्टर कंट्रोल फैसिलिटी (एमसीएफ) शामिल हैं। यह आदेश ऐसी खबरों के बीच जारी किया गया है कि हाल ही में 100 से ज्यादा कर्मचारियों ने इसरो छोड़ा है। इनमें बेंगलुरू स्थित यूआरएससी और तिरुवनंतपुरम स्थित वीएसएससी से सबसे ज्यादा कर्मचारियों ने नौकरी छोड़ी है। छोड़ने वालों में सीनियर साइंटिस्ट विक्टर जोसेफ टी भी शामिल थे, जो वीएसएससी में जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल एमके III प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे।

बीटेक करने वाले युवक ने गांजा तस्करी के लिए एक ऐप बनाया और पकड़ा गया

विशाखापट्टनम, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बीटेक की पढ़ाई कर रहा एक युवक सॉफ्टवेयर डेवलपर बना और अपनी मर्ज़ी से ऐप्स बनाने लगा। उसने कम समय में ज़्यादा पैसे कमाने के लिए गैर-कानूनी रास्ता चुना। इसके लिए उसने एक गैंग बनाया और बैंगलोर में गांजा तस्करी शुरू कर दी। एक बड़ा गैंग ओडिशा से अराकू होते हुए गांजा सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने इस मामले का पर्दाफाश किया। अन्नमय्या ज़िले के गालिवीडु का रहने वाला कमलाकर रेड्डी बी.टेक का छात्र है।

बुरी आदतों का शिकार यह युवक गांजा तस्करी में शामिल हो गया। वह हाई-टेक तरीके से विशाखापट्टनम से गांजा मंगवाता था और उसे एक ऐप के ज़रिए बेचता था। वह बैंगलोर में काम कर रहा था। हाल ही में पुलिस की चेकिंग के दौरान उसके पास से 4 किलो गांजा बरामद हुआ और पुलिस ने मामले की तह तक जाकर पूरे गैंग का पता लगाया। उसी समय, गालिवीडु के बीटेक छात्र कमलाकर रेड्डी के पास गांजा मिला। पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और पूछताछ की, जिससे अंतरराष्ट्रीय गांजा गैंग का खुलासा हुआ।

मैं तब तक जिंदा रहूंगी जब तक आपका अंत न देख लूं

एज-शेमिंग को लेकर बीजेपी पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने आज बीजेपी पर फिर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि किसी को उसकी उम्र को लेकर अपमानित करने की कोशिश न करें। चुनाव परिणाम के दिन बीजेपी के गुंडों ने कामना की थी कि मुझे हार्ट अटैक आ जाए और मेरी मौत हो जाए। लेकिन मैं उन्हें बता देना चाहती हूं कि मैं तब तक जिंदा रहूंगी, जब तक आपका अंत न देख लूं। मैं आम लोगों और मजदूरों के लिए लड़ूंगी। मेरे पास काफी कार्यकर्ता हैं। कई नए लोग भी हमसे जुड़ रहे हैं।

2026 चुनाव और टीएमसी की करारी हार

बता दें कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव टीएमसी के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका साबित हुए, जहां 15 साल से सत्ता में रही पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में टीएमसी मात्र 80 सीटों पर सिमट गई, जबकि बीजेपी ने 208 सीटें जीतकर राज्य में पहली बार सरकार बनाई। इस पराजय में खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपनी पारंपरिक भवानीपुर सीट से बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी से 15,000 से अधिक वोटों से चुनाव हार गईं। वर्तमान में शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हैं।

पार्टी में बड़ी बगावत और दोफाड़

चुनाव नतीजों के ठीक एक महीने बाद जून 2026 में पार्टी के भीतर एक बड़ी बगावत हुई, जिससे टीएमसी दोफाड़ हो गई। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के नाम को लेकर शुरू हुए विवाद में 80 में से 64 नवनिर्वाचित विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया।

यह संख्या दल-बदल विरोधी कानून से बचने के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से अधिक थी, जिसके कारण विधानसभा अध्यक्ष ने भी इस गुट को मान्यता दे दी। यह बिखराव केवल राज्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लोकसभा में भी काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में 28 में से 20 सांसदों ने एक बागी गुट बनाकर केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया। इस बड़ी टूट की मुख्य वजह ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के बढ़ते कद से वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी और सत्ता जाने के बाद वैचारिक आधार की कमी को माना गया।

कानूनी लड़ाइयों में उलझी टीएमसी

वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस एक गंभीर संकट और कानूनी लड़ाइयों से जूझ रही है। बागी गुट ने अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं, हालांकि उन्होंने ममता बनर्जी को अपना सलाहकार बने रहने का अनुरोध किया है।

पार्टी के आधिकारिक व्हिप और 'असली टीएमसी ' के अधिकार को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट और विधानसभा अध्यक्ष के स्तर पर उलझा हुआ है। राज्य की सत्ता हाथ से जाने और अपनी ही बनाई पार्टी का दो-तिहाई हिस्सा अलग होने के कारण, यह दौर ममता बनर्जी के राजनीतिक करियर का सबसे कठिन समय बन गया है।

सिलक्यारा सुरंग निर्माण के दौरान हादसा, कंक्रीट लाइनिंग का ब्लॉक टूटकर गिरने से मजदूर की मौत

उत्तरकाशी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सिल्क्यारा टनल निर्माण कार्य के दौरान बुधवार देर रात करीब दो दुर्घटना हो गई। जिसमें एक कार्मिक की मौत हो गई। बताया गया कि बड़कोट साइड से लगभग 900 मीटर अंदर टनल की कंक्रीट (शॉटक्रीट) लाइनिंग का एक ब्लॉक टूटकर गिरने से एक कार्मिक की मृत्यु की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। मामले का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने घटना की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी बड़कोट को तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वे मौके पर जाकर स्थिति का विस्तृत जायजा लें, हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाएं और कार्यदायी संस्था के सुरक्षा मानकों की गहनता से जांच करें। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता पहुंचाने व अन्य विधिक प्रक्रिया पूरी करने तथा टनल के भीतर अन्य श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व वैधानिक कदम तुरंत उठाए जाएं।

न तो रात का खाना मिला, ना कोई मदद

स्विगी के तीन बार ऑर्डर कैंसिल करने पर महुआ मोइत्रा का छलका दर्द

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की फायरब्रांड नेता और लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने स्विगी द्वारा तीन बार ऑर्डर कैंसिल किए जाने पर नाराजगी जताई है। महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्क्रीनशॉट करके अपना विरोध दर्ज कराते हुए इस घटनाक्रम को रिपोर्ट किया है। महुआ मोइत्रा ने लिखा है कि नमस्ते स्विगी यह तीसरी बार है जब आपने बिना किसी ठोस कारण के मेरा ऑर्डर कैंसिल कर दिया।

महुआ मोइत्रा ने स्विगी के आधिकारिक हैंडल को टैग करके लिखा है कि मुझसे पूरे बिल की रकम 1457 रुपये कैंसिलेशन फीस के तौर पर वसूल ली। न तो रात का खाना मिला और न ही किसी से कोई मदद। ताजा मामले में महुआ मोइत्रा ने कोलकाता के अरसलान नाम के रेस्टोरेंट से स्विगी के जरिए खाना ऑर्डर किया था।

महुआ मोइत्रा के भूखे रहने और मदद नहीं मिलने का मामला एक्स पर उठाए जाने के बाद कमेंट की बाढ़ आ गई है। इस बीच स्विगी

ने भी प्रतिक्रिया देते हुए जवाब साझा किया है। स्विगी ने लिखा है कि महुआ हम पूरी तरह समझते हैं कि यह कितना निराशाजनक हो सकता है।

हम आपसे तुरंत संपर्क कर रहे हैं। हम आपके साथ ऑर्डर कैंसलेशन और उससे जुड़े चार्जेज की समीक्षा करेंगे और बिना किसी देरी के समाधान निकालने की दिशा में काम करेंगे। महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लोगों के कमेंट के बीच लिखा है कि मैंने कैंसिल नहीं किया। मैं इंतजार करती रही।

उन्होंने बिना किसी वजह के कैंसिल कर दिया और मुझे ईमेल भेजकर कहा कि वे मुझसे पूरा पैसा वसूल रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब महुआ मोइत्रा को स्विगी ऑर्डर करने पर परेशानी का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पिछले साल जनवरी में महुआ मोइत्रा ने डिलीवरी में खराब आइसक्रीम मिलने की शिकायत की थी।

तब महुआ मोइत्रा ने एक्स पर स्विगी से आइसक्रीम डिलीवरी को बदलने या रिफंड देने की मांग की थी, क्योंकि उनके अनुसार आइसक्रीम खराब और खाने लायक नहीं थी। तब स्विगी ने कुछ घंटों बाद ही उनकी चिंता पर तुरंत जवाब दिया था। उनके एक्स पोस्ट के जवाब में कंपनी ने लिखा था कि महुआ, यह जानकर दुख हुआ कि आपको अपने ऑर्डर में समस्या आ रही है। कृपया ऑर्डर नंबर शेयर करें।

हम इसकी जांच करेंगे। तब महुआ मोइत्रा ने 10 आइटम के लिए ऑर्डर की कीमत 1220 रुपये दिए थे।

हैदराबाद के स्कूल ने हिंदू छात्र को होमवर्क में इस्लामी धार्मिक निर्देश देने पर टीचर को नौकरी से निकाला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के एक प्राइवेट स्कूल ने एक टीचर को नौकरी से निकाल दिया है। आरोप है कि उन्होंने एक हिंदू छात्र को होमवर्क के तौर पर इस्लामी धार्मिक रीति-रिवाजों से जुड़ी चीज़ें करने के लिए कहा था। इस घटना से विवाद खड़ा हो गया और बच्चे के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार और विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने गुरुवार को स्कूल टीचर द्वारा पढ़ाई-लिखाई की गतिविधि के तहत दिए गए निर्देशों पर कड़ी आपत्ति जताई और संस्थान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस बीच, स्कूल मैनेजमेंट के एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इस मामले में टीचर को नौकरी से निकाल दिया गया है।

इससे पहले, छात्र के एक रिश्तेदार ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि वे शिकायत की जांच कर रहे हैं और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई करेंगे। छह साल के छात्र की मौसी, जिन्होंने स्कूल में टीचरों से सवाल-जवाब किए, उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लड़के की होमवर्क डायरी में इस्लाम की मुख्य मान्यताओं से जुड़ी कुछ बातें पढ़ने के निर्देश मिले। उन्होंने दावा किया कि स्कूल प्रिंसिपल ने उनसे कहा था कि यह एक धार्मिक विषय है जिसका पालन करना सभी छात्रों के लिए ज़रूरी है। महिला ने स्कूल की डायरी दिखाई और बताया कि निर्देश देने वाली टीचर ने कहा था कि उन्होंने गलती से लड़के की किताब में वे निर्देश लिख दिए थे। निर्देशों और स्कूल के जवाब पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने कहा कि धर्म से जुड़ा ऐसा होमवर्क सिर्फ़ उन्हीं छात्रों को दिया जाना चाहिए जो इसे चुनना चाहें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग को इस घटना पर कार्रवाई करनी चाहिए। स्कूल अधिकारियों से सवाल-जवाब करती महिला का एक वीडियो वायरल हो गया है। घटना पर कड़ी आपत्ति जताते हुए बंदी संजय कुमार ने मांग की कि स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

यह भरोसा जताते हुए कि 2028 में होने वाले अगले विधानसभा चुनावों के बाद तेलंगाना में बीजेपी सत्ता में आएगी, संजय कुमार ने कहा कि सभी हिंदू छात्रों के लिए 'तिलक' (माथे पर धार्मिक निशान) लगाना अनिवार्य कर दिया जाएगा। वीएचपी नेता रविनुथला शशिधर ने संस्थान के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी गई उसकी मान्यता रद्द कर दी जानी चाहिए।

सीएम शिवकुमार ने बिदादी टाउनशिप प्रोजेक्ट की रफ़्तार धीमी की

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। किसानों के कड़े विरोध के बाद, सत्ताधारी कांग्रेस सरकार ने विवादित 'ग्रेटर बेंगलुरु इंटीग्रेटेड टाउनशिप' (जीबीआईटी) या बिदादी टाउनशिप प्रोजेक्ट पर काम की रफ़्तार धीमी करने का फ़ैसला किया है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने साफ़ किया कि इस प्रोजेक्ट के लिए किसानों से ज़बरदस्ती ज़मीन नहीं ली जाएगी और अगला कदम उठाने से पहले मामले की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट को रोका नहीं जाएगा और ज़मीन सिर्फ़ उन्हीं किसानों से ली जाएगी जो इसे देने के लिए तैयार होंगे।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी. देवेगौड़ा के इस आरोप के एक दिन बाद कि मुख्यमंत्री पार्टी आलाकमान को खुश करने के लिए यह प्रोजेक्ट चला रहे हैं और उनके विधानसभा (विधान सौधा) में महात्मा गांधी की मूर्ति के सामने धरने की चेतावनी देने के बाद, शिवकुमार ने गौड़ा के आरोपों का जवाब देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट को लागू करने की कोई जल्दबाज़ी नहीं है।

लातूर के कोचिंग सेंटर संचालक के पास से बरामद हुआ

136 हाथ से लिखे सवालों में से 111 प्रश्न नीट परीक्षा में आए, सीबीआई का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीबीआई ने दिल्ली की एक अदालत में बड़ा खुलासा किया है। एजेंसी ने कहा है कि मामले में गिरफ्तार लातूर के एक कोचिंग सेंटर संचालक के मोबाइल फोन से बरामद 136 हाथ से लिखे केमिस्ट्री के सवालों में से 111 सवाल नीट-यूजी 2026 के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते थे। सीबीआई ने यह जानकारी आरोपी की जमानत याचिका का विरोध करते हुए अदालत में दाखिल जवाब में दी। सीबीआई के मुताबिक, ये सवाल शिवराज मोटेगांवकर के मोबाइल फोन से बरामद हुए।

शिवराज महाराष्ट्र के लातूर में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेज चलाते हैं और 'मोटेगांवकर सर का आरसीसी' नाम से एक यूट्यूब चैनल भी संचालित करते हैं, जिसके करीब 1.68 लाख सब्सक्राइबर हैं। जांच में सामने आया है कि सह-आरोपी आदित्य मोटेगांवकर ने सह-आरोपी पी. वी. कुलकर्णी की स्पेशल क्लासेस

में हिस्सा लिया था। सीबीआई का आरोप है कि इन्हीं कक्षाओं में लीक हुए केमिस्ट्री के सवाल उपलब्ध कराए गए थे। इसके बाद आदित्य ने उन सवालों के हस्तलिखित नोट्स तैयार किए। जांच के दौरान, शिवराज मोटेगांवकर के मोबाइल से 36 तस्वीरें (जिनमें 5 डुप्लीकेट थीं) बरामद हुईं। इनमें 132 हस्तलिखित केमिस्ट्री के प्रश्न मिले, जो प्रथम दृष्टया शिवराज मोटेगांवकर की लिखावट में पाए गए। सीबीआई ने अदालत को बताया कि शुरुआती जांच में करीब 111 सवाल एनटीए की तरफ से तैयार किए गए नीट-यूजी 2026 के मास्टर प्रश्न सेट से मेल खाते हैं। सीबीआई के अनुसार, मोबाइल में मौजूद इन तस्वीरों की कैप्चर डेट 23 अप्रैल 2026 है, जबकि नीट-यूजी 2026 परीक्षा 3 मई 2026 को आयोजित हुई थी। यानी ये सवाल परीक्षा से करीब दो सप्ताह पहले मोबाइल में मौजूद थे। सीबीआई का दावा है कि शिवराज मोटेगांवकर को ये प्रश्न लातूर के सिद्धिविनायक हॉस्पिटल परिसर में मिले थे। यह अस्पताल शहर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे की तरफ से संचालित है। जांच एजेंसी का आरोप है कि प्रश्नपत्र एनटीए के पैनल सदस्य और अनुवादक पी. वी. कुलकर्णी ने लीक किए थे। सीबीआई के मुताबिक, लीक हुए प्रश्नपत्रों की पीडीएफ फाइलें टेलीग्राम के जरिए 10 लाख रुपये में बेची गईं।

एजेंसी ने यह भी दावा किया कि करीब 150 पन्नों का एक 'गेस पेपर', जिसमें 410 प्रश्न थे, कुछ अभ्यर्थियों के बीच परीक्षा से कई सप्ताह पहले ही बांटा गया था। सीबीआई के अनुसार, इस गेस पेपर के करीब 120 प्रश्न नीट-यूजी 2026 की केमिस्ट्री की परीक्षा में पूछे गए। सीबीआई ने बताया कि इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें शिक्षक और छात्र शामिल हैं। ये गिरफ्तारियां दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर से हुई हैं।

सड़क पर चलते वक्त बीजेपी एससी मोर्चा के जिलाध्यक्ष की हार्ट अटैक से मौत

छिंदवाड़ा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष लोकेश डेहरिया की अचानक हार्ट अटैक से मौत का मामला सामने आया है। दरअसल, छिंदवाड़ा शहर के वार्ड नंबर- 47 प्रियदर्शनी कॉलोनी वार्ड के पार्षद लोकेश डेहरिया की अपने ही वार्ड में भ्रमण करते समय रास्ते में अचानक हार्ट अटैक आ जाने से मौत हो गई। इस घटना की वजह से इलाके में शोक की लहर है और लोग, लोकेश डेहरिया के अचानक निधन पर दुख जता रहे हैं।

बता दें कि 46 साल के लोकेश डेहरिया, नगर निगम छिंदवाड़ा में बीजेपी के पार्षद थे और बीजेपी के अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष भी थे। घटना के समय लोकेश डेहरिया अपने ही वार्ड में सिद्धिविनायक रेसीडेंसी के सामने रास्ते में पैदल चल रहे थे। तभी लोकेश को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसकी वजह से लोकेश सड़क पर गिर पड़े। हार्ट अटैक आने के बाद पार्षद लोकेश डेहरिया को तुरंत प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

'हर नागरिक की जिंदगी कीमती'

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर दिल्ली हाई कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य से जुड़ी याचिका पर गुरुवार को सुनवाई दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल पर चिंता जताते हुए कहा कि हर नागरिक की जिंदगी कीमती है और सरकार को इसकी सुरक्षा के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सोनम वांगचुक का प्रतिदिन मेडिकल चेक-अप होता है और उनकी सेहत से जुड़ी जानकारी रेगुलर तौर पर शेयर की जाती है।

एसजी के आश्वासन पर कोर्ट ने निर्देश दिया कि सोनम वांगचुक की मेडिकल स्थिति की रोजाना क्लिनिकल निगरानी की जाए और डाक्टरों की सलाह के आधार पर जरूरत पड़ने पर कोई भी मेडिकल मदद दी जाए।

उक्त निर्देश के साथ कोर्ट ने जनहित याचिका का निपटारा कर दिया। संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे सोनम मानचुंग को लेकर दिल्ली पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया के जरिए एलान किया है कि मानसून सत्र से पहले उन्हें समर्थन करने वाले लोग और राजनीतिक पार्टियों के नेता 20 जुलाई को जंतर मंतर पर पहुंचे। उसे देखते हुए पुलिस ने भी सक्रियता बढ़ा दी है। सोनम वांगचुक की तबियत भी बिगड़ रही है जिससे हो सकता है पुलिस उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर किसी अस्पताल में भर्ती करा दे।

धार में शराब कारोबारी के घर हमले के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, पुलिस ने शहर में घुमाकर दिया सख्त संदेश

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का अनोखा एक्शन देखने को मिला। शराब व्यवसायी के घर पर हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद कोतवाली पुलिस ने उनका शहर में ताशे बजवाते हुए पैदल जुलूस निकाला। इस दौरान आरोपियों से अपराध न करने का संदेश भी दिलवाया गया। मामला धार के कैलाश नगर का है। यहां शराब व्यवसायी के घर पर हमला करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान घटना में इस्तेमाल किए गए दो वाहन भी जब्त किए गए।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों का शहर की सड़कों पर ढोल-ताशे बजवाते हुए पैदल जुलूस निकाला। जुलूस के दौरान आरोपी कहते सुनाई दिए, अपराध करना पाप है। इस कार्रवाई का उद्देश्य अपराधियों में कानून का भय पैदा करना और आम लोगों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना बताया गया। इतना ही नहीं, पुलिस ने फरार आरोपियों के घरों के बाहर भी ताशे बजवाकर माइक से ऐलान किया और उन्हें जल्द से जल्द पुलिस के सामने पेश होने की चेतावनी दी। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

आईआरसीटीसी मनी लॉनड्रिंग केस में लालू परिवार को फिलहाल राहत

अब इस दिन आएगा अदालत का अगला फैसला

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉनड्रिंग मामले में आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार को फिलहाल राहत मिली है। गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट इस मामले में आरोप तय करने पर फैसला नहीं सुना सकी। अब अदालत 31 जुलाई को इस पर अगला आदेश देगी। इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। ईडी ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है।

एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में मनी लॉनड्रिंग से जुड़े तथ्य सामने आए हैं। यह मामला उस समय का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र की यूपीए सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि वर्ष 2004 से 2009 के बीच रेलवे के होटलों के रखरखाव और संचालन का ठेका निजी कंपनी को देने में अनियमितता की गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, आईआरसीटीसी के रांची और पुरी स्थित दो होटलों के विकास, संचालन और रखरखाव का ठेका एक निजी कंपनी को दिया गया था। ईडी का आरोप है कि इस ठेके के बदले लालू परिवार को पटना में कीमती जमीन बेहद कम कीमत पर ट्रांसफर की गई।

जांच में यह भी दावा किया गया है कि बाद में इस जमीन को बेनामी संपत्तियों और शेल कंपनियों के जरिए परिवार के सदस्यों के नाम पर स्थानांतरित किया गया। इन्हीं कथित वित्तीय लेन-देन और अवैध कमाई के आरोपों को आधार बनाकर ईडी ने मनी लॉनड्रिंग का मामला दर्ज किया था। फिलहाल अदालत ने आरोप तय करने पर फैसला टाल दिया है। अब 31 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई में यह साफ होगा कि अदालत इस मामले में आरोप तय करती है या नहीं। इस फैसले पर लालू परिवार और ईडी, दोनों की नजरें टिकी हुई हैं।

रूस में नौकरी के नाम पर जम्मू में 10 .05 लाख की ठगी, टूरिस्ट वीजा पर रूस भेजा, 2 महीने तक भटकता रहा युवक

जम्मू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेशल क्राइम विंग (एससीडब्ल्यू) क्राइम ब्रांच जम्मू ने विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी के एक मामले में आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोपपत्र (चार्जशीट) दाखिल कर दिया है। आरोपित की पहचान सूर्यवंशी नगर, मुट्ठी निवासी विशाल सिंह उर्फ विशाल मन्हास के रूप में हुई है। उसके विरुद्ध मामला दर्ज है। जांच के अनुसार आरोपित ने शिकायतकर्ता को रूस में नौकरी और वर्क वीजा दिलाने का झांसा देकर 10.05 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपित के पास विदेश में भर्ती कराने का कोई अधिकृत लाइसेंस या अनुमति नहीं थी, इसके बावजूद उसने खुद को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम बताया।

जांच में सामने आया कि आरोपित ने शिकायतकर्ता के लिए वर्क वीजा की बजाय केवल टूरिस्ट ई-वीजा की व्यवस्था की और उसे पहले दुबई तथा फिर रूस भेज दिया। शिकायतकर्ता करीब दो माह तक रूस में बिना किसी रोजगार के रहा। न तो उसे नौकरी मिली और न ही आरोपी ने उसकी रकम लौटाई। शिकायतकर्ता द्वारा पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने उसे कथित रूप से धमकियां भी दीं। क्राइम ब्रांच ने जांच के दौरान बैंक रिकार्ड, दस्तावेजी सबूतों, गवाहों के बयान और वित्तीय लेन-देन का विश्लेषण किया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026 3

सुविचार: घोर संकट के समय भी मुस्कराते रहना सन्तुलित मन की निशानी है

पारंपरिक उत्साह के साथ होती है गोलकोंडा बोनालू की शुरूआत

कोंडा सुरेखा ने श्री जगदंबिका अम्मावरी बोनालू उत्सव में भाग लिया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक गोलकोंडा किला गुरुवार को आध्यात्मिक उत्साह और जीवंत रंगों से सराबोर हो उठा, जो महीने भर चलने वाले आषाढ़ बोनालू उत्सव के भव्य शुभारंभ का प्रतीक है। उत्सव की शुरूआत किले के ऊपर स्थित श्री जगदंबिका मंदिर में देवता को पहला बोनम अर्पित करने की पारंपरिक रस्म के साथ हुई।

वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने हैदराबाद के लंगर हौज चौराहे पर गोलकुंडा किला श्री जगदंबिका अम्मावरी बोनालू उत्सव के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। मंत्री के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर मंदिर के पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रों के जाप के बीच पारंपरिक पूर्णा कुंभ के साथ उनका भव्य स्वागत किया गया। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ, उन्होंने मुख्य देवता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए। बोनालू उत्सव के प्रारंभ के उपलक्ष्य में, मंत्रियों ने देवी को पहला बोनम अर्पित करके और ढोल की लयबद्ध थापों, पोथुराजुओं के प्रदर्शन, शिव सत्तुलु द्वारा भक्ति नृत्य और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच अपनी प्रतिज्ञाओं को पूरा करके पारंपरिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

इस अवसर पर, मंत्री कोंडा सुरेखा और पोन्नम प्रभाकर ने संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की गई आषाढ़ बोनालू महोत्सव पर एक पुस्तिका का विमोचन किया। दोनों मंत्रियों ने राज्य सरकार की ओर से जगदंबिका मंदिर समिति को 11 लाख रुपये का चेक भी सौंपा।

तेलंगाना के लोगों को बोनालू की शुभकामनाएं देते हुए कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य सरकार इस त्योहार को बड़े धूमधाम से मना रही है क्योंकि यह तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद पारंपरिक ढोल की थापों, पोथुराजुओं के प्रदर्शन, शिव सत्तुलु द्वारा किए जाने वाले भक्ति अनुष्ठानों और लोक कलाकारों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव के माहौल में डूबा हुआ है। मंत्री ने आशा व्यक्त की कि देवी जगदंबिका को बोनालू अर्पित करने से अल नीनो के प्रभाव को कम करने, भरपूर वर्षा लाने, धरती माता को शांत करने और समृद्धि लाने में मदद मिलेगी, और उन्होंने तेलंगाना की सभी क्षेत्रों में निरंतर प्रगति की कामना की। कोंडा सुरेखा ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है कि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के आषाढ़ बोनालू उत्सव में भाग ले सकें और मुख्य देवताओं के दर्शन कर सकें। कार्यक्रम में सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव, विधायक दानम नागेंद्र, पूर्व सांसद मधु यास्खी गौड़, तेलंगाना राज्य महिला कांग्रेस अध्यक्ष एर्रबेल्ली स्वर्णा, धर्मस्व विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यर, निदेशक हनुमंत राव, हैदराबाद जिला कलेक्टर प्रियंका आला, संस्कृति विभाग के निदेशक एनुगु नरसिम्हा रेड्डी, गोलकुंडा जगदंबिका मंदिर समिति के अध्यक्ष अकुला चंद्रशेखर, कई कांग्रेस पार्टी के नेता और अन्य लोगों ने भाग लिया।

बोनम के लिए मिट्टी के बर्तनों का उपयोग करें : मंत्री पोन्नम

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने श्रद्धालुओं से आषाढ़म बोनालू उत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और तेलंगाना के कुम्हार समुदाय का समर्थन करने के लिए पारंपरिक मिट्टी के बर्तनों में 'बोनम' अर्पित करने की अपील की। लोअर टैंकबंड स्थित श्री जगदीश मंदिर में बोनालू उत्सव में मंत्री कोंडा सुरेखा और विधायक वीरलापल्ली शंकर के साथ भाग लेते हुए पोन्नम ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ परंपराओं का संरक्षण भी होना चाहिए। कोंडा सुरेखा ने कहा कि बोनालू तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है और उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के उत्सवों के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की है। उन्होंने प्लेग के प्रकोप के दौरान बोनालू परंपरा की उत्पत्ति को याद करते हुए भक्तों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए मिट्टी के बर्तनों में बोनालू अर्पित करने का आग्रह किया।

केवल एक शिक्षक को हटाना पर्याप्त नहीं है : रामचंद्र राव

> भाजपा ने स्कूल में 'शिक्षा जिहाद' की निंदा की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने गुरुवार को आरोप लगाया कि हैदराबाद के पुराने शहर में 'शिक्षा जिहाद, का एक नया चलन उभर कर सामने आया है और इसे अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक' बताया।

एक बयान में, राव ने सैदाबाद के सक्सेस स्कूल में हुई एक घटना पर चिंता व्यक्त की, जहां उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी कक्षा के एक हिंदू छात्र को कलमा पढ़ने के लिए कहा गया और उसे कलमा और सूरह अल-फातिहा को सीखने और लिखने का गृहकार्य सौंपा गया। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराते हुए राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की वोट बैंक की राजनीति और मुस्लिम तुष्टीकरण ने ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दिया है। उन्होंने छात्रा की मां की सराहना की, जिन्होंने अपनी बेटी को कलमा लिखने के लिए कहे जाने की जानकारी मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन से सवाल किया। राव ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग की स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में कथित विफलता की आलोचना करते हुए कहा कि केवल एक शिक्षक को हटाना पर्याप्त नहीं है और प्रबंधन को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। राव ने आगे आरोप लगाया कि छात्रों को दूसरे धर्म की प्रार्थनाएं करने के लिए मजबूर करना अस्वीकार्य है और दावा किया कि कुछ शिक्षण संस्थानों में हिंदू छात्रों को तिलक या बिंदी जैसे धार्मिक चिन्ह प्रदर्शित करने से रोकने के लिए इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षण संस्थानों को प्रत्येक छात्र के संवैधानिक अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए शिक्षा प्रदान करने पर ध्यान देना चाहिए। राव ने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कांग्रेस सरकार से घटना की निष्पक्ष और व्यापक जांच कराने, दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने और जरूरत पड़ने पर स्कूल की मान्यता रद्द करने का आग्रह किया।

एआई-संचालित साइबर कॉल सेंटर के कामकाज की भी समीक्षा की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद ने अधिकारियों को तेलंगाना को प्रौद्योगिकी-आधारित साइबर पुलिसिंग में राष्ट्रीय मॉडल बनाने का निर्देश दिया है, और साइबर अपराध से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, मजबूत जांच और अधिक जन जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया है। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की समीक्षा के दौरान, आनंद ने साइबर लैब, सुरक्षा संचालन केंद्र, डिजिटल फोरेंसिक यूनिट, सोशल मीडिया यूनिट, बाल संरक्षण यूनिट और अन्य विभागों का निरीक्षण किया। उन्होंने ब्यूरो के एआई-संचालित साइबर कॉल सेंटर के कामकाज की भी समीक्षा की और अधिकारियों को पीड़ितों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए एआई-आधारित सेवाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से डीजीपी को साइबर अपराध के वर्तमान रुझानों, जांच विधियों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग, पीड़ितों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं और भविष्य की कार्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने डीजीपी को सूचित किया कि तेलंगाना में साइबर अपराध से संबंधित वित्तीय नुकसान 2025 में 1,524 करोड़ रुपये रहा, जो 2024 की तुलना में 20 प्रतिशत की गिरावट है, जबकि शिकायतों में 3 प्रतिशत की कमी आई और वे 91,369 रह गईं।

जालसाजों के खातों में जमा की गई राशि 255 करोड़ रुपये से बढ़कर 279 करोड़ रुपये हो गई, जिससे वसूली प्रयासों में सुधार हुआ। ब्यूरो ने यह भी बताया कि 2025 में देशभर में दर्ज 49,620 साइबर अपराध एफआईआर में से 21,639 तेलंगाना से थीं, जो कुल एफआईआर का 44 प्रतिशत है। यह राज्य की सक्रिय प्रवर्तन नीति को दर्शाता है। 2025 में राज्य में दर्ज 86,177 गंभीर अपराधों की एफआईआर में से 21,639 साइबर अपराध से संबंधित थीं।

ब्यूरो ने बताया कि अन्य गंभीर अपराधों से 207 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि साइबर अपराधों से 1,524 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने कहा कि साइबर अपराधों से हुआ वित्तीय नुकसान अन्य गंभीर अपराधों से हुए नुकसान से लगभग सात गुना अधिक था। आनंद ने कहा कि साइबर अपराध पारंपरिक अपराधों की तुलना में कहीं अधिक बड़ा वित्तीय खतरा है और उन्होंने प्रत्येक पुलिस अधिकारी से एआई, डेटा एनालिटिक्स और डिजिटल जांच में तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने निवेश धोखाधड़ी, ऑनलाइन ट्रेडिंग घोटाले और डिजिटल वित्तीय अपराधों के बढ़ते खतरे से निपटने की आवश्यकता पर भी बल दिया, इससे पहले कि वे और अधिक गंभीर हो जाएं।

भाजपा ने तेलंगाना में प्रधानमंत्री की फसल बीमा योजना लागू करने की मांग की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक पायल शंकर ने गुरुवार को तेलंगाना में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) को तत्काल लागू करने की मांग की और आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने लगातार राज्य बजटों में धनराशि आवंटित करने के बावजूद अपने चुनावी वादे को पूरा करने में विफल रही है। शंकर ने दावा किया कि अनियमित वर्षा, बाढ़, कीटों के हमले और फसल के नुकसान के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र की फसल बीमा योजना महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है और कई राज्यों में सफलतापूर्वक लागू की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां पिछली बीआरएस सरकार ने इस योजना को केवल एक वर्ष के लिए लागू किया, वहीं कांग्रेस ने अपने 'रायथु घोषणापत्र' और चुनाव घोषणापत्र में पीएमएफबीवाई को लागू करने का वादा किया था, जिसमें राज्य सरकार किसानों का प्रीमियम वहन करेगी। हालांकि, बजट में 3,000 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा के बावजूद, सरकार ने इस योजना को लागू नहीं किया है। शंकर ने कांग्रेस पर किसानों के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार राजनीतिक कारणों से केंद्र की योजना को लागू करने से बच रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से विधानसभा में दिए गए आश्वासनों का सम्मान करने और पीएमएफबीवाई को तुरंत लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी विधानसभा सत्र में यह मुद्दा उठाया जाएगा।

कांग्रेस बीआरएस द्वारा उपेक्षित सीताराम परियोजना को पुनर्जीवित कर रही है : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को पूर्व बीआरएस सरकार पर अविभाजित खम्मम जिले के प्रति राजनीतिक द्वेष के कारण सीता राम परियोजना की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी के साथ परियोजना का निरीक्षण करने के बाद, पोंगुलेटी ने आरोप लगाया कि खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए इस सिंचाई परियोजना के महत्व के बावजूद, बीआरएस सरकार इसे पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सीता राम और कालेश्वरम दोनों परियोजनाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे इन्हें किसी भी सरकार ने शुरू किया हो। मंत्री जी ने आगे कहा कि पिछली सरकार ने परियोजना पर केवल 115 करोड़ रुपये खर्च किए थे और उसे अधूरा छोड़ दिया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने निधि का पुनर्चक्रण शुरू कर दिया है, खम्मम, वायरा और सथुपल्ली में पेयजल के लिए 1,480 क्यूसेक पानी छोड़ा है और लगभग 1.25 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई का पानी उपलब्ध करा रही है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पानी छोड़ने की योजना भी है। पोंगुलेटी ने आरोप लगाया कि जहां कांग्रेस सरकार वित्तीय बाधाओं के बावजूद सिंचाई की जरूरतों को पूरा कर रही है और कल्याणकारी कार्यक्रमों को जारी रख रही है।

मंत्री श्रीहरि ने 'आमने-सामने' कार्यक्रम में सौ से अधिक जन याचिकाएं प्राप्त कीं

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पशुपालन, युवा सेवा और खेल मंत्री वकिटि श्रीहरि ने गुरुवार को गांधी भवन में आयोजित एक 'आमने-सामने' कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक सार्वजनिक अभ्यावेदन प्राप्त किए और अधिकारियों को फोन पर उनसे बात करने के बाद शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इन याचिकाओं में इंदिराम्मा आवास, भूमि विवाद और कर्मचारियों एवं छात्रों की शिकायतों से संबंधित मुद्दे उठाए गए थे। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार प्रत्येक पात्र नागरिक को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस जनसंपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है।

श्रीहरि ने दावा किया कि रेवंत रेड्डी सरकार कल्याणकारी शासन को आगे बढ़ा रही है और उन्होंने इंदिराम्मा हाउस, रायथु भरोसा, कृषि ऋण माफी, उत्तम गुणवत्ता वाले चावल की आपूर्ति, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 रुपये की एलपीजी सब्सिडी और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाओं पर प्रकाश डाला। विपक्ष पर राजनीतिक हमला बोलते हुए मंत्री ने बीआरएस पर अपने गुलाबी मीडिया के माध्यम से झूठा प्रचार फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि पिछली केसीआर सरकार ने कालेश्वरम परियोजना पर लोगों को गुमराह करते हुए तेलंगाना को कर्ज के जाल में धकेल दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार दल, जाति या धर्म के आधार पर बिना किसी भेदभाव के गरीबों और वंचितों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि गांधी भवन में आयोजित संवाद कार्यक्रम को जनता से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, विशेषकर इंदिराम्मा आवास योजना के तहत सहायता चाहने वाले लाभार्थियों से।

हरीश राव ने बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप-प्रवेश नेता टी. हरीश राव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर दूरदर्शिता की कमी और शासन में विफलता के कारण तेलंगाना को गंभीर बिजली संकट की ओर धकेलने का आरोप लगाया।

तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य भर में बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कटौती एक दैनिक घटना बन गई है, जिससे किसानों, छात्रों, व्यापारियों और समाज के सभी वर्गों के लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति एक सामान्य बात थी, जबकि कांग्रेस सरकार के तहत निर्बाध बिजली आपूर्ति खुद एक खबर बन गई है। उन्होंने बताया कि सोमवार को 11 जिलों में किसानों ने बिजली आपूर्ति केंद्रों के सामने प्रदर्शन किया और बार-बार बिजली कटौती को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया। हरीश राव ने आरोप लगाया कि यह संकट पूरी तरह से मानव निर्मित है और थर्मल पावर स्टेशनों के लिए पर्याप्त कोयले का भंडार बनाए रखने में कांग्रेस सरकार की विफलता के लिए उसे दोषी ठहराया। उन्होंने याद दिलाया कि बीआरएस ने प्रस्तुतियों और सहायक आंकड़ों के माध्यम से सरकार को बार-बार चेतावनी दी थी कि सरकार के 40 लाख टन कोयले की उपलब्धता के दावे के बावजूद थर्मल पावर प्लांट कोयले की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। हरीश राव के अनुसार, कोत्तागुडेम, काकातिया, भद्राद्री और यादाद्री सहित प्रमुख ताप विद्युत संयंत्रों में केवल छह से सात दिनों के लिए ही कोयले का भंडार है। उन्होंने बताया कि कोयले की कमी के कारण यादाद्री ताप विद्युत संयंत्र की इकाई 1 और 4 में बिजली उत्पादन पहले ही बंद हो चुका है, जबकि भद्राद्री ताप विद्युत संयंत्र में खराब रखरखाव के कारण भी उत्पादन प्रभावित हुआ है। बिजली क्षेत्र के प्रबंधन में सरकार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना में वर्तमान में बिजली की अधिकतम मांग लगभग 15,000 मेगावाट है, जबकि राज्य की तापीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता 7,180 मेगावाट है। हालांकि, पिछले दिन केवल 3,190 मेगावाट तापीय बिजली का उत्पादन हुआ, जिसका अर्थ है कि उपलब्ध क्षमता का केवल 44 प्रतिशत ही उपयोग में लाया जा रहा है जबकि 56 प्रतिशत निष्क्रिय पड़ी है। बीआरएस विधायक ने आरोप लगाया कि सरकार ने संभावित सूखे की स्थिति के बारे में बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद कोयला खरीद, जलाशय प्रबंधन और ताप विद्युत स्टेशनों के रखरखाव में विफल रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि निर्बाध बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए पहले से योजना क्यों नहीं बनाई गई। हरीश राव ने आगे आरोप लगाया कि तेलंगाना की अपनी तापीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के बजाय, सरकार पावर एक्सचेंज से लगभग 8 करोड़ यूनिट बिजली अत्यधिक कीमतों पर खरीद रही है। उन्होंने पूछा कि जब राज्य में पर्याप्त उत्पादन क्षमता मौजूद है, तो उपभोक्ताओं, किसानों और उद्योगों को महंगी बिजली खरीद का बोझ क्यों उठाना चाहिए?

हरीश राव ने कहा कि बीआरएस सरकार द्वारा कृषि के लिए निर्बाध 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण मुफ्त बिजली सुनिश्चित करने में सफलता प्राप्त करने के बाद कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना के किसानों को फिर से अनिश्चितता में धकेल दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व मंत्री सत्यवती राठौड़ और तलसानी श्रीनिवास यादव, राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, विधायक चिंता प्रभाकर और कर्मचारी संघ के नेता देवी प्रसाद भी शामिल हुए।

दवा-प्रतिरोधी आंतों के संक्रमण के खिलाफ प्रोबायोटिक्स की क्षमता पर प्रकाश डाला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के शोधकर्ताओं ने प्रोबायोटिक जीवाणु लैक्टोबैसिलस जॉनसोनी को हानिकारक जीवाणुओं के कारण होने वाले आंतों के संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के एक आशाजनक विकल्प के रूप में पहचाना है। जैव रसायन विभाग के डॉ. विजय मोरमपुडी के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय पत्रिका-फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी में प्रकाशित किया गया है। शोध में पाया गया कि एल. जॉनसोनी रोगाणुरोधी यौगिकों का उत्पादन करके, पोषक तत्वों के लिए प्रतिस्पर्धा करके और आंत में बैक्टीरिया के पनपने में सुधार करके एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई (ईपीसी) और सिट्रोबैक्टर रोडेंटियम की वृद्धि और बायोफिल्म निर्माण को रोकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि ये निष्कर्ष एंटीबायोटिक दवाओं पर निर्भरता को कम करने के लिए एक चिकित्सीय रणनीति के रूप में प्रोबायोटिक की क्षमता को उजागर करते हैं, विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए। अध्ययन के लेखक साई माधुरी वासमसेट्टी, यासस्वी खादरबाद, नोवेलिन सरमा, हरि नागा पापा राव अथम, पवन कुमार पोंदुगला, वेंकट रमण चिंतालापति और डॉ. विजय मोरमपुडी हैं। यह डॉ. मोरमपुडी की प्रयोगशाला से पहला प्रकाशन है और इसे यूओएच के इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस (आईओई), एसईआरबी और यूजीसी द्वारा समर्थित किया गया था।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, N KASISWARI W/O: HAV/MT NALLABOTHULA CHINNA THIRUPATAIAH, R/O : LINGAPURAM, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH - 523336, Have Changed My Name From N KASISWARI To NALLABOTHULA KASISWARI vide Affidavit dt.10-07-2026

I, Lalithamma M/o Santhosh Kumar K D, R/o Vaishnavam, Kindangayam Naduvil, Sooranand South, Kollam, Kerala-690522, have changed my name from Lalithamma to Lalithakumari, & DOB from 27-09-1958 to 01-01-1957, vide Affidavit Dt.16-7-2026, before Sec-Bad Court

I. Gowriamma M/o Bhanu Prasad Thatavarthula, R/o Surampeta-(V), Seetanagaram, Vijayanagaram-(D), A.P-535527, have changed my name from Gowriamma to Thataparthi Gowramma, & DOB from 25-08-1973 to 19-04-1969, vide Affidavit Dt.16-7-2026, before Sec-Bad Court

I, Devendra Khanke, Devendra V. Khanke S/o Late Vasantrao Khanke Road No. 10, Sai Nagar, Balanagar Dist, Malkajgiri, TG. My Name From Devendra Khanke, Devendra V. Khanke To Khanke Devendra Vasantrao all Records Purpose.

I, Autade Janabai Ranganath, Mother of No. 17008629Y, NK, Autade Namadev Rangnath, R/o, Dist: Ahilyanagar, Maharashtra, changed my name from Autade Janabai Ranganath to Janabai Rangnath Autade , vide Affidavit No. 467679 dt. 15.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17012655X, NK, Ramu Madanasetti, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, changed my Son's name from Joel Sujan to Madanasetti Joyel Sujan, vide Affidavit No 467681 dt. 15.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, T Shantha, Mother of No. 14653821K, Hav, T Srinivasan , R/o, Dist: Coimbatore, Tamil Nadu, changed my name from T Shantha to Santha Thirugnanam, vide Affidavit No. 467682 dt 15.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, NABA KUMAR PAL, is legally Father of Service No JC-770960H, Rank-SUB, Name- BIPAN KUMAR PAL, Resident of Vill & Po-Chaitpur, Teshil-Kandi, Dist- Murshidabad, West Bengal, PIN-742161. I have to change my Name from - NABA KUMAR PAL to NABAKUMAR PAL For all purpose vide affidavit dated: 15-07-2026.

I, DIPALE PAL, is legally Mother of Service No-JC-770960H, Rank-SUB, Name- BIPAN KUMAR PAL, Resident of Vill & Po-Chaitpur, Teshil-Kandi, Dist- Murshidabad, West Bengal, PIN-742161. I have to change my Name from - DIPALE PAL to DIPALI PAL For all purpose vide affidavit dated: 15-07-2026.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सिपाही ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

बुलंदशहर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बुलंदशहर के औरंगाबाद कस्बे में गुरुवार तड़के करीब 3 बजे सिपाही ने खुद की सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। साथी सिपाही ने उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने उसे भी गोली मारने की धमकी दी। फिर हवाई फायरिंग की। साथी सिपाही के जाने के बाद गर्दन से राइफल सटाकर गोली चला दी। साथी के मुताबिक, सिपाही पिछले कई दिनों से पारिवारिक कलह के चलते तनाव में था। उसने भागकर चौकी इंजार्च को जानकारी दी। पुलिस टीम और एसएसपी मौके पर पहुंचे। मामला लखावटी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। सिपाही की यहीं पर ड्यूटी थी।

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच शुरू कर दी है। लखावटी पर तैनात सिपाही सुधीर ठाकुर (25) पुत्र जगवीर ने 3 महीने पहले ही औरंगाबाद में ड्यूटी जॉइन की थी। लखावटी चौकी पर उनकी तैनाती थी। वह मूल रूप से आगरा जिले के इरादतनगर क्षेत्र के ग्राम संगेचा का रहने वाला था।

टेरर फंडिंग और अवैध घुसपैठ नेटवर्क पर ईडी का शिकंजा
13 ठिकानों पर की छापेमारी

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आतंकी फंडिंग और अवैध घुसपैठ नेटवर्क से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लखनऊ जोनल ऑफिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत गुरुवार (16 जुलाई) को चार राज्यों में करीब 13 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी अभियान चलाया। यह कार्रवाई रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के अवैध नेटवर्क से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चल रही है। ईडी ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पश्चिम बंगाल में लगभग 13 परिसरों पर छापेमारी की। छापेमारी ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय की ओर से उत्तर प्रदेश एटीएस की एफआईआर के आधार पर शुरू की गई मनी लॉन्ड्रिंग जांच का हिस्सा है।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी का यह धनशोधन मामला 2024 में उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (यूपी- एटीएस) की

उस एफआईआर आधारित है, जिसमें एक ऐसे संगठित गिरोह का जिक्र है जो कथित तौर पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ कराने, उनके लिए जाली भारतीय पहचान दस्तावेज बनवाने और देश के अलग-अलग हिस्सों में उन्हें बसाने में मदद करने में संलिप्त था। राज्य पुलिस के साथ समन्वय में ईडी के लखनऊ ऑफिस की टीम द्वारा तलाशी लिए गए स्थानों में नई दिल्ली में बाटला हाउस और मदनपुर खादर, उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, महाराष्ट्र में रायगढ़, पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना, उत्तर 24 परगना, कोलकाता और मुर्शिदाबाद शामिल हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, एक संगठित गिरोह रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध तरीके से घुसपैठ कराने, उनके लिए फर्जी भारतीय पहचान पत्र बनवाने और देश के अलग-अलग हिस्सों में बसाने का काम कर रहा था।

ईडी की जांच में एक बड़े वित्तीय नेटवर्क के संकेत मिले हैं। जांच एजेंसी को आशंका है कि कुछ चैरिटेबल ट्रस्ट और संस्थाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में विदेशी फंड हासिल किया गया और फिर उसे कई बैंक खातों, म्यूल अकाउंट्स और लेयरिंग ट्रांजैक्शन के जरिए अलग-अलग जगहों पर भेजा गया। जांच में कैश निकासी और छोटी-छोटी रकम अलग-अलग लोगों तक भेजने के भी सुराग मिले हैं।

ईडी अब इस पूरे नेटवर्क की वित्तीय गतिविधियों, फंड के स्रोत और उससे जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान के दौरान मिले दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में ईडी की जांच अभी जारी है और आने वाले समय में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

बेटे ने पिता को 6 गोलियां मारकर हत्या की

गाजियाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में 150 करोड़ की प्रॉपर्टी के विवाद में बेटे ने पिता की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, 12 बजे आरोपी ने पिस्टल से पिता के चेहरे, सीने और पेट में 6 गोलियां मारीं। बेटा शराब पीकर घर आया था। पिता ने उसे डांट दिया। इसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। पति का शव देखकर पत्नी चीख पड़ी। बेटे से कहा- तूने पूरा घर उजाड़ दिया। गोलियों की आवाज सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुका था। आरोपी बेटा निखिल (32) प्रॉपर्टी अपने नाम कराने के लिए पिता हरिओम चौधरी (52) पर दबाव बना रहा था।

हरिओम इसके लिए तैयार नहीं थे। उनका कहना था कि बेटा जमीन बेचकर शराब पी जाएगा। रात को भी जब पिता ने डांटा तो विवाद बढ़ा और निखिल ने पिता की हत्या कर दी। करीब 8 साल पहले निखिल ने अपने छोटे भाई नीशू को भी गोली मारी थी, लेकिन उसकी जान बच गई थी। आरोपी की तलाश में पुलिस की 4 टीमें लगाई गई हैं।

खेल के मैदान में राजा भैया का जलवा
यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में जीता मेडल

प्रतापगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से इस वक्त एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां के कुंडा के विधायक और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने खेल की दुनिया में कमाल कर दिया है। राजा भैया ने नई दिल्ली की डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 49वीं यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक यानी ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

उन्होंने पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में बेहतरीन निशाना साधते हुए 25 अंकों का स्कोर बनाया और तीसरा स्थान हासिल किया। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के आजीवन सदस्य राजा भैया की इस कामयाबी पर प्रतापगढ़ और कुंडा के समर्थकों में खुशी की लहर है। राजा भैया की इस बड़ी उपलब्धि का एक वीडियो उनकी पार्टी- जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के ऑफिशियल सोशल मीडिया पेज पर भी पोस्ट किया गया है।

पंचायतें अब टैक्स लगा कर वसूल सकती हैं

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार कैबिनेट ने ग्राम पंचायतों को टैक्स लगाने और वसूलने की मंज़ूरी दे दी है, ताकि वे अपने वित्तीय संसाधन विकसित कर सकें और राज्य सरकार पर अपनी निर्भरता कम कर सकें। कैबिनेट सचिवालय विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ग्राम पंचायत टैक्स, दरें और शुल्क नियम, 2026 के मसौदे को मंज़ूरी दी गई। गौरतलब है कि बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत अभी तक कोई नियम नहीं बनाए गए थे। इसलिए, उन टैक्स और शुल्कों की पहचान करना ज़रूरी हो गया था जिन्हें पंचायतें लगा सकती हैं, उनकी अधिकतम सीमा तय करना, और उन्हें लगाने, दरों को निर्धारित करने और वसूली की प्रक्रिया तय करना ज़रूरी था, ताकि पंचायतें इन टैक्स और शुल्कों को प्रभावी ढंग से वसूल सकें।

आज की कैबिनेट बैठक में लिए गए 30 फैसलों में से यह एक था। नियमों के मसौदे के अनुसार, ग्राम पंचायतें अब अपने क्षेत्र में मौजूद संपत्तियों (होल्डिंग) के कब्ज़ेदारों पर होल्डिंग टैक्स लगा सकती हैं; साथ ही पंचायत क्षेत्र में चल रहे व्यवसायों, व्यापारों, विज्ञापनों, होर्डिंग्स और उद्योगों पर शुल्क और पंचायत द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के लिए यूज़र चार्ज भी लगा सकती हैं।

प्रेमी के लिए ले ली सुहाग की जान

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। प्रेमी के लिए पति की हत्या इन दिनों आम बात हो गई है। देश भर के अलग-अलग इलाकों से ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं। कभी सोनम रघुवंशी तो कभी सिया कांड ने देश के लोगों को हैरान किया। अब कुछ ऐसा ही मामला बिहार से भी सामने आया है। 11 जून को जनसाधारण एक्सप्रेस में हुई विद्युतकर्मी की हत्या मामले में कटिहार रेल पुलिस ने खुलासा कर दिया। 11 जून को मानसी रेल थाना क्षेत्र के बदलाघाट के समीप ट्रेन में घटना को दिया गया था अंजाम। गोली मारकर विद्युतकर्मी देव गुंजन कुमार की हत्या कर दी गई थी। जांच में यह खुलासा हुआ है कि देव गुंजन कुमार की पत्नी समिता ने ही इस घटना को अंजाम दिलाया था। उसी के इशारे पर मर्डर हुआ है। पत्नी समिता सुपौल में एमवीआइ (एमवीआइ) के पद पर पदस्थापित है।

इस मामले में पत्नी समिता, उसके प्रेमी अजीत और शूटर राजू कुमार उर्फ धीरज को गिरफ्तार किया गया है। देव गुंजन कुमार जमुई में विद्युतकर्मी थे। 11 जून को सुपौल में पदस्थापित अपनी एमवीआइ पत्नी समिता से मिलने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान जब वे जनसाधारण एक्स में थे तो अज्ञात अपराधियों ने मानसी रेल थाना क्षेत्र के बदलाघाट के समीप ट्रेन में गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद बरौनी रेल अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन हुआ। जांच के बाद अब जाकर इस मामले का खुलासा हुआ है।

बंटी यादव और पंकज राय हत्याकांड में खेसारी लाल यादव की एंट्री, सीएम सम्राट चौधरी से की यह मांग

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। के न्यू करबिगहिया निवासी बंटी यादव और छपरा के पंकज राय की हत्या के मामले में अब भोजपुरी अभिनेता और गायक खेसारी लाल यादव भी खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने दोनों मामलों की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है। साथ ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। खेसारी लाल यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए दोनों हत्याओं पर गहरा दुख जताया। उन्होंने लिखा कि बंटी और पंकज की निर्मम हत्या ने उन्हें बेहद व्यथित और आक्रोशित किया है।

उनका कहना है कि किसी भी सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पीड़ित परिवारों के दुख को असहनीय बताया। खेसारी लाल यादव ने अपने पोस्ट में भरत तिवारी एनकाउंटर मामले का भी

जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह भरत तिवारी को न्याय दिलाने के लिए लोगों ने एकजुट होकर आवाज उठाई थी, उसी तरह अब बंटी यादव और पंकज राय के परिवार के लिए भी सबको साथ आना चाहिए।

उन्होंने लोगों से जाति, धर्म और राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर न्याय की मांग करने की अपील की। खेसारी लाल यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से अनुरोध किया कि दोनों मामलों की निष्पक्ष और तेज जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा मिलनी चाहिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी
रिमांड में पूछताछ के बाद फिर जेल भेजे गए आरोपी, नकदी और तकनीकी साक्ष्य बरामद

अयोध्या, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपी रमाशंकर मिश्रा और गणना प्रभारी रहे सुभाष श्रीवास्तव को कस्टडी रिमांड के बाद बुधवार की देर रात लगभग 10 बजे वापस जिला जेल में भेज दिया गया।

कस्टडी रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपी रमाशंकर मिश्रा के पास से नकदी और उसके घर के आस-पास से सीसीटीवी फुटेज व डीवीआर बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों से दिनभर कई चरणों में पूछताछ हुई।

इस दौरान चढ़ावा चोरी की घटना के बारे में उनसे अलग-अलग तरह के सवाल किए गए। वहीं आरोपी सुभाष श्रीवास्तव को राम मंदिर ले जाया गया, जहां से गणना की प्रक्रिया दोहराई गई। ड्यूटी रजिस्टर देखे गए। लोगों की जिम्मेदारियों की जानकारी ली गई। अब दो अन्य आरोपी रामशंकर यादव टिन्नू और मनीष यादव की कस्टडी रिमांड की तैयारी शुरू हो गई है।

होटलों में पुलिस की बड़ी छापेमारी
3 राज्यों की महिलाएं समेत कई लोग हिरासत में

दानापुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) के निर्देश पर एसडीपीओ 1 अजीत कुमार के नेतृत्व में दानापुर और रूपसपुर थाना क्षेत्र के होटलों में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान दानापुर क्षेत्र के एक होटल से एक युवक और दो युवतियों से पूछताछ की। रूपसपुर के एक होटल से पुलिस ने तीन महिलाओं और एक व्यक्ति को थाने लाया, जहां सभी से पूछताछ की जा रही है। रूपसपुर से लायी गई तीनों युवतियां दूसरे राज्य की रहने वाली बताई जा रही हैं।

दानापुर और रूपसपुर थाना क्षेत्र के कई होटलों में छापेमारी की गई। छापेमारी की सूचना मिलते ही होटल संचालकों में हड़कंप मच गया। दानापुर के एडिसन होटल, आई कान होटल और ड्रीम विला समेत लगभग आधा दर्जन होटलों में कार्रवाई की गई। रूपसपुर के बुद्धा रेसीडेंसी से छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और यूपी की तीन महिलाएं तथा आरा के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। दानापुर में सात युवकों को पकड़ा गया और दो युवतियों को मुक्त कराया गया। इनमें से एक युवक मुम्बई से अपनी महिला मित्र से मिलने आया था। सभी पकड़े गए लोग बालिग हैं और उनसे पूछताछ जारी है।

एक युवती ने बताया कि वह टाइम पास के लिए आई थी। पुलिस ने बताया कि हिरासत में लिए गए सभी लोग बालिग हैं और उनकी छानबीन की जा रही है। एसडीपीओ अजीत कुमार ने कहा कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर होटल में छापेमारी की गई है।

'क्षत्रिय की बेटी हूं, किसी से नहीं डरती', मऊ में बीजेपी जिला अध्यक्ष के खिलाफ महिला का वीडियो वायरल

मऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मऊ भाजपा जिला अध्यक्ष रामाश्रय मौर्य और एक परिवार के बीच संपत्ति विवाद सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद राजनीतिक मुद्दा बन गया है। महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि अध्यक्ष ने आरोपों से इनकार करते हुए इसे पारिवारिक विवाद बताया है। गांव की एक महिला ने अपने पति और देवर के समर्थन में फेसबुक समेत दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लंबा वीडियो और बयान जारी किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। महिला ने खुद को क्षत्रिय समाज की बेटी बताते हुए कहा कि वह किसी से डरने वाली नहीं है और किसी भी दबाव में नहीं आएगी। महिला ने आरोप लगाया कि भाजपा जिला अध्यक्ष ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए उसके पति और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

महिला ने कहा कि क्षत्रिय की बेटी हूं, किसी से नहीं डरती। राजपूत को अगर मरना होगा तो खेत बेचकर नहीं मरेगा। मार देगा और शान से जेल में चला जाएगा। महिला के आरोपों और कथित धमकी भरे बयान के बाद जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा जिला अध्यक्ष रामाश्रय मौर्य ने महिला के सभी आरोपों को खारिज करते हुए पूरे विवाद को पारिवारिक संपत्ति विवाद से जुड़ा बताया है। उन्होंने कहा कि गांव के एक परिवार के तीन भाइयों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनके मुताबिक, एक भाई की मृत्यु के बाद उसकी बेटी ने अपने हिस्से की जमीन उनके एक करीबी व्यक्ति को बेच दी, जिसके बाद यह विवाद और गहरा गया। इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। रामाश्रय मौर्य ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार अभद्र भाषा, गाली-गलौज और आपत्तिजनक ऑडियो-वीडियो साझा किए जा रहे हैं।

'चंपत राय के इस्तीफे को लेकर संशय बरकरार
चढ़ावा चोरी मामले को लेकर बोले शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

गोंडा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गौ-रक्षा को लेकर प्रदेशभर में यात्रा कर रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद गोंडा पहुंचे, जहां उन्होंने राम मंदिर से लेकर बाबा बागेश्वर के बयान को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला किया। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि राम मंदिर चोरी मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चंपत राय को बचा रहे हैं। अब तो बाबा बागेश्वर ने भी कह दिया कि अगर उन्होंने पर्ची निकाली तो उन्हें भी कठिनाई होगी। शंकराचार्य ने कहा दान चोरी मामले पर कहा कि चंपत राय ने कोई इस्तीफा नहीं दिया है, यह केवल एक माहौल बनाया जा रहा है जनता में झूठ फैलाया गया है।

चंपत राय आज भी वहां बैठा हुआ है और काम कर रहा है। उसने इस्तीफा दिया है नहीं है केवल ऊपर से ही कहा जा रहा है कि इस्तीफा हो गया और स्वीकार भी हो गया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सवाल उठाए कि जब रिपोर्ट सार्वजनिक हो जा रही है तो चंपत राय का इस्तीफा क्यों नहीं सार्वजनिक किया गया? आखिरकार इसके पीछे क्या रहस्य है उनको बचाया इसलिए जा रहा है। वह उनका खास आदमी होता है उनके लिए जो चाहे वो करता है। जिन्होंने उनको बैठाया था उनके लिए चंपत राय बहुत उपयोगी हैं। इसलिए उनको बचा रहे हैं ताकि वह उनका लाभ लेते रहें। चंपत राय को प्रधानमंत्री जी बचा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने ही उनको नियुक्त किया था। बाबा बागेश्वर के राम मंदिर चंदा चोरी पर पर्ची न निकलने के सवाल पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि बाबा बागेश्वर का वक्तव्य बहुत ईमानदार था, बहुत सधा हुआ नपा तुला था।

उन्होंने एक वाक्य में सब कुछ कह दिया। उन्होंने कहा कि अगर मैं पर्ची निकलूंगा तो मेरा भी रह पाना कठिन हो जाएगा। जो व्यक्ति मंच पर प्रधानमंत्री का छोटा भाई निरूपित होता है उसके मन में भी डर है वह भी डरता है तो आम जनता दूर बात है। भाई का जो शासन है यह बहुत खराब है। यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने शंकराचार्य पर भगवा चोला पहनकर राजनीति करने की बात कही थी, जिस पर शंकराचार्य ने कहा कि ये बयान मेरे लिए नहीं, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए दिया है। प्रदेश में गौ हत्या वही करवा रहे हैं जो स्लॉटर हाउस से चंदा लेते हैं। कोई भी संन्यासी गेरुआधारी ये नहीं कर सकता है। कालनेमि वहीं होता है जो अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और होता है।

यूपी चुनाव से पहले मायावती की राह चले चिराग पासवान! दोहरा दी बसपा चीफ की सालों पुरानी मांग

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम को देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की मांग को लेकर प्रस्ताव रखा। केंद्रीय मंत्री एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि पार्टी ने रामविलास पासवान और कांशीराम को 'भारत रत्न' प्रदान किए जाने की मांग वाला प्रस्ताव पारित किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रस्ताव को औपचारिक रूप से केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। चिराग पासवान ने कहा, हमने लगभग 14 प्रस्ताव पारित किए हैं।

इनमें सबसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव हमारे नेता और पार्टी के संस्थापक रामविलास पासवान को 'भारत रत्न' दिए जाने का है। हमने यह भी मांग की है कि समाज के वंचित वर्गों के उत्थान में उनके योगदान को देखते हुए कांशीराम को भी 'भारत रत्न' प्रदान किया जाए।' बैठक में वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति और राज्य में संगठन के विस्तार पर भी चर्चा की गई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में लड़ने की संभावनाओं के संबंध में पूछे गए सवाल पर पासवान ने कहा कि अभी गठबंधन के स्वरूप या सीट के बंटवारे पर चर्चा करना जल्दबाजी होगी।

जमानत अर्जी में 10 दिन की देरी पर हाई कोर्ट सख्त, यूपी सरकार पर लगाया 50 हजार रुपये का हर्जाना

प्रयागराज, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक जमानत अर्जी के निस्तारण में पुलिस की लापरवाही के कारण 10 दिन से अधिक की देरी होने पर प्रदेश सरकार पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। अदालत ने निर्देश दिया कि यह राशि याचिकाकर्ताओं को दी जाए। साथ ही राज्य सरकार को जांच के बाद संबंधित पुलिस अधिकारियों से यह रकम वसूलने की स्वतंत्रता भी दी है।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने बिजनौर के चांदपुर थाने में दर्ज दहेज प्रताड़ना और आत्महत्या के मामले में आरोपित सास-ससुर यासीन और सबीला की जमानत अर्जी पर यह आदेश दिया। अदालत ने रिकार्ड का परीक्षण करते हुए कहा कि ऐसा कोई पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिला, जिससे यह साबित हो कि मृतका को दहेज की मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित किया गया था। स्वतंत्र गवाहों के बयानों से पति-पत्नी के बीच सामान्य घरेलू विवाद की बात सामने आई। इसके आधार पर अदालत ने दोनों आरोपितों की जमानत मंजूर कर ली। दोनों 28 फरवरी 2026 से जेल में बंद हैं। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई।

अदालत ने कहा कि संयुक्त निदेशक (अभियोजन) कार्यालय ने 17 जून को जमानत अर्जी की प्रति पुलिस पैरोकार को उपलब्ध करा दी थी। इसके बाद 19 जून को पुलिस अधीक्षक को अलर्ट भेजा गया और 29 जून को स्मरण पत्र भी जारी किया गया। इसके बावजूद पुलिस ने अदालत को जरूरी निर्देश और केस डायरी उपलब्ध नहीं कराई। तीन जुलाई को सीसीटीएनएस पोर्टल से केस डायरी की पीडीएफ फाइल उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया गया था, लेकिन पुलिस ने केवल आरोपितों का आपराधिक इतिहास भेजा, केस डायरी नहीं। सुनवाई के दौरान थानाध्यक्ष राहुल सिंह ने अवकाश और कांवड़ यात्रा से जुड़ी ड्यूटी का हवाला दिया। वहीं एक उपनिरीक्षक ने संचार में कमी को कारण बताया। क्षेत्राधिकारी (सीओ) देश दीपक सिंह ने कहा कि उनके साथ तैनात हेड कांस्टेबल ने हाई कोर्ट से आए संदेशों की जानकारी ही नहीं दी।

अदालत ने कहा कि पुलिस अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। यदि समय पर केस डायरी और आवश्यक निर्देश उपलब्ध करा दिए जाते तो जमानत अर्जी का निस्तारण तीन जुलाई को ही हो सकता था। अदालत ने पुलिस अधीक्षक को पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और आवश्यकता पड़ने पर हर्जाने की राशि उनसे वसूलने का निर्देश दिया। साथ ही आदेश की प्रति पुलिस महानिदेशक और बिजनौर के पुलिस अधीक्षक को भेजने का भी निर्देश दिया।

पति से झगड़ा है तो उसकी नौकरी पर हमला क्यों?

वैवाहिक विवाद पहुंचा दफ्तर तो सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वैवाहिक विवाद के दौरान पत्नियों की तरफ से पति के दफ्तर में शिकायत करने की प्रवृत्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। जस्टिस बी वी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि आखिर इससे क्या हासिल होता है? पति की नौकरी छीनकर क्या मिलेगा? सुप्रीम कोर्ट ने जिस मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की वह गाजियाबाद के एक दंपति से जुड़ा है।

दोनों के बीच तलाक का मामला लंबित है। उन्होंने एक दूसरे के खिलाफ कई और केस भी दर्ज करवा रखे हैं। इनमें से एक केस मानहानि का भी है। उस केस को गाजियाबाद ट्रांसफर करवाने के लिए महिला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

पति ने मानहानि का यह मुकदमा कब दर्ज किया?

वायु सेना में काम करने वाले पति ने मानहानि का यह मुकदमा तब दर्ज करवाया, जब पत्नी ने उसके खिलाफ वायु सेना मुख्यालय में एक शिकायत दी। पत्नी ने उसपर नौकरी पर रहते हुए व्यापार करने का आरोप लगाते हुए मुख्यालय में एक ज्ञापन दिया। इसे अपनी मानहानि बताते हुए पति ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया। पत्नी का कहना है कि पति ने अपने एक दोस्त के जरिए उस पर कई झूठे केस करवा रखे हैं।

उनमें से एक केस वायु सेना से पति को मिले हेलमेट की चोरी का भी है। इस मामले में उसके भाई को भी आरोपी बनाया गया है।

जस्टिस नागरत्ना ने दोनों पक्षों से क्या कहा?

जस्टिस नागरत्ना ने दोनों पक्षों से कहा कि आप तलाक के लिए पहले से लड़ रहे हैं। फिर एक दूसरे के खिलाफ अलग से कई तरह की कार्रवाई क्यों कर रहे हैं? आप लोगों को एक दूसरे के खिलाफ दर्ज करवाए गए बाकी मुकदमे वापस लेने पर विचार करना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि वैवाहिक विवाद में पत्नियों को गुजारा भत्ते की ज़रूरत पड़ती है।

बाद में एकमुश्त सेटलमेंट भी होता है। ऐसे में पति की आमदनी का जरिया खत्म कर देने की कोशिश करना समझ से परे है। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुलह के लिए अपने मध्यस्थता केंद्र में भेज दिया। अगर विवाद नहीं सुलझता है तो फिर आगे सुनवाई की जाएगी।

ओडिशा से 1800 किमी दूर ले जा रही थी पुलिस होटल से फरार हो गया चेक बाउंस का आरोपी

नागपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चेक बाउंस के मामले में गुजरात पुलिस की तरफ से गिरफ्तार किया गया आरोपी नागपुर के सेंट्रल एवेन्यू रोड पर स्थित एक होटल से भागने में कामयाब हो गया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी को उड़ीसा से गिरफ्तार कर गुजरात ले जाया जा रहा था। रास्ते में आराम करने के लिए पुलिस की टीम नागपुर के होटल में रुकी थी। इसी दौरान, आरोपी चकमा देकर फरार हो गया। फरार हुए आरोपी का नाम अमित दास बिक्रम दास बताया जा रहा है। गुजरात के राजकोट सिटी के ए डिविजन पुलिस थाने में अमितदास के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। चेक बाउंस के मामले में पुलिस उसकी तलाश कर रही थी।

इसके बाद, राजकोट की पुलिस ने अमित दास को ओडिशा से गिरफ्तार किया। फिर, प्राइवेट टैक्सी से उसे राजकोट ले जा जाना था। इस दौरान, पुलिस की टीम आराम करने के लिए नागपुर के होटल में रुकी थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नागपुर के तहसील थाना क्षेत्र के सीए रोड के होटल में पुलिस टीम रुकी थी।

दर्ज शिकायत के मुताबिक, होटल में पुलिस अधिकारी एक अलग कमरे में ठहरे थे, जबकि आरोपी अमित दास को दो कांस्टेबलों की निगरानी में दूसरे कमरे में रखा गया था। और इसी लूपहोल का आरोपी ने फायदा उठाया। इसी दौरान, एक कांस्टेबल फ्रेश होने के लिए वॉशरूम चला गया, जबकि आरोपी की रखवाली कर रहे दूसरे कांस्टेबल की आंख लग गई। इसका फायदा उठाकर आरोपी फरार हो गया। इस मामले में तहसील पुलिस ने धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी अमित दास के फरार होने के बाद तुरंत लोकल पुलिस को तुरंत सूचना दी गई।

ताज होटल पर 22 करोड़ का बकाया! बीएमसी ने नोटिस भेजकर मांगे पैसे

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के बाद सुरक्षा के मद्देनजर कोलाबा स्थित ताज महल पैलेस होटल के आसपास सुरक्षा बैरियर्स और बोलार्ड लगाए गए थे, जो अब विवाद का कारण बन गए हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने इन संरचनाओं के लिए होटल प्रबंधन को करीब 22 करोड़ रुपए का बकाया शुल्क चुकाने का नोटिस भेजा है। महानगरपालिका का कहना है कि सार्वजनिक सड़क और फुटपाथ पर स्थायी या अर्ध-स्थायी सुरक्षा अवरोध लगाने के लिए निर्धारित शुल्क देना अनिवार्य है। बताया जा रहा है कि साल 2008 से यह शुल्क पूरी तरह जमा नहीं किया गया, जिसकी वजह से ब्याज और अन्य देयकों के साथ बकाया राशि बढ़कर 22 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

वहीं, ताज होटल प्रबंधन का तर्क है कि ये बैरियर्स किसी व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि आम लोगों और होटल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए थे। इसलिए इस पर लगाए गए शुल्क को माफ किया जाए या कम से कम इसमें विशेष राहत दी जाए। सूत्रों के अनुसार, इस मुद्दे पर बीएमसी और होटल प्रबंधन के बीच बातचीत जारी है। संभावना है कि अगले सप्ताह इस मामले में कोई अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यह मामला नया नहीं है। साल 2020 में शिवसेना की यूबीटी के नेतृत्व वाली तत्कालीन स्थायी समिति ने शुल्क में राहत देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। समिति ने ताज महल पैलेस होटल को सार्वजनिक सड़कों पर सुरक्षा बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की रियायत को मंजूरी दी थी। हालांकि 2025 में राज्य सरकार द्वारा नियुक्त प्रशासक ने उस फैसले को निरस्त कर दिया था। इसके बाद से मामला फिर से लंबित है और अब बीएमसी के नोटिस के बाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद ताज पैलेस होटल परिसर के चारों ओर लगाए गए बोलार्ड और बैरिकेड्स का उद्देश्य होटल में सीधे प्रवेश को रोकना और इस लग्जरी होटल के आसपास सुरक्षा को मजबूत करना था। अधिकारियों के अनुसार बीएमसी के नियमों के तहत सार्वजनिक सड़कों और फुटपाथों पर बैरिकेड लगाने के लिए शुल्क लगाना अनिवार्य है, जिसके परिणामस्वरूप 2008 में पहली बार बैरिकेड लगाए जाने के बाद से 22 करोड़ रुपए तक का बकाया जमा हो गया है।

एनजीटी ने तिरुवल्लूर में अमोनिया गैस लीक मामले का खुद संज्ञान लिया

अधिकारियों को नोटिस जारी किए

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की मुख्य बेंच ने तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक सीफूड प्रोसेसिंग यूनिट में अमोनिया गैस लीक के कारण 18 श्रमिकों की दुखद मौत और 23 अन्य के घायल होने के मामले का खुद संज्ञान लिया है। इस घटना के जवाब में, एनजीटी ने कई अधिकारियों को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें नई दिल्ली में सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी), चेन्नई में तमिलनाडु पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (टीएनपीसीबी), चेन्नई में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (मोईएफएंडसीसी) के इंटीग्रेटेड रीजनल ऑफिस के रीजनल ऑफिसर और तिरुवल्लूर, तमिलनाडु के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव (चेयरपर्सन) और एक्सपर्ट मेंबर डॉ।

अफरोज अहमद की बेंच ने की। अगली सुनवाई 31 अगस्त को तय की गई है, जिसके दौरान संबंधित पक्षों को चेन्नई में ट्रिब्यूनल की सदर्न ज़ोनल बेंच के सामने कम से कम एक हफ़्ते पहले अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। 21 जून, 2026 को तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में पेरियापालयम के पास कन्नगीपर गांव में स्थित एम/एस पीटर एंड पॉल सीफूड एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित एक झींगा प्रोसेसिंग यूनिट में अमोनिया गैस लीक हुई थी। इस घटना में ओडिशा के दो प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिनमें से 23 को इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती किया गया था। घटना के समय साइट पर लगभग 67 लोग मौजूद थे, जिनमें मुख्य रूप से फैक्ट्री में काम करने वाली प्रवासी महिला श्रमिक शामिल थीं, जो परिसर में ही बने आवासों में रह रही थीं। शुरुआती जांच में कई कथित उल्लंघन सामने आए हैं, जिनमें औद्योगिक सुरक्षा नियमों का पालन न करना भी शामिल है। ऐसा कहा कि यह घटना एयर (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ़ पॉल्यूशन) एक्ट, 1981 और एनवायरनमेंट (प्रोटेक्शन) एक्ट, 1986 के संभावित उल्लंघन के साथ-साथ पर्यावरण और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर चिंता पैदा करती है।

कुणाल कामरा की किस याचिका पर बॉम्बे एचसी ने केंद्र से मांगा जवाब? 14 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वह मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा की याचिका पर 29 जुलाई तक अपना जवाब कोर्ट में पेश करे। कुणाल कामरा ने इस साल की शुरुआत में हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और सरकार के 'सहयोग पोर्टल' के साथ-साथ आईटी नियम 2021 (सूचना प्रौद्योगिकी नियम) में साल 2025 में किए गए बदलावों को चुनौती दी थी।

कामरा का साफ कहना है कि सरकार के ये नए नियम पूरी तरह से असंवैधानिक हैं। उन्होंने अपनी याचिका में दावा किया है कि इन नए बदलावों के आने के बाद सरकार को यह पावर मिल जाएगी कि वह बिना किसी ठोस कानूनी प्रक्रिया या सुरक्षा के, इंटरनेट और सोशल मीडिया से किसी भी पोस्ट या कंटेंट को हटा सके। इस मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखाड की बेंच कर रही है। कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 अगस्त की दोपहर 3 बजे का समय तय किया है। इसके साथ ही अदालत ने कुणाल कामरा को भी अपनी बात रखने की छूट दी है। कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार 29 जुलाई तक जो भी जवाब दाखिल करेगी, कामरा उस पर 6 अगस्त तक अपना काउंटर रिप्लाई कोर्ट के सामने रख सकते हैं।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान कुणाल कामरा की तरफ से देश के जाने-माने वरिष्ठ वकील नवरोज सीरवाई पेश हुए। उन्होंने बेंच के सामने दलील दी कि केंद्र सरकार को इस मामले में पक्ष रखने के लिए पहले भी कई मौके दिए जा चुके हैं, लेकिन सरकार ने अब तक इस मुद्दे पर अपना आधिकारिक हलफनामा दाखिल नहीं किया है। वकील सीरवाई ने जोर देकर कहा कि यह मामला देश के हर नागरिक के लिए बहुत संवेदनशील है क्योंकि इसका सीधा संबंध हमारे संविधान के आर्टिकल 19(1)(ए) से है।

शादी का प्रस्ताव ठुकराने पर लड़की की हत्या:पहली शादी का पता चलने पर शादी से मना किया; लड़के के भाई ने चाकू मारा

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु में शादी का प्रस्ताव ठुकराने के बाद एक लॉ छात्रा की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, बेंगलुरु के कोडीहल्ली में रहने वाली अमृता पर 13 जुलाई की शाम 4:30 बजे सूर्या जी ने चाकू से हमला कर दिया था, जिसके बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दरअसल, अमृता ने सूर्या के भाई धनुष जी की शादी का रिश्ता ठुकरा दिया था। पहले दोनों की शादी तय हुई थी, लेकिन जब अमृता को पता चला कि धनुष की पहले भी शादी हो चुकी है और उसकी एक बेटी भी है, तो उसने रिश्ता ठुकरा दिया। घटना के बाद जेबी नगर पुलिस ने धनुष और सूर्या दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

अमृता, धनुष और सूर्या एक ही इलाके के रहने वाले थे। दोनों परिवार धार्मिक आयोजनों के दौरान एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। इसी दौरान अमृता और धनुष के बीच दोस्ती हुई, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पुलिस के मुताबिक, बाद में अमृता को पता चला कि धनुष पहले से शादीशुदा था, उसका तलाक हो चुका था और उसका एक बच्चा भी है।

दिल्ली से किसने किया कॉल?

प्रियंका गांधी के नाम पर महिला विधायक को मंत्री बनवाने के ऑफर की पूरी कहानी

कोझिकोड, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केरल कांग्रेस में एक फर्जी कॉल का मुद्दा काफी गरमा गया है। कोझिकोड पुलिस की साइबर टीम ने एलाथुर की विधायक विद्या बालकृष्णन से जुड़े धोखाधड़ी मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, 6 जुलाई को विधायक विद्या बालकृष्णन के पास व्हाट्सएप पर एक अनजान नंबर से फोन आया। यह कॉल नई दिल्ली से की गई थी।

फोन करने वाले व्यक्ति ने विधायक से 3 करोड़ रुपये मांगे। कॉल करने वाले शख्स ने दावा किया कि केरल सरकार के मंत्रिमंडल में जल्द ही बदलाव होने वाला है। अगर वह 3 करोड़ रुपये देंगी, तो वह उन्हें सरकार में मंत्री बनवा देगा। जालसाज ने विधायक से पूरी बातचीत अंग्रेजी में की। उसने अपना नाम 'राजकुमार' बताया और झूठा दावा किया कि वह वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी के ऑफिस में काम करता है। विधायक को इस कॉल पर शक हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी।

इसके बाद कोझिकोड की साइबर सेल पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि आरोपी को पकड़ा जा सके। विधायक के मुताबिक, धोखेबाज ने उन्हें ललचाते हुए कहा कि अगर वे 3 करोड़ रुपये देने को तैयार हैं, तो उन्हें मंत्री बनने का बहुत अच्छा मौका मिल सकता है। अपनी बात को सही साबित करने के लिए कॉल करने वाले ने कोझिकोड के एक बड़े सांसद का नाम लिया और कहा कि उसी सांसद ने विधायक का फोन नंबर उन्हें दिया है। लगभग 10 मिनट की बातचीत के दौरान विधायक को कुछ शक हुआ। फिर भी उन्होंने चालाकी से बात जारी रखी। जैसे ही कॉल खत्म हुई, उन्होंने उसी सांसद से संपर्क किया जिनका नाम धोखेबाज ने लिया था। सांसद ने बताया कि हाल ही में किसी व्यक्ति ने कांग्रेस मुख्यालय से होने का दावा करते हुए उनसे जिले के दो विधायकों के फोन नंबर मांगे थे।

इससे साफ हो गया कि यह धोखा है। दोनों नेताओं ने तुरंत कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय और प्रियंका गांधी के कार्यालय से संपर्क किया। वहां से पुष्टि की गई कि ऐसी कोई कॉल या सूचना नहीं भेजी गई थी। विधायक विद्या बालकृष्णन ने 11 जुलाई को साइबर सेल में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई। शुरुआती जांच में पता चला कि यह फर्जी कॉल नई दिल्ली से की गई थी। मगर ये कॉल किसने की थी, इसका पता नहीं चला है।

राहुल गांधी का देहरादून दौरा तय युवाओं से दो घंटे करेंगे संवाद

देहरादून, 16 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से जून में राजस्थान के कोटा से प्रारंभ किए गए छात्रों की गूंज अभियान की अनुगूंज अब 17 जुलाई को देहरादून में भी सुनाई देगी। देहरादून के सनातन धर्म इंटर कालेज बन्नू रेसकोर्स के मैदान में होने वाले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी लगभग दो घंटे तक छात्रों-युवाओं से संवाद करेंगे। इससे पहले वह देहरादून में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन बैठक भी करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस ने राहुल गांधी के कार्यक्रम की रूपरेखा को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी 17 जुलाई को दिल्ली से चार्टर्ड विमान से जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से देहरादून पहुंचेंगे। दोपहर बाद साढ़े तीन बजे से एक होटल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी व सहप्रभारियों, नेता प्रतिपक्ष समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत तैयारियों को लेकर विमर्श करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगभग दो घंटे तक कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक करने के बाद शाम छह बजे सनातन धर्म इंटर कालेज बन्नू रेसकोर्स पहुंचेंगे, जहां वह छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों-युवाओं के साथ प्रतियोगी व भर्ती परीक्षाओं में नकल, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर संवाद करेंगे।

वह मंच अकेले ही साझा करेंगे। कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक छात्रों-युवाओं के भाग लेने की संभावना है। यह संख्या बढ़ भी सकती है। इसे देखते हुए मंच से बाहर की ओर टीवी स्क्रीन भी लगाई जाएगी। युवाओं को साधने के क्रम में दो चर्चित रैपर विवेक अरोड़ा (करमा) व सौरभ सिंह रावत (डकैत) की प्रस्तुतियां भी मंच पर होंगी। युवाओं से संवाद के बाद राहुल गांधी दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

जेई को झूठे एनडीपीएस केस में फंसाया

जलालाबाद डीएसपी नामजद, अदालत में आरोपी के बयान के बाद बढ़ीं मुश्किलें

जलालाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मंडी रोडांवाली में पंजाब स्टेट पावरकॉम के जूनियर इंजीनियर (जेई) को कथित रूप से झूठे एनडीपीएस मामले में फंसाने की साजिश के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मामले में पहले तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज होने के बाद अब अदालत के आदेश पर जलालाबाद के डीएसपी गुरसेवक सिंह बराड़ को भी नामजद किया गया है। तीनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में सब-जेल फाजिल्का भेज दिया गया है, जबकि डीएसपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, पंजाब स्टेट पावरकॉम में जूनियर इंजीनियर अमित कुमार ने शिकायत दी थी कि 3 जून 2026 की सुबह वह मंडी रोडांवाली स्थित अपने घर से अरनीवाला शेख सुभान ड्यूटी पर जा रहे थे। रास्ते में गंग नहर के पास कार में रखे वाटर कूलर के लिए पानी भरने के दौरान एक स्विफ्ट कार में सवार तीन लोगों ने खुद को पुलिस कर्मचारी बताते हुए उनकी कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कंडक्टर सीट के नीचे टेप से लिपटा एक पैकेट बरामद होने का दावा किया गया। अमित कुमार ने मौके पर ही पैकेट से किसी भी प्रकार का संबंध होने से इनकार कर दिया।

इसी दौरान आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। शिकायत के अनुसार कुछ देर बाद डीएसपी गुरसेवक सिंह बराड़ भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद अमित कुमार को पैकेट सहित सीआईए स्टाफ फाजिल्का ले जाया गया, जहां जांच में पैकेट में कोई भी नशीला पदार्थ नहीं मिला और उन्हें छोड़ दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बाद में परिवार और अपने स्तर पर की गई जांच में पता चला कि 2 जून की रात सुखजिंदर सिंह उर्फ शम्मी, सागर और राजन कुमार उर्फ नन्नू ने कथित रूप से पहले से रची गई साजिश के तहत उनकी कार में सफेद पाउडर का पैकेट रखा था। उनका मकसद उन्हें झूठे एनडीपीएस मामले में फंसाकर बदनाम करना था। साथ ही पुलिस को भी कथित रूप से गलत सूचना दी गई।

क्या कांग्रेस भी परिसीमन बिल पर करेगी मोदी सरकार का समर्थन? सुप्रिया सुले के बाद विजय वडेट्टीवार का बयान आया सामने

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। परिसीमन बिल को लेकर जारी चर्चा के बीच अब कांग्रेस का भी बयान सामने आया है। चर्चा है कि संसद के आगामी मॉनसून सत्र में सरकार सदन में परिसीमन बिल लाने वाली है। बिल को लेकर एनसीपी-एसपी के बाद अब कांग्रेस ने अपना रुख साफ कर दिया है। विजय वडेट्टीवार ने एनसीपी-एसपी की सांसद सुप्रिया सुले के बयान का समर्थन करते हुए साफ कहा कि जब भी हर राज्य में 50% सीटें बढ़ाने का बिल सामने आएगा, तब इंडिया गठबंधन के सभी दल एक साथ बैठकर इस पर आगे की रणनीति तय करेंगे।

विजय वडेट्टीवार ने मीडिया में चल रही उन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया, जिनमें दावा किया जा रहा था कि विपक्षी दलों ने परिसीमन का समर्थन कर दिया है। उन्होंने कहा, सुप्रिया सुले की बात बिल्कुल सही है। संसद के पिछले सत्र में जब इस मुद्दे पर चर्चा चल रही थी, तब बीजेपी की ऐसी कोई मानसिकता या स्पष्टता दिखाई नहीं दी। बिल में ऐसा कुछ भी नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि न तो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना-यूबीटी ने और न ही शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी-एसपी ने परिसीमन को लेकर कोई एकतरफा समर्थन दिया है। मीडिया में आ रही ऐसी खबरें सिर्फ गुमराह करने वाली हैं।

बड़ी कार्रवाई, 19 सालों से जमा कट्टे-बंदूकों को रोड रोलर से किया गया नष्ट

दतिया, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव से पहले पुलिस ने एक बड़ी और अनोखी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने पिछले 19 सालों से थानों में जमा 628 अवैध हथियारों को बीच सड़क पर रोड रोलर चलाकर नष्ट कर दिया। हुई इस कार्रवाई को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। यह पूरी कार्रवाई दतिया पुलिस कंट्रोल रूम के सामने मुख्य सड़क पर की गई। साल 2007 से लेकर अब तक अलग-अलग मामलों में जब्त किए गए सभी 628 हथियारों को सड़क पर कतार से बिछाया गया। इसके बाद उनके ऊपर भारी-भरकम रोड रोलर चलाकर उन्हें पूरी तरह से तोड़ दिया गया। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पुलिस ने इस पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई।

मामले की जानकारी देते हुए भांडेर एसडीओपी पी सी। यादव ने बताया कि ये सभी हथियार पिछले 19 वर्षों में जिले के अलग-अलग थानों में दर्ज आपराधिक मामलों से जब्त किए गए थे। चूंकि इन सभी मामलों का कोर्ट से अंतिम निपटारा हो चुका था, इसलिए ये हथियार थानों के मालखानों में जमा थे। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद नियमानुसार इन्हें नष्ट किया गया है। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई का एक बड़ा फायदा यह होगा कि थानों के मालखानों में लंबे समय से घिरी जगह अब खाली हो सकेगी। इससे साथ ही जब्त हथियारों के रिकॉर्ड को भी व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

बता दें कि दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए वोटिंग 30 जुलाई को होगी। इस उपचुनाव के नतीजे 3 अगस्त को घोषित किए जाएंगे। बीजेपी ने यहां से पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को उम्मीदवार के तौर पर मैदान में उतारा है। 2023 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा को 7 हजार 742 मतों से शिकस्त दी थी। हालांकि, एक मामले में इसी वर्ष अप्रैल में भारती को अदालत द्वारा 2 साल की सजा सुनाई गई और उनकी सदस्यता चली गई, जिसके बाद इस सीट पर चुनाव हो रहे हैं। इससे पहले साल 2008, 2013 और 2018 के चुनावों में लगातार तीन बार बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा यहां से चुनाव जीतकर विधायक बने थे।

दिल्ली में टिल्लू ताजपुरिया गैंग की वापसी की साजिश बेनकाब, हेड कॉन्स्टेबल समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने राजधानी में टिल्लू ताजपुरिया गैंग को दोबारा सक्रिय करने की साजिश का पर्दाफाश किया है। मामले की जब जांच की गई तो इसकी कड़ी दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल पवन कुमार तक पहुंची है, जिसे मुख्य आरोपी के तौर पर दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पवन कुमार और मारे जा चुके गैंगस्टर सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया एक ही गांव के रहने वाले हैं। मामले में अभी तक कुल तीन आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ चुके हैं, जबकि बाकी के सहयोगियों और फाइनेंसरों की तलाश में पुलिस लगी हुई है।

पुलिस के मुताबिक, यह मामला एक रियल एस्टेट कारोबारी से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने से जुड़ा है। कारोबारी को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए लगातार धमकियां मिल रही थीं की पैसे न देने पर उसे जान से मार दिया जाएगा। आरोप है कि कारोबारी द्वारा जब पैसा नहीं दिया गया तो हथियारबंद बदमाश कारोबारी के घर पर भी पहुंच गए थे और कारोबारी के साथ ही उसके परिवार को भी गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी बदमाशों के द्वारा दी गई थी। घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने 27 जून को एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान मिले सबूतों और तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस हेड कॉन्स्टेबल पवन कुमार तक पहुंच गई।

यूक्रेन ने फ्रांस से खरीदा 16 राफेल विमान

रूसी एसयू-57 स्टील्थ जेट से होगी टक्कर, कौन पड़ेगा भारी?

कीव/पेरिस, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में शानदार प्रदर्शन करने वाले राफेल फाइटर जेट से अब यूक्रेन की सेना भी लैस होने जा रही है। फ्रांस सरकार के सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि यूक्रेन को 16 राफेल एफ-4 कटेगरी के अत्याधुनिक वमिान सप्लाई किए जाएंगे। ये लड़ाकू विमान यूक्रेन की सेना को साल 2028 से 2029 के बीच मिलेंगे। आने वाले समय में यह राफेल डील और आगे बढ़ सकती है। फ्रांस और यूक्रेन के बीच साल 2025 में रक्षा भागीदारी समझौता हुआ था और उसके तहत यह पहली डील है। राफेल की यूक्रेन में सीधी टक्कर रूस के सुखोई-57 से होगी जिसे अब बहुत तेजी से रूस जंग में उतार रहा है।

इन दोनों ही विमानों का भारत से बड़ा कनेक्शन है। राफेल जहां भारतीय वायुसेना के पास है, वहीं सुखोई-57 को लेकर बातचीत चल रही है और जल्द ही बड़ी डील हो सकती है। फ्रांस के

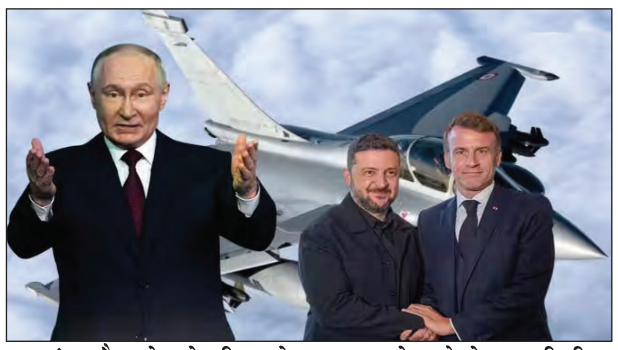

फ्रांस और यूक्रेन के बीच राफेल फाइटर जेट को लेकर बड़ी डील

राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने कहा है कि यूक्रेनी पायलटों की ट्रेनिंग चल रही है। समझौते के मुताबिक साल 2035 तक यूक्रेन के राफेल विमानों की संख्या 100 तक हो सकती है। यूक्रेन को राफेल जेट मलिना अपने आप में ऐतिहासिक घटना होगी। यूक्रेन की वायुसेना अभी फ्रांस से मिले पुराने पड़े चुके मिराज-2000 फाइटर जेट को बखूबी उड़ा रही है जो रूसी हमलों के खिलाफ काफी कारगर साबित हो रहे हैं। फ्रांसीसी मिराज-2000 और राफेल में काफी चीजें समान हैं जिससे यूक्रेनी वायुसेना को इसका काफी फायदा मिलने जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि राफेल जेट रूस के सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट के सामने काफी सीमित भूमिका निभा पाएंगे। सुखोई-57 एक पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट है जो ज्यादा शक्तिशाली रडार, ज्यादा ईंधन ले जाने की क्षमता और ज्यादा बम एवं मिसाइलें ले जा सकता है। सुखोई-57 की हवा से हवा में हमला करने की ताकत भी राफेल से ज्यादा है। यही नहीं रूस के सुखोई-35 और सुखोई-30 में भी राफेल से ज्यादा ताकतवर रडार लगे हैं।

रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि सुखोई विमानों के ज्यादा ताकतवर होने के बाद भी राफेल जेट पूरी रूसी वायुसेना के लिए बड़ा खतरा साबित होने जा रहे हैं।

अभी यूक्रेनी वायुसेना पुराने एफ-16, मिग-29, मिराज-2000 और सुखोई-27 से रूस पर हमले कर रही है। अमेरिकी एफ-35 से मिल रही कड़ी टक्कर के बीच फ्रांसीसी राफेल के लिए यूक्रेन से मिला ऑर्डर बड़ी राहत लेकर आया है। भारत भी फ्रांस से 100 से ज्यादा राफेल जेट खरीदने को लेकर बातचीत कर रहा है लेकिन अभी सोर्स कोड और दाम को लेकर पेच फंसा हुआ है।

भारत चाहता है कि फ्रांस तकनीक का ट्रांसफर करे ताकि इन विमानों को भारत में ही बनाया जा सके। वहीं भारत की रूस से भी सुखोई-57 को लेकर भी गंभीर बातचीत चल रही है।

पानी भरे गड्ढे में डूबने से 3 बच्चों की मौत

रेलवे ने ट्रैक-सुरंग बनाने डोंगरगढ़ में 6 फीट गड्ढा खोदा चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया

राजनांदगांव, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में नहाने के दौरान बारिश के पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। यह गड्ढा रेलवे निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी निकालने के बाद ठेकेदार ने खुला छोड़ दिया था, जो बारिश में पानी से भर गया।

घटना बोरतालाव थाना क्षेत्र के आश्रित ग्राम गांधीनगर की है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षकों की हड़ताल के कारण बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने की व्यवस्था नहीं थी।

सामान्य दिनों में शिक्षक ही बच्चों को घर से स्कूल लेकर आते और वापस छोड़ते थे। हड़ताल के चलते बच्चे स्कूल नहीं गए और इसी दौरान यह हादसा हो गया। गांधीनगर निवासी सार्थक कोकोटे, कृष मण्डावी (08) और दानेश मण्डावी (06) बुधवार शाम घर के पास खेल रहे थे।

शेख हसीना की 760 अरब टका की संपत्ति सीज

बांग्लादेश वापसी का ऐलान करते ही तारिक सरकार का एक्शन

ढाका, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके बिजनेस से जुड़ी 6.2 अरब डॉलर की संपत्तियों को जब्त कर लिया है। बांग्लादेशी मुद्रा में यह कीमत 760 अरब टका है। यह घटनाक्रम शेख हसीना की उस घोषणा के कुछ दिन बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने इस साल के आखिर में बांग्लादेश लौटने की बात कही है। शेख हसीना के बयान पर बांग्लादेश की सरकार ने कहा कि वह उनके लौटने का स्वागत करती है और उनसे न्याय का सामना करने को कहा है।

इसी साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद सत्ता में आई तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार ने हसीना पर 15 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार करने और अकूत संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया है। तारिक सरकार ने कहा है कि हसीना ने अपने शासन में गैर-कानूनी तरीकों से संपत्ति जमा की। बांग्लादेश की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ने बताया कि देश के भीतर शेख हसीना की 570 अरब टका और विदेश में 190

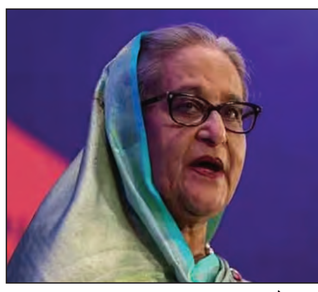

अरब टका की संपत्ति जब्त की है। एजेंसी के प्रमुख इख्तियार मोहम्मद मामून ने बताया कि वह विदेश में भेजे गए पैसे को वापस लाने के लिए अभी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस साल के आखिर तक अच्छी खबर दे पाएंगे। बांग्लादेश में छात्र समूहों, जमात-ए-इस्लामी और चरमपंथी ताकतों के हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद अगस्त 2024 में शेख हसीना की सरकार गिर गई थी और उन्हें भागकर भारत आना पड़ा था। तब से भारत में ही निर्वासन में रह रही हैं। बाद में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में आई अंतरिम सरकार के समय में इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल में हसीना के खिलाफ मुकदमा चलाया गया।

हसीना को मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराया गया और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। अंतरिम सरकार ने देश की सबसे पुरानी और बड़ी पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित कर दिया। यह शेख हसीना के समर्थकों पर दमन की कार्रवाई की इंतेहा थी।

हसीना ने हाल की एक समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि वह बांग्लादेश लौटकर सरेंडर करेंगी और अपने और पार्टी के खिलाफ लगे आरोपों का सामना करेंगी, जिन्हें वह झूठा और राजनीति से प्रेरित बताती हैं।

बंगाल की खाड़ी में रोहिंग्या शरणार्थियों की दो नावें पलटी

500 से ज्यादा लोगों के मरने की आशंका

म्यांमार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। म्यांमार के रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर जा रही दो नौकाएं बंगाल की खाड़ी में पलट गईं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) के मुताबिक, दोनों नौकाओं में करीब 530 लोग सवार थे।

घटना की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन 500 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका जताई गई है।

यूएनएचसीआर और आईओएम के अनुसार, दोनों नौकाएं जून के अंत में म्यांमार के रखाइन प्रांत से रवाना हुई थीं। इनमें अधिकांश यात्री रोहिंग्या समुदाय के थे, जबकि कुछ लोग बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों से भी आए थे। पहली नाव का संपर्क रवाना होने के कुछ समय बाद ही टूट गया। इसमें करीब 250 लोग सवार थे। दूसरी नाव में लगभग 280 लोग थे और इसके 8 जुलाई को म्यांमार के अयेयारवाडी तट के पास डूबने की आशंका है।

इस समय करीब 12 लाख रोहिंग्या बांग्लादेश के शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। पिछले कई वर्षों में समुद्री रास्ते से पलायन के दौरान हजारों रोहिंग्या अपनी जान गंवा चुके हैं।

पाकिस्तान के लिए चीन धड़ाधड़ बना रहा जे-35 स्टील्थ जेट

बनेगा पहला खरीदार

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मीडिया में दावा किया गया है कि चीन से उसे जल्द जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट मिलने जा रहा है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीन की शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन एक अहम इंडस्ट्रियल फेज में पहुंच गई है। चीनी कंपनी ने घरेलू सेना और पाकिस्तान के लिए जे-35 स्टील्थ फाइटर के ऑर्डर पूरे करने के लिए अपनी असेंबली क्षमता बढ़ा रही है जिसके बाद जे-35 की उसकी प्रोडक्शन क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

पाकिस्तानी सेना के लिए प्रोपेगेंडा करने वाली वेबसाइट डिफेंस सिक्योरिटी एशिया ने लिखा है कि चीन प्रोटोटाइप वैलिडेशन से आगे बढ़कर नौसेना और जमीन-आधारित ऑपरेशन की जरूरतों के लिए पांचवीं पीढ़ी के दो अलग-अलग फाइटर जेट्स की बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग कर रहा है। नवभारत टाइम्स इन दावों की पुष्टि नहीं करता है। ना

चीन ने जे-35 स्टील्थ विमान का प्रोडक्शन दोगुना किया

तो चीन और ना ही पाकिस्तान ने अभी तक जे-35 डील को लेकर कुछ नहीं कहा है। पाकिस्तानी सेना ने डील की पुष्टि की है।

जे-35 एक पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ लड़ाकू विमान है और चीन ने इसे वायुसेना और नौसेना, दोनों के लिए बनाया है। ये एयरक्राफ्ट कैरियर से भी ऑपरेट होता है। चीन ने इसे अपने एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात भी कर लिया है। नौसेना में तैनाती के साथ-साथ जमीन से ऑपरेट होने वाले जे-35ए वैरिएंट को आधिकारिक तौर पर 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स' में शामिल कर लिया गया है। यह चीन के बढ़ते पांचवीं पीढ़ी के फाइटर बेड़े और फोर्स-स्ट्रक्चर प्लानिंग में भारी जे-20 के मुकाबले एक हल्का और कम खर्चीला विकल्प साबित होगा।

पाकिस्तान वायुसेना के हवाले से इस साल जनवरी में पाकिस्तानी मीडिया में कहा गया था कि जे-35एई के अलावा पाकिस्तान चीन से केजे-500 एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एयरक्राफ्ट और एचक्यू-19 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे हथियारों का बड़ा पैकेज खरीद रहा है। केजे-500 एक अवाक्स एयरक्राफ्ट है। पाकिस्तान के दो अवाक्स एयरक्राफ्ट को ऑपरेशन सिंदूर के समय भारत ने तबाह कर दिया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान चीन से 40 जे-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने वाला है। दावा है कि शेनयांग के नए प्रोडक्शन कॉम्प्लेक्स में लगभग 8.6 बिलियन युआन यानि करीब 1.2 अरब डॉलर का निवेश किया है। पाकिस्तानी मीडिया में पिछले वर्ष से ही दावे किए जाते रहे हैं कि उसे जे-35 जल्द मिलने वाले हैं। लिहाजा ये प्रोपेगेंडा कैम्पेन का भी हिस्सा हो सकता है।

भारत के लिए दिक्कत ये है कि भारतीय वायुसेना के पास फिलहाल कोई स्टील्थ फाइटर जेट नहीं है। वहीं भारत तेजस लड़ाकू विमान के इंजन की जल्द डिलीवरी के लिए अमेरिका पर मोहताज है।

खड़े ट्रैक्टर के पीछे घुसी स्कूटी, 4 मौतें

दो बहनें, 2 बच्चियों की जान गई, दो दिन पहले मनाया था बेटी का जन्मदिन

दुर्ग-भिलाई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग-रायपुर नेशनल हाईवे-53 पर गुरुवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगी बहनों समेत चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में अमृता निर्मलकर (28), उनकी सगी बहन लक्ष्मी निर्मलकर (26), अमृता की 7 वर्षीय बेटी याचना और 4 वर्षीय डाली शामिल हैं। अमृता का 8 वर्षीय बेटा भावेश गंभीर रूप से घायल है। घटना कुम्हारी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, स्कूटी (सीजी 07 डीई 5847) पर एक ही परिवार के पांच लोग सवार होकर सोमनी भिलाई-3 से रायपुर के बसंत विहार स्थित अपने मामा के घर जा रहे थे। रास्ते में सुबह करीब 10 से 10:30 बजे के बीच सड़क किनारे खड़े ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे ट्रैक्टर के पीछे स्कूटी जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दो महिलाओं और दो बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई। अमृता निर्मलकर के पति लोकेश निर्मलकर के मुताबिक परिवार ने हादसे से दो दिन पहले ही 14 जुलाई को याचना का जन्मदिन मनाया था। अगले दिन सभी रिश्तेदारों से मिलने रायपुर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। पुलिस के मुताबिक, सोमनी भिलाई-3 निवासी अमृता निर्मलकर (28) स्कूटी चला रही थीं। उनके साथ कुल पांच लोग बसंत विहार, रायपुर स्थित अपने मामा के घर जा रहे थे। इसी दौरान ऑक्सीजन सिलेंडरों से लदे खड़े ट्रैक्टर (सीजी 07 एनए 0930) के पीछे स्कूटी जा घुसी।

हादसे में अमृता निर्मलकर (28), लक्ष्मी निर्मलकर (26), 7 वर्षीय यासना और 4 वर्षीय डाली की मौके पर ही मौत हो गई।

जापान राजवंश में उत्तराधिकारी का संकट

किंग नारुहितो को बेटा नहीं, बेटी को हक नहीं, सरकार नए सम्राट की तलाश में जुटी

टोक्यो, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जापान में सानाए ताकाइची ने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में इतिहास रचा है, लेकिन दुनिया के सबसे पुराने जापान के राजवंश में राजगद्दी महिला को सौंपने पर रोक है। करीब 2600 साल पुराना यह राजवंश अब उत्तराधिकारी के संकट से जूझ रहा है।

मौजूदा कानून के अनुसार, केवल सम्राट का बेटा ही सम्राट बन सकता है। इस समय पूरे राजवंश में केवल चार पुरुष बचे हैं। इनमें सम्राट नारुहितो (66), उनके छोटे भाई आकिशिनो (60) और चाचा हिताची (90) हैं। आकिशिनो का एक बेटा 19 वर्षीय हिसाहितो हैं। 40 वर्षों में राजवंश में वयस्क होने वाले वे पहले पुरुष हैं। सम्राट नारुहितो की इकलौती बेटी 24 वर्षीय

प्रिंसेस आइको हैं। हालिया सर्वे के अनुसार, अधिकांश जापानी आइको को 'साम्राज्ञी' के रूप में देखना चाहते हैं, लेकिन इसमें 1889 का 'इंपीरियल हाउस लॉ' बाधक है। इस कानून में महिलाओं के राजगद्दी संभालने पर रोक है। साथ ही अगर कोई राजकुमारी किसी आम नागरिक से शादी करती है, तो उसे राजपरिवार छोड़ना होता है। रूढ़िवादी जापानी इस कानून के प्रबल समर्थक हैं। वहीं, राजवंश में उत्तराधिकार संकट से निपटने के लिए ताकाइची सरकार ने संसद में बिल पेश किया है। इसके तहत 1947 में राजवंश परिवार से अलग की गई शाखाओं के अविवाहित पुरुषों को गोद लेकर उत्तराधिकारियों का दायरा बढ़ाया जाएगा। लेकिन इस बिल में राजकुमारी आइको या उनके होने वाले बच्चों के लिए कोई जगह नहीं है।

चुओ यूनिवर्सिटी में शाही वंशावली के विशेषज्ञ प्रो. माकोटो ओकावा के अनुसार, 'इतिहास में जापान में आठ महिला सम्राट (1889 से पहले) रह चुकी हैं। इसलिए महिलाओं को बाहर रखना कोई ऐतिहासिक परंपरा नहीं, बल्कि एक सोच है।

जब तक महिलाओं को उत्तराधिकार से बाहर रखा जाएगा, तब तक राजपरिवार में स्थिरता लाना संभव नहीं होगा।'

अमेरिका ने ईरान के 'ग्रेट टुनब' पर क्यों किया हमला

होर्मुज के बंद ताले की यहीं है चाबी

तेहरान, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक छोटा सा द्वीप ग्रेट टुनब टकराव का नया केंद्र बन गया है।

इस अहम रणनीतिक द्वीप पर सभी का ध्यान तब गया, जब अमेरिकी सेना ने बुधवार को किए गए हमलों में इसे निशाना बनाया। अमेरिकी सेना का यह कदम इसलिए भी असामान्य था क्योंकि आमतौर पर रात में होने वाले हमलों की जगह इस द्वीप को दिन में निशाना बनाया गया। यहां अमेरिकी सेना ने 90 मिनट तक बमबारी की।

जानकारों का कहना है कि यह अमेरिका की दुनिया के सबसे अहम समुद्री चोकपॉइंट पर अपना नियंत्रण करने की सोची-समझी कोशिश है।

ईरान का ग्रेटर टुनब आइलैंड उन कई द्वीपों में से एक है, जिसे रक्षा विशेषज्ञ होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों और नौसैनिक पोतों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण बताते है। इसकी तुलना भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से की जाती है। अंडमान की तरह ही इसे ईरान का कभी न डूबने वाला एयरक्राफ्ट करियर कहा जाता है।

ग्रेटर टुनब उन तीन अमीराती द्वीपों में शामिल हैं, जिन पर ईरान ने 1971 में कब्जा कर लिया था। बाकी दो द्वीप लेसर टुनब और अबू मूसा हैं। यूएई इन द्वीपों पर अपना दावा करता है। ग्रेटर टुनब आइलैंड पर ईरान का एक मिलिट्री एयरफील्ड, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का नेवल बेस, सैन्य छावनियां और मिसाइलें मौजूद हैं। इसका इस्तेमाल आस-पास के शिपिंग रूट पर नजर रखने के लिए किया जाता है।

सऊदी मीडिया आउटलेट अशराक अल अवसात की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी नेवी के पूर्व कमांडर अलीरेजा तंगसिरी ने इस द्वीप को होर्मुज पर ईरान के नियंत्रण के लिए बहुत अहम बताया था। तंगसिरी इसी साल अमेरिका-इजरायल से युद्ध के दौरान 26 मार्च को बंदर अब्बास में हुए एक हवाई हमले में मारे गए थे। ईरान के सरकारी टीवी को दिए गए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ग्रेटर टुनब को खोने का मतलब होगा, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले रूट पर नियंत्रण खो देना।

अल्जीरिया के अनाथालय में भीषण आग

11 की मौत, 19 घायल

अल्जीयर्स, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स के बाहरी इलाके में स्थित एक अनाथालय में गुरुवार तड़के भीषण आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 19 लोग घायल हुए हैं। सरकारी मीडिया के मुताबिक, हादसा शहर के पूर्वी बाहरी इलाके के मोहम्मदिया जिले में स्थित अनाथालय में हुआ। सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी ने बताया कि घायलों में 10 लोग अलग-अलग स्तर पर झुलसे हैं। बचाव दल ने अनाथालय में मौजूद 5 दिव्यांग लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की पहचान और उनकी उम्र का खुलासा नहीं किया है। आग लगने के कारणों की भी जांच की जा रही है। अल्जीरिया इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। 8 जुलाई से अब तक देशभर में 913 आग की घटनाओं पर सिविल प्रोटेक्शन यूनिट्स ने काबू पाया है।

जेलेंस्की ने सरकार में बड़ा फेरबदल क्यों किया?

नए पीएम बने सेरही कोरेत्स्की, रक्षा मंत्री को हटाने पर प्रदर्शन

कीव, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन की राजधानी कीव में गुरुवार को जनता ने विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन उस समय हुआ, जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मिखाइलो फेडोरोव को रक्षा मंत्री के पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान संसदीय बैठक भी हुई, जिसमें बड़े सरकारी फेरबदल के तहत नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति को मंजूरी दी गई।

सरकार में यह बड़ा फेरबदल राष्ट्रपति जेलेंस्की की सियासी ताकत की परीक्षा बन सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि रूस की ओर से बड़े पैमाने पर हमलों के खिलाफ यूक्रेन की लड़ाई को अब करीब साढ़े चार साल पूरे हो चुके हैं। रक्षा मंत्री मिखाइलो फेडोरोव केवल छह महीने के कार्यकाल के बाद सरकार से बाहर हो सकते हैं। हाल के महीनों में रूसी सेना के मुकाबले यूक्रेन के सैन्य प्रदर्शन में

जो अहम सुधार हुआ है, उसका कुछ श्रेय फेडोरोव की तकनीकी समझ को दिया जाता है।

पिछले साल जनवरी में रक्षा मंत्री बनने से पहले फेडोरोव (35 वर्षीय) यूक्रेन की डिजिटल बदलाव की नीतियों के प्रमुख थे। उन्हें आधुनिक सोच वाला नेता माना जाता था। उन्होंने ड्रोन तकनीक को तेजी से विकसित करने और सेना में लागू करने का काम आगे बढ़ाया। साथ ही सरकार की कई सफल डिजिटल सेवाएं भी शुरू कराईं, जिससे उन्हें लोगों के बीच लोकप्रियता मिली।

रक्षा मंत्री बनने के बाद उन्होंने सेना में बड़े सुधारों का वादा किया था। उनका कहना था कि करीब दो लाख सैनिकों के सेवा छोड़कर जाने से सेना को समस्या का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, करीब 20 लाख लोगों ने सैन्य भर्ती से बचने की कोशिश की। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फेडोरोव को हटाने की आधिकारिक घोषणा नहीं की। लेकिन कई दिनों से यूक्रेनी मीडिया में उनके पद छोड़ने की खबरें चल रही हैं। इसके बाद बुधवार देर रात फेडोरोव ने सोशल मीडिया पर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

संसद के अध्यक्ष रुसलान स्तेफानचुक ने बुधवार देर रात सोशल मीडिया पर बताया कि राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सरकारी ऊर्जा कंपनी नाफ्तोगाज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सेरही कोरेत्स्की को नए प्रधानमंत्री पद के लिए नामित किया।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि आने वाली एक और कठिन सर्दी के लिए यूक्रेन को तैयार करने की सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता को देखते हुए कोरेत्स्की सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं। उन्होंने ऊर्जा क्षेत्र में उनके अनुभव का भी जिक्र किया।

बलूचिस्तान और केपी पर असीम मुनीर से टकराने वाले मौलाना डीजल कौन हैं?

पाकिस्तान में देशद्रोह का केस

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मौलाना फ़ज़लुर रहमान और सेना प्रमुख असीम मुनीर के बीच ठन गई है। मौलाना फ़ज़लुर रहमान ने असीम मुनीर पर जबरदस्त निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने पश्तूनों से अफगानों का कत्ल करने को कहा है। फ़ज़लुर रहमान ने कहा 'असीम मुनीर हमसे (पाकिस्तानी पश्तूनों से) हथियार उठाने और उन्हें (अफगानों को) मारने के लिए कहते हैं। हम ऐसा नहीं करेंगे। हम आपके (अमेरिकी) आकाओं की लड़ाई नहीं लड़ेंगे। आप बलूचिस्तान और केपीके दोनों ही खो रहे हैं।'

उनका ये बयान उस वक्त आया है जब पाकिस्तान के अंदर उनके खिलाफ देशद्रोह की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मौलाना फ़ज़ल-उर-रहमान पाकिस्तान में पश्तूनों के सबसे बड़े धार्मिक नेता माने जाते हैं। उन्होंने पिछले कुछ महीनों से असीम मुनीर और पाकिस्तानी सेना को आड़े हाथों ले रखा है। हालांकि पीओके में चल रहे प्रदर्शन को लेकर उनकी आवाज में थोड़ी नरमी जरूर आई है।

मौलाना फ़ज़लुर रहमान ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शांति बनाए रखने की अपील की है और प्रदर्शनकारियों से कहा है कि बातचीत जारी रहने तक वे अपना आंदोलन रोक दें। पाकिस्तान की सेना पर कथित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ देशद्रोह की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। मौलाना के खिलाफ कसूर के सदर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

न कड़कती बिजली, न भौंकते कुत्ते, न गरजते हैं बादल...

आखिर क्या है बद्रीनाथ मंदिर में शांति का रहस्य

उत्तराखंड की हिमालय की गोद में बसे बद्रीनाथ धाम को हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थों में गिना जाता है । चारधाम यात्रा का यह प्रमुख पड़ाव हर साल लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनता है । बद्रीनाथ धाम को लेकर कई ऐसी मान्यताएं प्रचलित हैं, जो इसे और भी खास बनाती हैं । इन्हीं में से एक मान्यता यह भी है कि मंदिर परिसर के आसपास न तो बिजली कड़कती है, न कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई देती है और न ही तेज आवाज से बादल गरजते हैं । हालांकि इन मान्यताओं का कोई वैज्ञानिक सबूत तो नहीं है, लेकिन सदियों से स्थानीय लोग और श्रद्धालु इन्हें भगवान बद्री विशाल की कृपा से जोड़कर देखते हैं ।

क्या है बद्रीनाथ मंदिर की शांति का रहस्य? मान्यताओं के अनुसार, बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु नर-नारायण रूप में एकाग्र होकर तपस्या कर रहे हैं । भगवान की इस साधना में कोई बाधा न आए, इसलिए प्रकृति खुद उनके ध्यान में सहयोग करती है, यही कारण है कि कहा जाता है कि मंदिर परिसर के आसपास बिजली नहीं कड़कती, कुत्ते भौंकते नहीं हैं और बादलों की तेज गर्जना भी बहुत कम सुनाई देती है । श्रद्धालु इसे भगवान विष्णु की दिव्य उपस्थिति और धाम की आध्यात्मिक शक्ति का प्रभाव मानते हैं।

बद्रीनाथ धाम से जुड़ी अन्य विशेष बातें

बद्रीनाथ मंदिर के सामने बहने वाली अलकनंदा नदी और पास स्थित तप्त कुंड का भी विशेष धार्मिक महत्व है । श्रद्धालु मंदिर में दर्शन से पहले तप्त कुंड में स्नान करते हैं । माना जाता है कि इससे शरीर और मन दोनों पवित्र होते हैं । मंदिर के पास नारद कुंड, ब्रह्म कपाल, चरण पादुका, भीम पुल और माना गांव जैसे कई धार्मिक स्थल भी हैं, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

चारधाम यात्रा में बद्रीनाथ धाम का महत्व

उत्तराखंड के चारधाम में यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ शामिल हैं । इनमें बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु को समर्पित है और इसे चारधाम यात्रा का अंतिम पड़ाव माना जाता है । मान्यता है कि चारों धामों के दर्शन करने के बाद ही यात्रा पूरी मानी जाती है । समुद्र तल से लगभग 3,133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बद्रीनाथ मंदिर अलकनंदा नदी के तट पर बना है । चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ और शांत वातावरण यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभव कराते हैं ।

किस भगवान की होती है पूजा?

बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु के बद्रीनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है । मंदिर के गर्भगृह में भगवान विष्णु की श्याम रंग की प्रतिमा विराजमान है, जिसे शालिग्राम पत्थर से निर्मित माना जाता है । भगवान यहां पद्मासन की मुद्रा में विराजमान हैं, जो बाकी विष्णु मंदिरों की प्रतिमाओं से अलग मानी जाती है । धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु ने इसी स्थान पर तपस्या की थी । उस समय माता लक्ष्मी ने बदरी यानी बेर के वृक्ष का रूप धारण कर उन्हें धूप और बर्फ से बचाया । इसी कारण भगवान को बद्रीनारायण और इस स्थान को बद्रीनाथ कहा गया ।

बद्रीनाथ धाम का इतिहास

मान्यता है कि आदि शंकराचार्य ने आठवीं शताब्दी में इस मंदिर की पुनर्स्थापना की थी । इसके बाद से यह धाम वैष्णव परंपरा का प्रमुख तीर्थ बन गया । हर साल अप्रैल या मई में मंदिर के कपाट खुलते हैं और दीपावली के बाद शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाते हैं । सर्दियों में भगवान बद्रीनाथ की पूजा जोशीमठ स्थित नरसिंह मंदिर में की जाती है।

भगवान जगन्नाथ की मौसी कौन हैं

जिनसे मिलने के लिए हर साल निकलती है रथ यात्रा

जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारंभ हो चुका है और श्री मंदिर से निकलने वाली रथ यात्रा गुंडिचा मंदिर जाती है और फिर वहां से श्री मंदिर आती है । भगवान जगन्नाथ जी बडे भाई बलभद्र और छोटी बहन सुभद्रा के साथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं । वहीं वे कुछ दिन विश्राम करते हैं, फिर वहां से वापस आते हैं । भगवान का नगर भ्रमण हर साल होता है । भगवान जगन्नाथ की मौसी कौन हैं? इसके बारे में 2 कथाएं हैं ।

भगवान जगन्नाथ ने रानी गुंडिचा को बनाया अपनी मौसी

ओडिशा के तत्कालीन राजा इंद्रद्युम्न ने श्रीमंदिर का निर्माण तो करा लिया था, लेकिन उसमें मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए कोई योग्य पुरोहित नहीं मिल रहा था । तब एक दिन नारद जी ने राजा को बताया कि ब्रह्मा जी ही इस मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करा सकते हैं । राजा ब्रह्म लोक जाने को तैयार हो गए, लेकिन नारद जी ने कहा कि वहां से वापस आने पर कई युग बीत जाएंगे । इस पर रानी गुंडिचा ने समाधि लेकर तप करने का वचन दिया । राजा ब्रह्म लोक चले गए, जब वे ब्रह्मा जी के साथ वापस आए तो श्रीमंदिर रेत में दब गया था । कई युग बीत गया था । पुरी में गालु माधव नए राजा थे । राजा इंद्रद्युम्न ने गालु माधव को श्री मंदिर की पूरी सच्चाई बताई । खुदाई के बाद मंदिर का गर्भगृह खोजा गया, जहां पर मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होनी थी ।

दूसरी ओर रानी गुंडिचा को पति के वापस आने का संकेत मिला तो उनकी समाधि टूटी । उनके सामने एक दंपति थे, उनसे उन्होंने मंदिर चलने को कहा । रानी जब श्रीमंदिर पहुंची तो वहां पर राजा इंद्रद्युम्न से मिलन हुआ । इस मिलन से राजा गालु माधव को पूरी घटना का प्रमाण मिल गया और उन्होंने सच्चाई मान ली । ब्रह्मा जी ने पूरे विधि विधान से श्री मंदिर के गर्भगृह में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा जी मूर्तियों की की प्राण प्रतिष्ठा करायी । इससे प्रसन्न होकर भगवान जगन्नाथ ने राजा को वरदान दिए और रानी गुंडिचा से कहा कि आपने मां के समान हमारी प्रतीक्षा की है, इस वजह से आप मेरी मौसी हैं । आपसे मिलने के लिए हर वर्ष आऊंगा । रानी गुंडिचा ने जिस स्थान पर तप किया था, वहीं पर गुंडिचा मंदिर बना । अपने वचन के अनुसार, हर साल भगवान जगन्नाथ रथ पर सवार होकर मौसी से मिलने गुंडिचा मंदिर जाते हैं । वहां वे 7 दिन रहते हैं । पूरे साल में इन 7 दिनों में ही उस मंदिर में पूजा होती है ।

पुरी में है मौसी मां मंदिर

पुरी में देवी अर्धशोषणी का मंदिर हैं, जिनको अर्धासिनी भी कहा जाता है । ये भी भगवान जगन्नाथ की मौसी कहलाती हैं । स्कंद पुराण की कथा के अनुसार, एक बार पुरी में समुद्र का जल स्तर काफी ऊंचा हो गया, जिससे बाढ़ आ गई और श्री मंदिर पर खतरा मंडराने लगा । तब देवी अर्धासिनी ने उस बाढ़ के आधे पानी को पी लिया, जिससे जगन्नाथ जी के श्री मंदिर पर आया संकट टल गया । इस वजह से ये पुरी की संरक्षक देवी हैं ।

एक अन्य कथा के अनुसार, एक बार लक्ष्मी जी किसी वजह से नाराज होकर अपने मायके चली गईं । तब श्रीमंदिर में अन्न और ऐश्वर्य की कमी हो गई । ऐसी स्थिति में भगवान जगन्नाथ और बलभद्र जी को भोजन के लिए भिक्षा मांगनी पड़ी ।

वहीं उनकी छोटी बहन सुभद्रा अपनी मौसी देवी अर्धशोषणी के घर चली गईं । वहां पर देवी अर्धशोषणी ने सुभद्रा जी का विशेष ख्याल रखा और मां की तरह उनकी देखरेख की । रथ यात्रा के समय भगवान जगन्नाथ का रथ देवी अर्धशोषणी के मंदिर के सामने रुकता है । वहां पर मौसी अर्धशोषणी उनको पोड़ा पीठा का भोग लगाती हैं ।

शिव मंदिरों में होती हैं नवग्रह की मूर्तियां, लेकिन वैष्णव में क्यों नहीं?

सनातन धर्म में नवग्रहों का विशेष महत्व है । ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु नौ ग्रह होते हैं, जोकि व्यक्ति के जीवन के अनेक पहलुओं को प्रभावित करते हैं, जैसे सुख-दुख, स्वास्थ्य, नौकरी, विवाह और आर्थिक स्थिति । यही कारण है किसी भी अनुष्ठान में नवग्रहों की पूजा जरूरी होती है । हालांकि, एक बात अनेक लोगों को संदेह में डालती है कि शिव मंदिरों में नवग्रह की मूर्तियां होती हैं, लेकिन वैष्णव मंदिरों में नवग्रहों की मूर्तियां क्यों नहीं होती हैं?

वैष्णव मंदिरों में नवग्रह मूर्तियां क्यों नहीं?

आध्यात्मिक विद्वानों के अनुसार, इसका मूल भगवान कृष्ण की भगवद् गीता में दी गई शिक्षाओं में निहित है । भगवद् गीता में भगवान कृष्ण अपनी सार्वभौमिक महिमा का वर्णन करते हुए कहते हैं, "ग्रहों में मैं सूर्य हूं ।" इसका अर्थ है कि भगवान विष्णु की अवधारणा परम आत्मा का वह रूप है जो सभी ग्रहों का स्रोत है । चूंकि नवग्रहों को शक्ति प्रदान करने वाला रूप भगवान विष्णु का ही है इसलिए यह परंपरा है कि उनके मंदिर में नवग्रहों की अलग से स्थापना करने की आवश्यकता नहीं है ।

इसी कारण प्राचीन काल में निर्मित कई वैष्णव मंदिरों में नवग्रह की मूर्तियां नहीं मिलती हैं । वहां मुख्य रूप से भगवान विष्णु या उनके अवतारों को ही प्राथमिकता दी जाती थी । भक्तों का मानना था कि भगवान विष्णु के दर्शन करना नवग्रहों की पूजा के समान है ।

केवल शिव मंदिरों में होती हैं नवग्रह की मूर्तियां

शिव मंदिरों में स्थिति कुछ अलग है । शिव को नवग्रहों का स्वामी और ग्रहों के दोषों को शांत करने वाला देवता भी माना जाता है इसलिए, कई शिव मंदिरों में नवग्रह स्थापित करने और ग्रहों की शांति के लिए विशेष पूजा-अर्चना करने की प्रथा भक्तों द्वारा व्यापक रूप से प्रचलित है ।

हालांकि समय के साथ-साथ मंदिरों के बनाने के तरीके में भी बदलाव आए हैं । एक समय था जब मंदिर में केवल एक ही मुख्य देवता की पूजा होती थी । वैष्णव मंदिर में विष्णु की पूजा की जाती थी और शिव मंदिर में शिव की । आजकल भक्तों की सुविधा के लिए एक ही मंदिर परिसर में गणपति, सुब्रह्मण्य स्वामी, नवग्रह की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं इसलिए यह स्वाभाविक है कि आज कुछ वैष्णव मंदिरों में नवग्रह की मूर्तियां देखने को मिल सकती हैं ।

नवग्रहों पूजा की आध्यात्मिक अवधारणा

नवग्रहों की पूजा के पीछे एक और आध्यात्मिक अवधारणा भी बहुत रोचक है । 'ग्रह' का अर्थ है जो हमारे जीवन को प्रभावित करता है । धर्माचार्यों का मानना है कि ग्रहों की पूजा से न केवल ग्रहों के दोष दूर होते हैं, बल्कि मन में संयम, धैर्य और अनुशासन का विकास भी होता है । ऐसा माना जाता है कि यह पूजा जीवन में आने वाली कठिनाइयों का साहसपूर्वक सामना करने की शक्ति प्रदान करती है ।

जीवन में भक्ति उतर आए तो फिर हर कृत्य में सेवा ही होगी

कहते हैं कि सेवक को सपने में भी सुख नहीं मिलता। लेकिन यह बात लक्ष्मण जी और हनुमान जी जैसे सेवकों ने बदल दी। तुलसीदास जी ने लिखा है- कहइ भसुंड सुनहु खगनायक, राम चरित सेवक सुखदायक। भुशुंडि कहते हैं कि पक्षीराज गरुड़ सुनिए, श्रीराम का चरित्र सेवकों को सुख देने वाला है। तो यह तो तय है कि सेवक को सुख मिलेगा, यदि वह श्रीराम से जुड़ा रहेगा।

सेवा प्रदर्शन के लिए भी की जाती है, अहंकार बढ़ाने के लिए भी की जाती है, लेकिन यदि जीवन में भक्ति उतर आए तो फिर जो भी कृत्य होगा, वो सेवा ही होगी। बाजार की दुनिया में इस समय एक शब्द चलता है- गिग वर्कर्स। अपनी शर्तों पर, अपने समय के अनुसार काम करने वाले लोगों को गिग वर्कर्स कहते हैं।

यह सेवक की बिल्कुल नई परिभाषा है। जब कोई व्यक्ति अपने को परमात्मा से जोड़ देता है तो वह गिग वर्कर हो जाता है। सब कुछ आपका है- समय, परिणाम, प्रयास। पर भाव जाग जाता है कि करा कोई और रहा है, कर हम रहे हैं। और कराने वाला ईश्वर है।

कैसे छत्रपति शिवाजी ने दुश्मन के चक्रव्यूह को न्याय से तोड़ा

एक बार शिवाजी अपने शयनकक्ष में सोए हुए थे, तभी एक बालक पहरेदारों से बचता हुआ हाथ में तलवार लिए उनके कक्ष में आ पहुंचा। वह शिवाजी पर हमला करने ही वाला था कि उनके सेनापति तानाजी ने उसे देख लिया। इससे पूर्व कि वह बालक कुछ कर पाता, उसे बंदी बना लिया गया।

तभी शिवाजी की भी नींद खुल गई। उन्होंने जब बालक के हाथ में तलवार देखी तो उससे पूछा, "बालक, तुम इस तरह तलवार लेकर मेरे कक्ष में क्यों आए? क्या तुम हमें मारना चाहते थे? बालक ने डरते-डरते सिर हिलाया। तब शिवाजी ने उससे पूछा, "आखिर तुम हमें मारना क्यों चाहते थे?

तब बालक ने कहा, "महाराज, मेरे पिता आपकी सेना में एक सैनिक थे। वह युद्ध में मारे गए। मेरी मां काफी दिनों से बीमार चल रही है। मैं किसी काम की तलाश में निकला था कि आपके एक शत्रु ने कहा, "तू शिवाजी को मार दे, तो मैं तुझे बहुत-सा धन दूंगा। मैं उसी कारण यह पता होते हुए भी कि पकड़े जाने पर मृत्युदंड मिलेगा, आपको मारने चला आया।

उसकी बात सुनकर तानाजी ने कहा, "तू रंगे हाथ पकड़ा गया है और अब तुझे अपनी जान देनी होगी। बालक बोला, "मेरी मां बहुत बीमार है। मैं उसे प्रणाम कर कल सुबह वापस आ जाऊंगा। कृपया अभी मुझे जाने दें।

शिवाजी सभी बातें देख-सुन रहे थे। उन्होंने उदारता दिखाते हुए कहा, "बालक, तुम जाओ। कल आ जाना।

अगले दिन बालक दरबार में आया और आत्मसमर्पण कर दिया। शिवाजी ने भरी सभा में कहा, "यह सत्यनिष्ठ बालक हमारे वीर सैनिक का बेटा है। भूल हमसे हुई है। हमने उसके परिवार का ध्यान नहीं रखा। हम इसे क्षमा कर आजीवन भरण-पोषण की व्यवस्था करते हैं। इस घटना के बाद शिवाजी ने अपने सैनिकों के जीवनकाल व मृत्यु के बाद उनके परिवार के उचित भरण-पोषण की योजना बनाई।

दुखी संत को गुरु की सीख,खुद पर भरोसा करना सीखें, अपनी क्षमता पर विश्वास होगा

कहते हैं कि इंसान के सुख या दुख उसकी परिस्थितियों से कम और उसके नजरिए से ज्यादा तय होते हैं। यह बात एक लोक कथा से समझ सकते हैं।

पुराने समय में एक आश्रम में दो संत एक साथ एक आश्रम में रहते थे। दोनों का जीवन एक समान ही था। दोनों सुबह ब्रह्ममुहूर्त में उठते, पूजा-पाठ करते, साधना करते और जरूरतमंद लोगों की सहायता करते थे। आश्रम में दूर-दूर से लोग अपनी परेशानियां लेकर आते और दोनों संत उन्हें अपनी बुद्धि से उचित मार्गदर्शन देते। दोनों की सलाह इतनी प्रभावी होती थी कि लोगों की समस्याएं काफी हद तक दूर हो जाती थीं।

दोनों संतों के स्वभाव में एक बड़ा अंतर था। पहले संत का नाम था सुखी। वह हर परिस्थिति में प्रसन्न रहता था। चाहे कठिन समय हो या सफलता का अवसर, उसके चेहरे पर हमेशा संतोष और आत्मविश्वास झलकता था। वहीं दूसरे संत का नाम था दुखी। वह हर छोटी-बड़ी बात को लेकर चिंतित रहता, परिणामों को लेकर परेशान रहता और हमेशा किसी न किसी कमी का अनुभव करता था। गांव के लोगों ने दोनों संतों के अलग-अलग स्वभाव की वजह से उनके नाम सुखी-दुखी रख दिए थे।

एक दिन दुखी संत ने सोचा कि जब दोनों का जीवन, दिनचर्या और कर्म समान हैं, तो फिर उसके जीवन में अशांति क्यों है? वह अपने गुरु के पास पहुंचा और अपनी शंका व्यक्त की।

गुरु ने मुस्कुराते हुए कहा, तुम दोनों के कर्म एक जैसे हैं, लेकिन सोच अलग है। सुखी संत हर परिस्थिति को अवसर मानता है। उसे अपने प्रयासों और ईश्वर पर पूरा विश्वास है। वह परिणाम की चिंता करने के बजाय वर्तमान में अपना श्रेष्ठ कार्य करता है। इसलिए उसका मन शांत रहता है।

फिर गुरु ने दुखी संत से कहा, तुम हर काम करते समय पहले ही असफलता की कल्पना कर लेते हो। तुम्हें स्वयं पर भरोसा नहीं है और तुम हमेशा दूसरों से तुलना करते रहते हो। यही तुम्हारे दुख का सबसे बड़ा कारण है।

गुरु की बात सुनकर दुखी संत को अपनी भूल समझ आ गई। उसने उसी दिन से अपने विचार बदलने का संकल्प लिया। धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास बढ़ा, मन शांत हुआ और जीवन में खुशियां लौटने लगीं। तब उसे एहसास हुआ कि परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारी सोच ही हमारे जीवन की दिशा तय करती है।

प्रसंग की सीख

पहली सीख - हर व्यक्ति को कभी न कभी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। फर्क सिर्फ इतना होता है कि कोई व्यक्ति उन चुनौतियों के आगे हार मान लेता है, जबकि कोई उन्हें अवसर बनाकर आगे बढ़ जाता है। सकारात्मक सोच इसी अंतर को पैदा करती है।

दूसरी सीख - खुद पर भरोसा करना सीखें। यदि आपको अपनी क्षमता पर विश्वास होगा, तो कठिन से कठिन लक्ष्य भी संभव लगने लगेगा। आत्मविश्वास हर सफलता की पहली सीढ़ी है।

तीसरी सीख - वर्तमान पर ध्यान देना। बीती हुई गलतियों पर पछताने या भविष्य की चिंता करने के बजाय आज जो करना है, उसे पूरी ईमानदारी से करें। यही आदत तनाव को कम करती है और परिणाम बेहतर बनाती है।

चौथी सीख - मन की शांति बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। इसके लिए प्रतिदिन कुछ समय ध्यान, प्रार्थना या गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास करें। शांत मन सही निर्णय लेने में मदद करता है।

पांचवीं सीख - अपनी तुलना दूसरों से करने के बजाय अपने पिछले प्रदर्शन से करें। हर व्यक्ति की परिस्थितियां और यात्रा अलग होती है। लगातार खुद को बेहतर बनाने का प्रयास ही वास्तविक प्रगति है।

छठी सीख - कृतज्ञता का भाव रखें। जीवन की अच्छी चीजों का आभार मानें। यह आदत नकारात्मक विचारों को कम करती है और जीवन में संतोष बढ़ाती है।

सातवीं सीख - असफलता को अंत नहीं, बल्कि सीख मानें। हर असफल प्रयास आपको अनुभव देता है, जो भविष्य की सफलता का आधार बनता है।

आठवीं सीख - सकारात्मक लोगों की संगति करें। जिन लोगों की सोच प्रेरणादायक होती है, उनका प्रभाव भी हमारे व्यवहार और मानसिकता पर पड़ता है।

जीवन की अधिकांश समस्याएं पहले मन में पैदा होती हैं और वहीं समाप्त भी हो सकती हैं। यदि सोच सकारात्मक, मन शांत और आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी छोटी लगने लगती है। इसलिए परिस्थितियों को बदलने से पहले अपने दृष्टिकोण को बदलने का प्रयास करें। यही सफल और संतुलित जीवन का सबसे सरल और प्रभावी मंत्र है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 17 जुलाई - 2026

भ्रष्टाचार पर कार्रवाई जरूरी

भ्रष्टाचार किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह केवल सरकारी धन की हानि नहीं करता, बल्कि शासन की विश्वसनीयता, प्रशासन की पारदर्शिता और जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। इसलिए जब कोई सरकार या मुख्यमंत्री इसके खिलाफ कठोर रुख अपनाने की बात करता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय द्वारा नागरिकों से रिश्वत न देने की अपील भी इसी दिशा में एक सकारात्मक संदेश है। किंतु केवल अपीलें और भावनात्मक संदेश इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन सकते। वास्तविकता यह है कि आम नागरिक अधिकांश मामलों में स्वेच्छा से रिश्वत नहीं देता, बल्कि व्यवस्था की जटिलताओं और काम में होने वाली अनावश्यक देरी के कारण मजबूर हो जाता है। यदि सरकारी कार्यालयों में समयबद्ध सेवाएं, पारदर्शी प्रक्रियाएं और जवाबदेही सुनिश्चित हो, तो रिश्वतखोरी की गुंजाइश स्वतः कम हो जाएगी। इसलिए भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे बड़ी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की है। बीते वर्षों में डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन प्रक्रियाओं और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) जैसी व्यवस्थाओं ने भ्रष्टाचार पर कुछ हद तक अंकुश लगाया है। इसके बावजूद अनेक विभागों में रिश्वतखोरी और सत्ता के दुरुपयोग की शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। इससे स्पष्ट है कि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके साथ मजबूत निगरानी तंत्र, निष्पक्ष जांच, त्वरित कार्रवाई और कठोर दंड भी आवश्यक हैं। यदि दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर समय पर कार्रवाई नहीं होगी, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ता रहेगा। सरकार को शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल, सुरक्षित और पारदर्शी बनानी होगी। शिकायतकर्ता तथा व्हिसलब्लोअर को कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए, ताकि लोग बिना भय के भ्रष्टाचार के मामलों की जानकारी दे सकें। साथ ही, ई-गवर्नेंस का विस्तार, फाइलों की ऑनलाइन ट्रैकिंग और सेवाओं का समयबद्ध निस्तारण भ्रष्टाचार रोकने में प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं। राजनीतिक नेतृत्व को भी यह संदेश देना होगा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी प्रकार का संरक्षण स्वीकार नहीं किया जाएगा। दूसरी ओर, नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। समाज को छोटी-बड़ी रिश्वत को सामान्य मानने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी। लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने का साहस दिखाना चाहिए। लेकिन यह तभी संभव होगा, जब सरकार शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा और निष्पक्ष कार्रवाई का भरोसा दिलाए। अंततः भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई केवल भाषणों या अपीलों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सुधार, पारदर्शी व्यवस्था और कानून का निष्पक्ष पालन अनिवार्य है। यदि तमिलनाडु जैसे राज्य इस दिशा में ठोस और परिणामकारी कदम उठाते सकते हैं, तो उसका सकारात्मक प्रभाव पूरे देश पर पड़ना तय है। सुशासन की पहचान केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से होती है जिसमें ईमानदारी को प्रोत्साहन मिले और भ्रष्टाचार के लिए किसी भी स्तर पर कोई स्थान न बचे। तमिलनाडु के सीएम विजय ने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के नए-नए फंडे अपनाएं हैं, देखना है कि वे अपने इस महान मुहीम में कितना कामयाब होते हैं।

चढ़ावे की हेराफेरी : पकड़े गए तो चोर, नहीं तो साधु हैं ही

राधा रमण

एक माह बीत जाने के बावजूद अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला 'ज्यों-ज्यों दवा की, मर्ज बढ़ता गया' की मानिन्द लगातार उलझता जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दी गई 15 दिनों की समयसीमा समाप्त हो गई। इस बीच उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को जांच पूरी करने की अवधि बढ़ाकर 15 जुलाई तक कर दी गई थी, हालांकि समयसीमा पूरी हो जाने के बाद भी खबर लिखे जाने तक एसआईटी ने अंतिम रिपोर्ट नहीं सौंपी है। आमतौर पर पहले एफआईआर कराई जाती है, फिर जरूरत पड़ने पर एसआईटी गठित की जाती है। लेकिन इस मामले में पहले एसआईटी का गठन किया गया, फिर उसकी प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद एफआईआर दर्ज की गई। जबकि पकड़े गए लोगों से जून के पहले हफ्ते में यानि मामले का खुलासा होने के पहले ही नकदी की बरामदगी करा ली गई थी। यह बात श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य भी मीडिया से बातचीत में बताते हैं। सवाल यह कि जांच चढ़ावा चोरी की पड़ताल के लिए हो रही है या मामले को उलझाने के लिए, क्योंकि जांच के दौरान ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, शिवसेना (उद्धव) और कांग्रेस के कुछ नेता इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं, तो सत्ताधारी पक्ष के लोग और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मस्जिदों में घपले पर चुप रहने के लिए विपक्ष को कोस रहे हैं। मुद्दे की बात कोई नहीं करता। उत्तरप्रदेश में निकट भविष्य में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इसलिए नेताओं में एक-दूसरे पर छींटाकशी का मौका बैठे-बिठाये मिल गया है। सताधारी जमात के कुछ नेता तो यहां तक कहते हैं कि चोरी हमारे अराध्य के मंदिर में हुई है और हम इसकी जांच करा रहे हैं। इसमें विपक्षी दलों को बोलने का कोई हक नहीं है। जांच के बाद जो कसूरवार पाये जाएंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना तो चार हाथ आगे जाकर कह रहे हैं कि जिन्होंने श्रद्धापूर्वक दान नहीं दिया था, उन्हीं का पैसा चोरी हुआ है। जिन्होंने श्रद्धापूर्वक दान दिया है और दान का हिसाब नहीं मांग रहे हैं, उनका पैसा सुरक्षित है। पता नहीं महाना जी श्रद्धा मापक यंत्र कहां से खोज लाए हैं। मुझे कहने दीजिए कि यह उनका अहंकार बोल रहा है और अहंकार पतन का कारण बनता है। मंदिर, मस्जिद हो या गिरजाघर, यह किसी की जागीर नहीं होती। इसका निर्माण समाज के सहयोग से होता है। इसलिए समाज के किसी भी तबके को इसकी अव्यवस्था के खिलाफ बोलने और आवाज उठाने का उतना ही हक है। फिर अयोध्या का राममंदिर तो भगवान में आस्था रखनेवाले देश-विदेश के सनातनी लोगों के चंदे से बना है। इसमें दो राय नहीं होनी चाहिए कि इस कुकृत्य से आम जनमानस की आस्था को आघात लगा है।

इस बीच, 6 जुलाई को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गई। जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक ट्रस्ट के अधिकांश सदस्य महासचिव चंपत राय के इस्तीफे के पक्ष में नहीं थे। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविन्ददेव गिरि कहते हैं कि रामभक्तों की आस्था को ठेस पहुंची है। जो सोचा नहीं जा सकता था, वो काम हो गया। इससे ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को बहुत वेदना हुई है। जब तक न्याय ठीक से नहीं हो जाता, अपराधी पकड़े नहीं जाते, तब तक उनका ट्रस्ट में बने रहना उचित नहीं लगता। उन्होंने अपना त्यागपत्र दिया है। कहने का तात्पर्य यह कि चढ़ावा चोरी की बात तो ट्रस्ट के लोग भी मानते हैं। नहीं मानते तो एसआईटी बनाने और एफआईआर कराने सामने नहीं आते। लेकिन जवाबदेही कोई नहीं लेना चाहता। यह तो भला हो ट्रस्टी के परासरण का जिन्होंने बैठक में ऑनलाइन जुड़कर स्क्रीन पर संविधान के कुछ पन्ने दिखाते हुए क्लॉज पढ़े। इससे सदस्यों को पता चला कि उनके पास स्वीकार करने या अस्वीकार करने के विचार के लिए ऑप्शन ही नहीं है। ये इस्तीफा देते ही स्वीकार हो गया है। इस तरह चंपत राय और डॉ अनिल मिश्र का इस्तीफा स्वीकार किया गया और मंदिर के प्रबंधक गोपाल राव को तत्काल प्रभाव से कार्य से विरत किया गया। ट्रस्टी कृष्णमोहन को ट्रस्ट का कार्यवाहक महासचिव बनाया गया। बैठक के अगले दिन श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के निवर्तमान महासचिव चंपत राय ने चुप्पी तोड़ी। उन्होंने चढ़ावे की गिनती में गड़बड़ी का ठीकरा डॉ अनिल मिश्र और बैंक अधिकारियों सिर थोप दिया। अजीब लीपापोती चल रही है। कोषाध्यक्ष अपनी जवाबदेही नहीं मानते। वह इस्तीफा देने की बात पर भड़क जाते हैं। चंपत राय अपने को पाक-साफ और बेदाग़ बताते हैं। मंदिर के चढ़ावा गिनती वाले कक्ष की सीसीटीवी रिकार्ड 45 दिन से पहले का नहीं है और उन 45 दिनों में ही चोरी की 70 वारदातें सामने आ गई हैं। एसआईटी की गोपनीय रिपोर्ट जगजाहिर हो रही है। ट्रस्ट के अनुरोध पर गठित एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट ट्रस्ट के ही एक पदेन सदस्य उत्तरप्रदेश गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय प्रसाद को सौंप दी गई। आखिर चल क्या रहा है ? तभी तो अखिलेश यादव इसे 'फुनगी को फांसी, शाखाओं को माफी' की संज्ञा देते हैं। उधर, चढ़ावा चोरी का आरोप लगाने वाले पूर्व विधायक पवन पाण्डेय कहते हैं कि –अपील भी तुम, दलील भी तुम, गवाह भी तुम, वकील भी तुम। जिसे भी चाहो हराम कह दो, जिसे भी चाहो हलाल कर दो । बहरहाल, श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई कर रही है। अदालत ने उत्तरप्रदेश सरकार, केंद्र सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है। अदालत ने उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। साथ ही सरकार से कहा है कि एसआईटी के सदस्यों के बारे में भी बताए। सुप्रीम कोर्ट ने सीसीटीवी का रिकार्ड भी सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं, लेकिन रिकार्ड तो महज 45 दिन के ही हैं। चढ़ावे की चोरी कितने दिनों से चल रही है और अब तक कितना माल साफ हुआ, इसका पता कैसे चलेगा ? जांच कब तक चलेगी और दोषियों से कितनी रिकवरी होती है तथा उन्हें क्या सजा होती है, इस पर सबकी नजर है। मामले का निस्तारण जितनी जल्दी हो जाए, उतना ही अच्छा है, क्योंकि चुनावी वर्ष में यह चढ़ावा चोरी कहीं योगी आदित्यनाथ के गले की हड्डी न बन जाए। ज्ञात रहे कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही भारत सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया था। अच्छा है अदालत ही दूध का दूध, पानी का पानी करे।

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा करने का अवसर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभाअध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है।

आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है। संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति गरिमा बनाये रखने में हैं वहीं बहस की गुणवत्ता, गंभीरता और सदन में आचरण की मर्यादा से ही संवैधानिक संस्थाएं मजबूत होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं और उनका मानना रहा कि विधानसभा उनके लिए संस्कारों की पाठशाला रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि दुश्मनी जमकर करों पर खिड़की भी खुली रखों। इंसानियत राजनीति की लक्ष्मण रेखा से बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने स्व. भैरोसिंह शेखावत और स्व. मोहन लाल सुखाड़िया व स्व. भैरोसिंह शेखावत व स्व. हरिदेव जोशी के बीच सदन और सदन के बाहर के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि संबंधों की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा जाना चाहिए। मतभेद भले ही हो पर मनभेद नहीं होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली सहित पक्ष विपक्ष के नेताओं ने खुलकर विचार रखते हुए विधायिका की कम बैठकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि सामान्यतः इस तरह के कार्यक्रम मात्र औपचारिकता बन कर रह जाते हैं पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को लोकतंत्र के लिए उपादेय, लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, सत्र के दौरान बहस के स्तर की गंभीरता, दलगत राजनीति से उठकर साझा मंच पर खुली चर्चा और अनुभवों का साझा करने से यह आयोजन विशिष्ठ आयोजन हो जाता है। जिस तरह से सत्रों के दौरान हंगामें के हालात बनते हैं और आपसी मतभेद और मनभेद की स्थितियां होने लगी है इस पर चिंता व्यक्त करने के साथ ही विधानसभा के पहले के सत्रों में गंभीरता, तथ्यात्मकता, गहन अध्ययन और स्तरीय बहसों के उदाहरण उदृत करते हुए गंभीर और स्तरीय बहस पर जोर दिया गया। यहां तक कहा गया कि हंगामें से नहीं तथ्य और तर्क व संवाद से बड़े नेता बनते हैं। लोकतंत्र की लक्ष्मण रेखा से इंसानियत की भावना पर जोर दिया गया।

अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का यह कहना कि अनुभव और युवा उर्जा का समागम ही लोकतंत्र की असली पूंजी है।

देखा जाए तो राजस्थान विधानसभा के अमृत उत्सव का यह आयोजन जहां लोकतंत्र की मजबूती, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र में अटूट आस्था, गौरवशाली लोकतांत्रिक आस्था का माध्यम बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निकश की यह आयोजन अतीत का उत्सव ही नहीं अपितु भविष्य का पथ-प्रदर्शक भी है। राजस्थान विधानसभा के इस अमृत महोत्सव पर जिस तरह से सत्रों के दौरान बहस को स्तरीय बनाने, हंगामें की भेंट नहीं चढ़ाने, गहन अध्ययन और तर्क आधारित बहस और पूरी तैयारी के साथ सदन में हिस्सा लेने पर जिस तरह का एक स्वर में संदेश दिया गया है और जिस तरह से विचारधारा और प्रतिवद्धता भिन्न होने के बावजूद मानवीय संबंधों को बनाये रखने यानी की मतभेद के बावजूद मनभेद नहीं रखने का गंभीर व संदेश दिया गया है।

अमृत महोत्सव में अभी चार कार्यक्रम और होने है और कार्यक्रमों पर आमजन की निगाहें इस मायने में हैं कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही आमनागरिकों केन्द्र में होना चाहिए। आयोजन के लिए साधुवाद इस अर्थ में महत्वपूर्ण हो जाता है कि नए सदस्यों को गरिमापूर्ण इतिहास से रुबरु होने के साथ ही वरिष्ठों के अनुभवों को भी साझा और आत्मसात करने का अवसर मिल रहा है। सही मायने में विधायी परंपरा को समझने, संसदीय मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों पर अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला है।

गांव की बेटियों का स्नेह-मिलन सामाजिक जागृति की नई दिशा

अनिकेत सिंह

आजकल गुजरात के कई शहरों में बेटियों के स्नेहमिलन की नई शुरुआत हुई है। गांवों में से भी ससुराल गई सभी बेटियां एक दिन इकट्ठी होती हैं, स्नेह से मिलती हैं, देश-दुनिया की बातें करती हैं और खुशियां छलकती हैं। इसके साथ-साथ स्नेहमिलन कार्यक्रम में आरोग्य तथा सामाजिक जागृति की बातें होती हैं। परिचय प्रगाढ़ होता है। अधिक बहनों के साथ संपर्क बढ़ते हैं। नया-नया जानने को मिलता है। सामाजिक जीवन में आ रहे बदलावों से लोग अवगत होते हैं। संक्षेप में इस तरह बेटियों का स्नेहमिलन सामाजिक जागृति के लिए नई दिशा प्रदान करता है। इस प्रकार के बहनों के सम्मेलनों की शुरुआत गुजरात में देखने को मिल रही है। इस कार्यक्रम को 'बेटियों का स्नेहमिलन' अथवा 'मायका मिलन' या 'पीहर की याद' जैसे नाम दिए जा रहे हैं। सूरत या अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों में गांव के परिवार का स्नेहमिलन वर्षों से आयोजित होता आ रहा है। विशेष रूप से सूरत में रहने वाले सौराष्ट्र के गांवों के लोगों का 'गांव स्नेहमिलन' शुरू हुआ था। तीन दशक से भी अधिक समय से ऐसे स्नेहमिलन और पुरस्कार वितरण होते रहे हैं। कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्नेह से मिलना, बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना तथा संगठन बनाना है, ताकि कोई मुश्किल समय आने पर एक-दूसरे के मददगार बन सकें। गांव, परिवार, तहसील और जिले के लोगों का अलग-अलग स्नेहमिलन समारोह हर साल आयोजित होता आया है। अब एक ही गांव की बेटियों का स्नेहमिलन शुरू हुआ है।

बहनों द्वारा बेटियों के स्नेहमिलन की की गई यह शुरुआत बड़ी सामाजिक क्रांति ला सकती है। वैसे भी बेटी को जीवन के अंत तक पीहर की तरफ की भावना होती ही है। आज इंसान के पास भले ही सब कुछ हो, फिर भी उसे कुछ अधूरा-अधूरा सा लगता है। सोशल मीडिया के ज़माने में मित्रता करना कठिन नहीं है, परंतु एक ही गांव की बहनों का जो जुड़ाव होता है, उसमें गांव की यादें होती है। बेटियों का पीहर पक्ष एक ही जगह पर साथ जुड़ जाता है, जिससे बहनों के जीवन में बहुत खुशी, स्नेह और समझ आती है। स्नेहमिलन समारोह इसके लिए बहुत सुंदर परिणाम दे सकते हैं।

एक रविवार को भावनगर जिले के रंधोला गांव की बेटियां, जो सूरत में रहती हैं, उनका स्नेहमिलन समारोह सूरत में आयोजित हुआ था। ससुराल जाने के बाद वर्षों बीत गए हों और कोई पीहर के नाते भावना से बुलाए, तब खुशी छलक उठती थी। सूरत एक ऐसा शहर है, जहां सौराष्ट्र के हर गांव के लोग बसते हैं। यानी एक ही गांव के ससुराल आए लोग होने के कारण बेटियों की संख्या काफी बड़ी होती है। रंधोला गांव की बेटियों के स्नेहमिलन में छोटी उम्र से लेकर 70 वर्ष की उम्र तक की बहनों की उपस्थिति थी। हर एक के चेहरे पर खुशी थी। स्नेह, संगठन और संस्कार की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य, खुशहाली और बच्चों के संस्कारों की बातें भी हुई थीं। बहनों में अद्भुत उत्साह था। इस तरह के स्नेहमिलन के सामाजिक रूप से कई फायदे हैं। जब अनेक चुनौतियां और मानसिक तनाव बढ़ते जा रहे हैं, तब बेटियों के स्नेहमिलन की शुरुआत से स्त्री सशक्तिकरण की नई दिशा खुली है।

बेटियों के स्नेहमिलन का मुख्य उद्देश्य शादी के बाद गांव छोड़कर गई बेटियों को अपने वतन, गांव अथवा शहर में एक जगह एकत्र करना, बचपन की यादें फिर से जीवंत करना, इस खुशी से मन को अधिक उत्साही और तंदुरुस्त बनाना है। गांव के साथ के स्नेहभरे संबंधों को फिर से ताजा करने तथा उन्हें बनाए रखने के लिए बेटियों के स्नेहमिलन के माध्यम से गांव के इतिहास, संस्कृति और परंपराओं का परिचय करवाना इसका उद्देश्य है। ऐसे कार्यक्रम राजकोट, अमरेली, भावनगर, जूनागढ़, जामनगर, सुरेंद्रनगर, बनासकांठा सहित गुजरात के अनेक गांवों और शहरों में आयोजित हो रहे हैं। सूरत में इस वर्ष से शुरुआत हुई है। सूरत में बड़ी संख्या में बेटियां एकत्र हुई हैं। सामाजिक सुधार की दिशा सूरत में से अधिक मिलेगी। कार्यक्रम में स्वागत-सम्मान के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ बचपन के शिक्षकों का सम्मान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य निदान कैंप और अंत में सामूहिक भोजन जैसी व्यवस्था भी की जाती है।

मात्र बहनें ही हों, इसलिए बेटियों के इस सम्मेलन में बहनों को प्रशिक्षण देना और महत्वपूर्ण काम करना सहज हो जाता है। परिवार के केंद्र में स्त्री ही है। परिवार की खुशहाली में स्त्री की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। गाँव की बेटियां जब मिलती हैं, तब उन्हें ऐसा स्नेह और भावनाएं मिलती हैं, जो जीवन के लिए उपयोगी संबल प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण बनती हैं। ऐसे कार्यक्रमों से होने से वर्तमान समय में मनुष्य के जीवन में पवित्र प्रेम और दिल का स्नेह बढ़ता है। ऐसे सम्मेलनों से बेटियों, बहनों और बुआओं को सही मायने में भावनाओं का सागर जैसा दृश्य दिखाई देता है। इससे मोबाइल के ज़माने में भी संपर्क बने रहते हैं।

उनके बच्चों के रिश्ते, छोटे-बड़े बिजनेस और खुशियों को साझा करने के कार्यों में यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।कई बेटियां आज डाक्टर, शिक्षक, वकील, उद्योग या व्यवसाय में आगे बढ़ी हैं। इससे बहनों में विश्वास और सहभागिता बढ़ेगी। लोगों को मार्गदर्शन मिलेगा। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बहनें खुद अपने बारे में विचार करेंगी। अब तक अधिकांश महिलाएं पति के बिना घर से बाहर नहीं निकलती थीं। अधिक से अधिक किटी पार्टी तक ही बहनें जाती थीं। परंतु सामाजिक सम्मेलनों में जाने से यह जीवन की पाठशाला में जाने जैसा बन जाता है।

एआई का दौर और पत्रकारिता का नया चेहरा: बदलिए, वरना पीछे छूट जाइए

स्नेहा सिंह

पत्रकारिता का इतिहास परिवर्तन का इतिहास है। हर नई तकनीक ने न्यूज़रूम की कार्यप्रणाली, समाचारों की प्रस्तुति और पाठकों तक पहुंचने के तरीके को बदला है। कभी टाइपराइटर से कंप्यूटर तक का सफर कठिन माना गया था। फिर इंटरनेट आया, उसके बाद सोशल मीडिया ने समाचारों के प्रसार की गति और स्वरूप बदल दिए। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई) पत्रकारिता के सामने एक नए युग का द्वार खोल रहा है। ऐसे समय में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि एआई पत्रकारों की जगह ले लेगा या नहीं, बल्कि यह है कि क्या पत्रकार स्वयं को बदलते समय के अनुरूप ढालने के लिए तैयार हैं? इतिहास बताता है कि तकनीक कभी भी केवल नौकरियां समाप्त नहीं करती, बल्कि काम करने के तरीके बदल देती है। जो लोग बदलाव को स्वीकार करते हैं, वे आगे बढ़ते हैं; जो उससे मुंह मोड़ लेते हैं, वे धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं।आज भी अनेक पत्रकार एआई को केवल चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट तक सीमित समझते हैं, जबकि वास्तविकता इससे कहीं व्यापक है। एआई अब केवल लेख लिखने का उपकरण नहीं है। यह विशाल डेटा का विश्लेषण कर सकता है, ग्राफ और इन्फोग्राफिक्स तैयार कर सकता है, वीडियो स्क्रिप्ट लिख सकता है, वॉयसओवर बना सकता है, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म के अनुरूप सामग्री तैयार कर सकता है और कुछ ही मिनटों में ऐसे अनेक कार्य कर सकता है, जिनमें पहले पूरी टीम को कई घंटे लगते थे। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि पत्रकारिता का अस्तित्व संकट में है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी वही है, सत्य की खोज, तथ्यों की पुष्टि, सत्ता से सवाल और समाज के प्रति जवाबदेही। इन मूल्यों का स्थान कोई मशीन नहीं ले सकती। एआई सूचना दे सकता है, लेकिन विवेक नहीं। वह भाषा गढ़ सकता है, लेकिन संवेदनाएं नहीं। वह सामग्री तैयार कर सकता है, लेकिन घटनास्थल पर जाकर वास्तविकता का अनुभव नहीं कर सकता। यही कारण है कि भविष्य का पत्रकार केवल खबर लिखने वाला व्यक्ति नहीं होगा। उसकी सबसे बड़ी भूमिका संदर्भों को समझने, तथ्यों की जांच करने, आंकड़ों का विश्लेषण करने और पाठकों को समाचार का व्यापक अर्थ समझाने की होगी। समाचारों की भीड़ में वही पत्रकार अलग पहचान बनाएगा, जो सूचना के पीछे छिपी कहानी खोज सके।

एक समय था जब कहा जाता था कि कंटेंट इज किंग। लेकिन आज यह अवधारणा बदल चुकी है। अब प्रभावी पत्रकारिता का नया सूत्र है कंटेंट + संदर्भ + डेटा + रचनात्मक प्रस्तुति + तकनीक। यही पांचों तत्व मिलकर किसी साधारण समाचार को प्रभावशाली और उपयोगी पत्रकारिता में बदलते हैं। कल्पना कीजिए कि किसी बड़ी घटना के कुछ ही मिनटों बाद एआई उसका प्रारंभिक समाचार तैयार कर दे, कई संभावित शीर्षक सुझा दे, सोशल मीडिया पोस्ट बना दे, वीडियो स्क्रिप्ट तैयार कर दे और आकर्षक इन्फोग्राफिक्स भी प्रस्तुत कर दे। ऐसे समय में पत्रकार की भूमिका समाप्त नहीं होगी, बल्कि और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी। वह घटनास्थल पर जाकर वास्तविक स्थिति समझेगा, पीड़ितों और प्रत्यक्षदर्शियों से बात करेगा, तथ्यों की पुष्टि करेगा, प्रशासन और सरकार से जवाब मांगेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि एआई द्वारा तैयार सामग्री तथ्यात्मक रूप से सही और संतुलित हो। यही वह क्षेत्र है जहां मानवीय संवेदनाएं, अनुभव और नैतिकता सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आएंगी।

किताबों की अंतिम यात्रा

डॉ. शैलेश शुक्ला

किताब होना इस दौर में वैसा ही है, जैसे किसी कड़कती धूप में बिना छाते के खड़े रहना। जब मैं पहली बार चमचमाते कवर के साथ लेखक महाशय के घर आई थी, तो लगा था कि साक्षात सरस्वती के मायके आ गई हूँ। लेखक साहब मुझे उंगलियों से ऐसे सहलाते थे, मानो कोई नया-नया आशिक अपनी महबूबा का हाथ थाम रहा हो। पन्ने पलटने के लिए जब उनकी जुबान का थूक मेरी छाती पर लगता, तो घिन नहीं, एक अजीब सा अपनापन महसूस होता था। लगता था कि मेरा जन्म सफल हो गया। शुरुआती हफ़्ते मैंने ड्रॉइंग रूम की उस शीशे वाली अलमारी में गुज़ारे, जिसे देखकर मोहल्ले के लोग लेखक की विद्वत्ता का अंदाज़ा लगाते थे। वह अलमारी घर का वीआईपी लाउंज थी। पर अफ़सोस, यह मुग़ालता ज़्यादा दिन नहीं टिका। जैसे ही बाज़ार में कोई नई, चकाचौंध वाली किताब आई, मेरा प्रमोशन रुक गया और मुझे उस वीआईपी लाउंज से धक्के मारकर बाहर कर दिया गया। ड्राइंग रूम की अलमारी से सीधे सेंटर टेबल पर आना वैसा ही था, जैसे किसी कॉर्पोरेट कंपनी में मैनेजर से सीधे इंटर्न बना दिया जाना। पर असली कहानी तो अभी शुरू होनी थी।

जब आपकी ज़िंदगी में स्थायित्व खत्म हो जाता है, तो आप सिर्फ़ वजूद बचाने की जंग लड़ते हैं। मैं थोड़ी सी मोटी और भारी-भरकम थी और यही मेरा सबसे बड़ा गुनाह बन गया। लेखक की पत्नी और उनके मॉडर्न बच्चों ने मेरी उपयोगिता का एक नया और क्रांतिकारी आयाम खोज निकाला। चाय की केतली से लेकर गरम कॉफी के मग तक, सब मेरी पीठ पर सजने लगे। मेरी पीठ पर बने वो गोल-गोल काले-भूरे निशान मेरी रीढ़ की हड्डी के टूटने के गवाह हैं। कभी-कभी तो हद ही हो जाती थी। जब रात को लेखक के कमरे में मच्छर या झींगुर आतंक मचाते, तो लेखक किसी हथियार की तरह मुझे उठाते और धड़ाम से दीवार पर दे मारते। मेरे पन्नों पर फैले उन बेगुनाह कीट-पतंगों के खून के धब्बे चीख-चीखकर कहते थे कि मैं कोई ज्ञान का सागर नहीं, बल्कि एक पढ़ा-लिखा मच्छरमार विज्ञापन बनकर रह गई हूँ। लेखक की पत्नी जब भी घर की सफ़ाई करतीं, उनकी नज़रें मुझे ऐसे घूरती थीं जैसे कोई कसाई बकरे को देखता है। वो तो भला हो लेखक का, जो साल में एक-दो बार मुझे उलट-पलट कर देख लेते और वापस स्टोर रूम के अंधेरे में ठूंस देते थे। स्टोर रूम में जाना किसी काले पानी की सज़ा काटने जैसा था। वहाँ मेरे जैसी सैकड़ों अभागी किताबें धूल की चादर ओढ़े अपनी बारी का इंतज़ार कर रही थीं। हम सब रात के सन्नाटे में एक-दूसरे के फटे पन्नों को सहलाते और रोते थे कि आखिर हमें उस काँच की अलमारी में जगह क्यों नहीं मिली? एक दिन हमारी क्लास की एक दुबली-पतली, फटी-पुरानी किताब ने इस रहस्य से परदा उठाया। उसने कांपती आवाज़ में बताया, अरे तुम लोग किस भ्रम में जी रहे हो? एक दिन लेखक का कोई प्रशंसक आया था और पूछ रहा था कि आप इतनी किताबें लाते कहाँ से हैं? तो लेखक ने हंसकर कहा था, 'अरे भाई, कोई समीक्षा के नाम पर थमा जाता है तो कोई मुफ्त का सैंपल। किसी को ना कह नहीं पाता, इसलिए उठा लाता हूँ। घर में बीवी की गालियाँ सुनता हूँ सो अलग। इन किताबों ने घर को कबाड़खाना बना दिया है। अलमारी में तो सिर्फ़ मेरी अपनी लिखी किताबें और डिक्शनरी है, बाकी का यह कूड़ा-कचरा स्टोर रूम में सड़ने के लिए है।' यह सुनना था कि हमारी आत्मा का शीशा तड़क कर टूट गया।

हम जिसे प्रेम समझ रहे थे, वह तो महज एक लाचारी का बोझ था। कहानी में ट्विस्ट तब आया जब एक दिन स्टोर रूम के कबाड़ के बीच लेखक का चमचमाता हुआ स्मार्टफोन आकर गिरा। हम सबने उत्सुकता से पूछा, भैया, तुम इतने कीमती होकर इस नर्क में कैसे? स्मार्टफोन ने बड़े घमंड से अपनी स्क्रीन चमकाई और हँसकर बोला, अरे ओ रद्दी के टुकड़ों! मेरी औकात की बराबरी मत करो। लेखक की बेटी ने मज़ाक में मुझे यहाँ छिपा दिया है। लेखक तो मुझसे अपनी बीवी-बच्चों से भी ज़्यादा प्यार करते हैं।

जब भाषा बनी दीवार तो हौसले ने बनाया बॉलीवुड की सुपरस्टार, कैटरीना कैफ ने हर मोर्चे पर रचा इतिहास

कैटरीना कैफ का शुरुआती जीवन किसी आम बच्चे की तरह स्थिर नहीं था। 16 जुलाई 1984 को ब्रिटिश हांगकांग में जन्मीं कैटरीना का बचपन 13 से अधिक देशों के निरंतर प्रवास में बीता। उनके पिता मोहम्मद कैफ के प्रारंभिक अलगाव के बाद उनकी मां सुजैन टरकोट (जो एक समर्पित अंतरराष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता थीं) ने अकेले ही कैटरीना कैफ और उनके सात भाई-बहनों का पालन-पोषण किया। अपनी मां के सामाजिक अभियानों के कारण, कैटरीना कैफ को चीन, जापान, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, पोलैंड और हवाई जैसे विभिन्न देशों में निरंतर भटकना पड़ा, जिससे उनकी शिक्षा किसी पारंपरिक स्कूल के बजाय घर पर ही संपन्न हुई। हवाई में 14 वर्ष की आयु में एक मॉडलिंग प्रतियोगिता जीतने के पश्चात लंदन में अपने पेशेवर करियर की शुरुआत करने वाली कैटरीना कैफ को जल्द ही भारतीय फिल्म निर्माता कैजाद गुस्ताद ने अपनी फिल्म 'बूम' (2003) के लिए साइन कर लिया। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी विफलता साबित हुई, जिसका मुख्य कारण कैटरीना कैफ का अपरिचित ब्रिटिश बोलचाल और हिंदी भाषा का शून्य ज्ञान था। यह भाषाई सीमा इतनी गंभीर थी कि इसी कारणवश उन्हें महेश भट्ट की फिल्म 'साया' से निष्कासित कर दिया गया। परंतु, भाषाई बाधा को पार करने के लिए उन्होंने हिंदी और उर्दू के विशेष कोच नियुक्त किए तथा वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ की सलाह पर देवनागरी लिपि का अध्ययन किया, ताकि वे अपनी स्क्रिप्ट स्वयं पढ़ सकें और संवादों की भावनात्मक गहराई को समझ सकें। इसके समानांतर, उन्होंने अपनी कला को निखारने और भारतीय दर्शकों को समझने के लिए दक्षिण भारतीय सिनेमा का रुख किया।

2004 की तेलुगु फिल्म 'मल्लीश्वरी' के लिए उन्हें उस समय 94,000 डॉलर (लगभग 70 लाख रुपए) की रिकॉर्ड फीस प्राप्त हुई, जिसने उन्हें वित्तीय स्थिरता और भारतीय फिल्म उद्योग में आत्मविश्वास प्रदान किया। इसके पश्चात 'मैंने प्यार क्यों किया?' (2005), 'नमस्ते लंदन' (2007), 'एक था टाइगर' और 'धूम 3' जैसी फिल्मों ने उन्हें भारतीय सिनेमा के शीर्ष पर स्थापित कर दिया।

कैटरीना कैफ की रणनीतिक दृष्टि केवल कैमरे के सामने अभिनय करने तक सीमित नहीं रही। सिनेमाई सफलता की अनिश्चित प्रकृति का पूर्व-आकलन करते हुए, उन्होंने 2019 में ई-कॉमर्स दिग्गज 'नायका' के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के तहत अपना स्वयं का कॉस्मेटिक ब्रांड 'के ब्यूटी' लॉन्च किया। एक ऐसे बाजार में जहां अधिकांश सेलिब्रिटी-आधारित ब्रांड वित्तीय घाटे का सामना कर रहे हैं, 'के ब्यूटी' ने अपने गुणवत्ता-संचालित उत्पादों और मजबूत ई-कॉमर्स रणनीति के कारण अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025 में ब्रांड ने 240 करोड़ रुपए का ग्रॉस सेल्स दर्ज किया। मजबूत ई-कॉमर्स उपस्थिति के साथ महामारी के बाद उपभोक्ताओं का भरोसा और मजबूत हुआ। वित्तीय वर्ष 2026 में ग्रॉस सेल्स बढ़कर 350 करोड़ रुपए पहुंचा, जो 46 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि है। इसी दौरान ब्रांड ने यूके के प्रमुख रिटेलर स्पेस एनके के जरिए वैश्विक विस्तार शुरू किया।

व्यावसायिक सफलताओं के शोर से परे, कैटरीना कैफ अपनी मां द्वारा स्थापित एनजीओ 'रिलीफ प्रोजेक्ट्स इंडिया' और तमिलनाडु के मदुरै स्थित 'क्लेरेटियन मर्सी होम' के माध्यम से सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं। यह पहल कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर सामाजिक अपराधों के खिलाफ जागरूकता फैलाने तथा 'माउंटेन व्यू स्कूल' के जरिए ग्रामीण और वंचित वर्ग की बच्चियों को मुफ्त अंग्रेजी-माध्यम शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।

अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा यात्राओं और एक देश से दूसरे देश की अस्थिरता में बिताने के बाद, 9 दिसंबर 2021 को अभिनेता विक्की कौशल के साथ विवाह सूत्र में बंधने पर कैटरीना कैफ के जीवन में एक गहरा व्यक्तिगत और भावनात्मक ठहराव आया है। फिलहाल उनका पूरा ध्यान बेटे विहान कौशल की देखभाल और पति विक्की कौशल के साथ क्वालिटी टाइम बिताने पर है। कैटरीना को आखिरी बार जनवरी 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में विजय सेतुपति के साथ देखा गया।

कमाई और सफलता के मामले में बॉक्स ऑफिस पर कैटरीना कैफ की सबसे बड़ी और सबसे हिट फिल्म 'टाइगर जिंदा है' है। इसके बाद 'धूम 3' और 'एक था टाइगर' हैं। कमाई के अलावा, कुछ फिल्में ऐसी हैं जिन्हें उनकी बेहतरीन कहानी और कैटरीना की एक्टिंग के लिए 'कल्ट क्लासिक' माना जाता है।

फिल्म 'नमस्ते लंदन' में 'जस्मिन' के किरदार के लिए उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' में उनके 'लैला' के किरदार और शांत अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। 'अजब प्रेम की गजब कहानी' रणबीर कपूर के साथ आई यह एक सुपरहिट रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म थी, जिसके गाने और दोनों की केमिस्ट्री आज भी लोग पसंद करते हैं। पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म 'राजनीति' में कैटरीना ने एक बेहद गंभीर और कड़क नेता की भूमिका निभाई थी।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर की वेकेशन की झलक

पति राज संग सुकून के पल बिताती आईं नजर

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने लिखा, वेलनेस (स्वास्थ्य और सुकून) से जुड़ी यात्राएं हमेशा से मेरी सबसे पसंदीदा रही हैं। मुझे यह याद दिलाता है कि जिंदगी की रफ्तार थोड़ी धीमी करें, अपने शरीर की बात सुनें और सुकून भरे शांत पलों के लिए भी जगह बनाएं।

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। बुधवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए अपने वेकेशन की झलक शेयर की। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर किए, जिसमें वह वेलनेस रिट्रीट के खूबसूरत और शांतिपूर्ण माहौल में पति संग नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में अभिनेत्री डाइनिंग टेबल के पास बैठी हुई हैं, और कांच की खिड़की के ठीक बाहर बैठे एक पक्षी को देख रही हैं, जबकि बाकी में हरे-भरे बैकग्राउंड के सामने एक हवादार सफेद को-ऑर्ड आउटफिट में पोज देती हुई दिख रही हैं।

इस कलेक्शन में उनके फिल्ममेकर पति राज निदिमोरू के साथ कैंडिड मोमेंट्स भी शामिल हैं। एक झलक में एक्ट्रेस योगा और स्ट्रेचिंग सेशन के दौरान आराम करती दिख रही हैं।

काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की अफवाहें सुनने को मिल रही थी, जिसके बाद इन सब पर विराम लगाते हुए अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी।

सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी। अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला-प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है।

बी. वी. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सामंथा ने 'स्वर्ण' नाम की एक महिला का किरदार निभाया है, जो अपने अतीत को छिपाकर शांत पारिवारिक जीवन जी रही है। फिल्म की कहानी राज और डीके द्वारा लिखी गई है।

हर भाषा की फिल्म करो

पिता की इस सलाह पर चल रहीं अदा शर्मा अब मराठी सिनेमा में दिखेंगी

साउथ और बॉलीवुड सिनेमा में अपने अभिनय का जादू बिखेरने के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म 'गजरा' से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने एक खास सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए।

अभिनेत्री ने अपने पिता द्वारा दी गई खास सलाह को याद करते हुए बताया, जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए।

हर राज्य की अपनी संस्कृति होती है, हर भाषा की अपनी बारीकियां होती हैं। तुम्हारे लिए हर भाषा और हर फिल्म में एक नया किरदार निभाना एक बड़ा और दिलचस्प चुनौतीपूर्ण अनुभव होगा। अभिनेत्री ने भले ही बॉलीवुड से अपना डेब्यू किया था, लेकिन 'एस/ओ सत्यमूर्ति' (2015) और 'क्षनम' (2016) जैसी सफल फिल्मों से साउथ सिनेमा में सफल अभिनेत्री के रूप में अपना नाम स्थापित किया। जब अभिनेत्री से कि अगर 'गजरा' सफल होती है, तो क्या वह और मराठी फिल्में करेंगी या बॉलीवुड को ही अपनी मुख्य जगह मानेंगी? इस सवाल का जवाब देते हुए अदा ने कहा कि वे अपने आप को पैन- इंडियन एक्ट्रेस के तौर पर देखती हैं।

उन्होंने कहा, 'द केरला स्टोरी' एक बॉलीवुड हिंदी फिल्म थी, जिसमें 60 प्रतिशत मलयालम, 10 प्रतिशत अंग्रेजी और 30 प्रतिशत टूटी-फूटी हिंदी थी। हिंदी फिल्म 'कमांडो' में मैंने एक तेलुगु लड़की का किरदार निभाया था। अपनी पहली फिल्म में मैंने एंग्लो-इंडियन लिजा का रोल किया था। मैं किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हूं। मैं चाहूंगी कि सभी भाषाओं में अपनी जगह बनाऊं।

मराठी फिल्म गजरा एक रहस्यमयी फिल्म होगी, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। इस फिल्म का निर्देशन श्रेयस जाधव कर रहे हैं और यह 2027 में रिलीज होगी। 'गजरा' का निर्माण 'अमोल बोरकर' द्वारा किया जा रहा है और इसके संगीतकार देवदत्त मनीषा बाजी हैं।

'मैं वहीं हूं, जहां मुझे होना चाहिए', अंजना सुखानी ने बॉलीवुड के सफर का बताया अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं।

अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ''मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। दुनियाभर के कलाकार उनके साथ काम करने का सपना देखते हैं और मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे यह मौका मिला। फिल्म की पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा, खासकर नसीरुद्दीन शाह और दिलजीत दोसांझ के साथ। नसीर साहब के साथ काम करना किसी लाइव मास्टरक्लास जैसा अनुभव है। उन्हें देखकर ही अभिनय की बहुत सारी चीजें सीखी जा सकती हैं।'' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हालांकि, ट्रेलर लॉन्च और शूटिंग के दौरान कुछ मुलाकातें जरूर हुईं। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जब मैंने दोनों का पहला सीन देखा तो मैं काफी प्रभावित हुई। वे फिल्म में नई ऊर्जा लेकर आए हैं।

आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं।

मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ''सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। टेक्नीशियन, लाइटिंग टीम, स्पॉट बॉय और प्रोडक्शन से जुड़े सभी लोगों को काम मिलता है। मेरी दर्शकों से अपील है कि वे फिल्मों को थिएटर में जाकर जरूर देखें।''

अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए अंजना ने कहा, ''यह मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं था। करियर शुरू होने के कुछ सालों बाद मुझे अमिताभ बच्चन के साथ विज्ञापन करने का मौका मिला और बाद में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'डिपार्टमेंट' में भी उनके साथ काम किया। अमिताभ बच्चन और इम्तियाज अली जैसे दिग्गजों के साथ काम करना बड़ी उपलब्धियों में शामिल है।' हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

नए प्रोजेक्ट्स की तैयारी में आमना शरीफ

अपना खास दिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी

अपनी खूबसूरती, एवरग्रीन चार्म और यादगार परफॉर्मेंस से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस आमना शरीफ इस साल अपने बर्थडे पर किसी ग्रैंड पार्टी के बजाय अपनों के साथ सुकून भरे पल बिताने के मूड में हैं। आमना अपना खास दिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ एक इंटिमेट सेलिब्रेशन के जरिए मनाएंगी।

वर्क, फिटनेस और फैमिली लाइफ के बीच शानदार बैलेंस बनाने वाली आमना के लिए इस बार बर्थडे का फंडा एकदम सिंपल है, कम शोर, ज्यादा प्यार और ढेर सारी खूबसूरत यादें। किसी लैविश सेलिब्रेशन के बजाय वह अपने करीबियों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगी, दिन की शुरुआत शुक्रिया और पॉजिटिविटी के साथ करेंगी, अपनी फिटनेस रूटीन को भी मिस नहीं करेंगी और जरूरतमंदों के लिए कुछ खास करके अपने दिन को और भी यादगार बनाएंगी।

अपने बर्थडे प्लान्स के बारे में बात करते हुए आमना ने कहा, "हर जन्मदिन मुझे एहसास दिलाता है कि मैं कितनी खुशनसीब हूं। इस साल मैं अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ इसे सेलिब्रेट करने का इंतजार कर रही हूं।

मेरे लिए सबसे बड़ा तोहफा यही है कि जिन लोगों से मैं प्यार करती हूं, वे मेरे आसपास हों। दिन की शुरुआत शुक्रिया के साथ करना, अपनी फिटनेस रूटीन पर कायम रहना और किसी जरूरतमंद के लिए कुछ अच्छा करना मेरे लिए इस दिन को और भी खास बनाता है।"

उन्होंने आगे कहा, "इस साल मेरी ख्वाहिश बहुत सिंपल है, मैं स्वस्थ रहूं, एक एक्टर और इंसान के तौर पर लगातार आगे बढ़ती रहूं और दर्शकों का प्यार यूं ही कमाती रहूं। मेरे लिए इससे बेहतर बर्थडे गिफ्ट और कुछ नहीं हो सकता।"

सालों से आमना शरीफ ने अपनी खूबसूरती और दमदार अदाकारी से दर्शकों को इंप्रेस किया है। एक विलेन और आधा इश्क जैसे प्रोजेक्ट्स में अपनी परफॉर्मेंस के जरिए उन्होंने बतौर एक्टर अपनी वर्सेटिलिटी भी साबित की है।

अब जहां आमना अपने नए साल की शुरुआत अपनों के प्यार और ढेर सारी ग्रैटिट्यूड के साथ करने जा रही हैं, वहीं उनके फैंस के लिए भी गुड न्यूज है। एक्ट्रेस के पास कुछ एक्साइटिंग और फिलहाल अनअनाउंस्ड प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, यानी आने वाले समय में आमना एक बार फिर स्क्रीन पर अपना जादू बिखेरती नजर आएंगी।

सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने उठाई आवाज

लद्दाख के प्रसिद्ध इंजीनियर, शिक्षा सुधारक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 28 जून से भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं और तब से उनका वजन क़रीब साढ़े आठ किलो तक कम हो गया है, जिसे देखते हुए देश की कई बड़ी हस्तियों ने इस पर सवाल उठाए हैं। गुरुवार को अभिनेत्री फातिमा सना शेख और श्वेता तिवारी ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी राय रखी।

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने इंस्टाग्राम पर सोनमा वांगचुक की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, सोनम वांगचुक जी के अनशन (भूख हड़ताल) को आज 19 दिन हो गए हैं। हमें तब तक इंतजार नहीं करना चाहिए जब तक कि उनकी तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ न जाए। सोनम जी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़े और अच्छे काम किए हैं। अपनी बात सरकार तक पहुंचाने के लिए उन्हें इस तरह अपनी जान दांव पर न लगानी पड़े, ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर नोट शेयर करते हुए लिखा, राजनीति को अलग रखकर देखें तो हमारे युवाओं और छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना सबसे जरूरी है। सोनम जी को इस तरह कमजोर होते देखना बेहद दुखद है। उम्मीद है कि सरकार बातचीत के जरिए जल्द ही इसका कोई शांतिपूर्ण समाधान निकालेगी। आज के नौजवान ही देश का आने वाला कल हैं। हमारा यह फर्ज बनता है कि हम उनके साथ खड़े हों और एक बेहतर व सुरक्षित भविष्य पाने में उनका पूरा साथ दें।

श्वेता तिवारी ने कहा, सोनम वांगचुक जी शिक्षा और हमारे बच्चों के भविष्य के लिए एक सही और जरूरी मुद्दे के लिए आवाज उठा रहे हैं। इस मुद्दे पर ध्यान दिया जाना चाहिए और सरकार को उनकी चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए।

अभिनेत्री ने ये स्पष्ट किया कि उनका सीजेपी पार्टी से कोई समर्थन नहीं है। उनका मानना है कि सीजेपी अपने काम के लिए सोनम वांगचुका का फायदा उठा रही है। उन्होंने लिखा, जिस तरह से सीजेपी इस मामले को संभाल रहे हैं, मैं उससे सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि वे सोनम वांगचुक के संघर्ष का इस्तेमाल अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं। मैं इस तरीके का समर्थन नहीं करती। मेरा समर्थन केवल सोनम वांगचुक और उस मुद्दे के लिए है, जिसके लिए वे संघर्ष कर रहे हैं, न कि किसी राजनीतिक समूह या संगठन के लिए जो इससे अपना फायदा उठाना चाहता है।

उन्होंने आखिरी में लिखा, हमारे राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन हम ऐसे व्यक्ति को खोने का जोखिम नहीं उठा सकते जिसने अपना जीवन देश और शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया है। हमारा ध्यान उनके संदेश, उनकी सेहत और इस समस्या के सही समाधान पर होना चाहिए।

भूल भुलैया 4 की चर्चा से फैंस में बढ़ी रूह बाबा की वापसी की उत्सुकता; कार्तिक आर्यन की दमदार अपकमिंग फिल्में

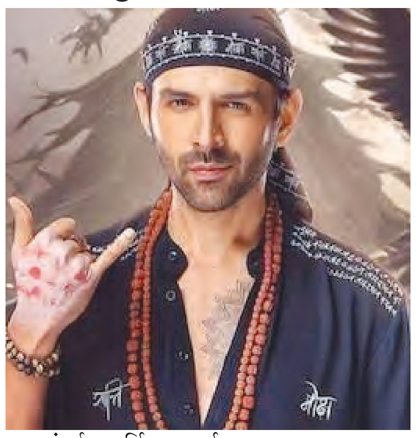

मुंबई कार्तिक आर्यन का रूह बाबा का किरदार पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक बन चुका है। ऐसे में भूल भुलैया 4 को लेकर सामने आ रही खबरों ने फैंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। हालांकि फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन रूह बाबा के रूप में कार्तिक की संभावित वापसी की चर्चा पहले ही सोशल मीडिया और फिल्म प्रेमियों के बीच बड़ा विषय बन चुकी है।

दिलचस्प बात यह है कि 'भूल भुलैया 4' की चर्चाओं के बीच कार्तिक आर्यन ने चुपचाप अपनी पीढ़ी के अन्य सितारों के मुकाबले सबसे मजबूत और विविधतापूर्ण फिल्मों की लाइन-अप तैयार कर ली है। फिलहाल आइए जानते हैं उनकी आने वाली फिल्मों के बारे में।

अनुराग बसु की अनटाइटल्ड म्यूजिकल लव स्टोरीः

कार्तिक आर्यन पहली बार मशहूर निर्देशक अनुराग बसु के साथ एक अनटाइटल्ड म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा में नजर आनेवाले हैं। यह फिल्म एक भावनात्मक प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें कार्तिक का एक नया और इंटेंस रोमांटिक अंदाज देखने को मिलेगा। यह उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक मानी जा रही है।

नागजिला' (फैंटेसी कॉमेडी) – निर्देशक मृगदीप सिंह लांबाः

'नागजिला' एक फैंटेसी कॉमेडी फिल्म है, जिसमें कार्तिक आर्यन बिल्कुल अलग और मजेदार अवतार में दिखाई देंगे। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

'कैप्टन इंडिया' (देशभक्ति पर आधारित एक्शन ड्रामा) – निर्देशक शिमित अमीनः

'कैप्टन इंडिया' एक वास्तविक रेस्क्यू मिशन से प्रेरित देशभक्ति पर आधारित एक्शन ड्रामा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में कार्तिक एक साहसी और प्रेरणादायक किरदार निभाते नजर आएंगे, जिससे दर्शकों को एक और बड़े पर्दे का मनोरंजक अनुभव मिलेगा।

कबीर खान की अनटाइटल्ड स्पोर्ट्स ड्रामाः

'चंदू चैंपियन' की सफलता के बाद कार्तिक आर्यन एक बार फिर निर्देशक कबीर खान के साथ एक नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में काम कर रहे हैं। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी उत्साह है और सभी कार्तिक को एक और दमदार, परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड भूमिका में देखने का इंतजार कर रहे हैं।

गौरतलब है कि म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा के साथ फैंटेसी कॉमेडी, देशभक्ति से भरपूर एक्शन फिल्म, स्पोर्ट्स ड्रामा और संभावित 'भूल भुलैया 4' जैसी ब्लॉकबस्टर हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी, कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्मों की यह शानदार लाइन-अप उनकी बहुमुखी प्रतिभा और लगातार बढ़ते स्टारडम को दर्शा रही है।

अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने बिजी शेड्यूल की झलक

अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने बिजी शेड्यूल की एक झलक दिखाई। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि साल के शुरुआती छह महीने उनके काम और भागदौड़ में कैसे बीते। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अभिनेत्री निमरत कौर काम की जिम्मेदारियों, ट्रैवलिंग और अपनी व्यस्त दिनचर्या के पलों का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में एक्ट्रेस को जिम में वर्कआउट करते, फोटोशूट के लिए पोज देते और अपनी व्यस्त दिनचर्या के कई अन्य पलों को कैद करते हुए भी दिखाया गया है।

वीडियो शेयर कर अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, अब तक का मेरा आधा सालः जनवरी, ट्रैवल, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, रिपीट।

निमरत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वह अक्सर तस्वीरों और वीडियो के जरिए अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'एयरलिफ्ट' से अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री निमरत कौर 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं। इस पॉपुलर सीरीज में मनोज बाजपेयी ने श्रीकांत तिवारी का किरदार निभाया था, एक मिडिल-क्लास आदमी जो इंटेलिजेंस ऑफिसर के तौर पर दोहरी जिंदगी जी रहा था।

मनोज बाजपेयी (श्रीकांत तिवारी), शारिब हाशमी (जेके तलपड़े), प्रियामणि (सुचित्रा), और निम्रत कौर अपने पुराने किरदारों में वापस लौटे हैं। इसके अलावा जाने-माने अभिनेता जयदीप अहलावत ने इसमें एक खूंखार विलेन (रुक्मा) का शानदार किरदार निभाया है।

इसके अलावा अभिनेत्री जल्द ही कोर्टरूम ड्रामा-थ्रिलर फिल्म 'सेक्शन 84' में नजर आएंगी। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और लिखित फिल्म में वह बॉलीवुड के दिग्गज अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। इस फिल्म में उनके किरदार का नाम 'जोया' है और इसमें डायना पेंटी, अभिषेक बनर्जी भी महत्वपूर्ण किरदारों में होगे। फिल्म को जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाया गया है। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है अब देखना है कि फिल्म को दर्शक कितना पसंद करते हैं।

भीड़ के बीच भी खुद को तन्हा महसूस करती हैं अविका गौर, शेयर किया भावुक नोट

टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अविका गौर ने सोशल मीडिया पर अपने अकेलेपन और अपने वजूद को लेकर पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने बताया कि अकेलापन हमेशा अकेले रहने से महसूस नहीं होता, बल्कि कई बार आप सैकड़ों लोगों के बीच मौजूद रहकर भी समझ नहीं पाते कि हो क्या रहा है। अभिनेत्री अविका गौर ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट शेयर करते हुए लिखा, हाल ही के दिनों में मैंने महसूस किया है कि अकेलापन सिर्फ कमरे में अकेले रहने का नाम नहीं है, क्योंकि कई बार हम बहुत सारे लोगों के बीच होते हैं, फिर भी हम बिल्कुल पराया और अकेला महसूस करते हैं। ऐसे समय में दोस्तों और जिनसे करीबी रिश्ता है, उनके बीच जगह बनाना बहुत थका देने वाला होता है।

आप जितनी भी कोशिश करें। लोग या तो सोचते हैं कि आपको उनकी जरूरत नहीं है या फिर आपको जरूरत से ज्यादा उनसे जुड़ने वाला समझ लेते हैं। अविका ने बताया कि उन्होंने अपना पूरा जीवन अपने करियर को दे दिया, लेकिन वे यह नहीं समझ पाईं कि समय के साथ लोगों को अपनी जिंदगी में बिना शर्त शामिल करना कितना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी पूरी जिंदगी सिर्फ अपना करियर बनाने में लगा दी, लेकिन मुझे यह अंदाजा नहीं था कि वक्त बीतने के साथ ऐसे लोग मिलना कितना मुश्किल हो जाता है, जो बिना किसी मतलब या शर्त के आपको अपना दोस्त बना लें।

उन्होंने लिखा, कोई आपको यह नहीं बताता कि बड़ा होना सिर्फ उम्र बढ़ने या समय बीतने का नाम नहीं है। इसके साथ यह भी होता है कि ऐसे लोग मिलना मुश्किल हो जाता है, जो आपको उतनी ही अहमियत दें, जितनी आप उन्हें देते हैं। जब वे दोस्ती कर रहे थे, तब शायद आप तैयार नहीं थे और अब जब आप लोगों को अपनाने और अपनी जिंदगी में जगह देने के लिए तैयार हैं, तब तक ज्यादातर लोगों का अपना-अपना दायरा बन चुका होता है। ऐसे में कई बार आप सबको जानते तो हैं, लेकिन फिर भी कहीं भी अपना नहीं महसूस करते।

'अक्षय और मेरे बीच में मनमुटाव नहीं', 'हेरा फेरी 3' विवाद पर बोले परेश रावल

दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार अक्षय कुमार द्वारा उन्हें भेजे गए 25 करोड़ रुपये के कानूनी नोटिस के बारे में बात की है। यह नोटिस तब भेजा गया था, जब उन्होंने पिछले साल घोषणा की थी कि वो 'हेरा फेरी 3' का हिस्सा नहीं होंगे। अभिनेता ने कहा कि उनका फिल्म छोड़ने का फैसला अक्षय के साथ किसी निजी मुद्दे से जुड़ा नहीं था। विवाद एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े मुद्दे के कारण हुआ था। और अक्षय का उन पर मुकदमा करने का फैसला एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी।

यह कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी

परेश रावल ने कहा कि प्रोजेक्ट से अलग होने के उनके फैसले का अक्षय के साथ काम करने में असहज होने से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि बात यह नहीं थी कि 'मैं अक्षय कुमार के साथ काम करने में असहज महसूस कर रहा हूं।'

यह एक कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी बात थी। अगर मुझे फिल्म करनी थी, तो मुझे फिरोज नाडियाडवाला की मंजूरी चाहिए थी, क्योंकि वही 'हेरा फेरी' फ्रैंचाइजी के अकेले मालिक हैं। साथ ही 'आवारा पागल दीवाना', 'वेलकम' और ऐसी ही दूसरी फिल्मों के भी।

जब तक उनकी मंजूरी नहीं मिल जाती, मैं कोई कमिटमेंट नहीं कर सकता था। जब कानूनी नोटिस आया, तो मैंने सोचा, 'मैं कानूनी मामलों में क्यों घिसट रहा हूं? क्या मैं यहां फिल्म बनाने का मजा लेने आया हूं या इसमें फंसने के लिए?' मैंने खुद से कहा कि मैं अब इसका हिस्सा नहीं बनना चाहता।

नोटिस एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी

कानूनी नोटिस पर परेश रावल ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि कानूनी नोटिस एक भावनात्मक प्रतिक्रिया थी। शायद मामला यह था कि 'वह मुझे ना कैसे कह सकता है?' वह जरूर भावनात्मक रूप से परेशान रहे होंगे।

जहां तक फिरोज की मंजूरी न मिलने की बात है, तो वह अक्षय और फिरोज के बीच की बात थी। मैंने कभी इसकी गहराई में जाने की कोशिश नहीं की। अक्षय और मेरे बीच मनमुटाव की कोई वजह कभी नहीं रही। बिल्कुल भी नहीं।

जब भी 'हेरा फेरी 3' बनेगी मैं उसमें काम करूंगा

फिल्म को लेकर लंबे समय से बनी अनिश्चितता के बावजूद परेश ने कहा कि जब भी यह प्रोजेक्ट शुरू होगा, मैं इसमें जरूर काम करूंगा, चाहे इसे कोई भी डायरेक्ट या प्रोड्यूस करे। मैं उस फिल्म से पूरी तरह जुड़ा हुआ हूं।

जब भी वे इसे बनाएंगे, मैं वहां मौजूद रहूंगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह और अक्षय बाद में नोटिस के बारे में बात करने के लिए बैठे थे और क्या एक्टर ने माफी मांगी थी? इस पर परेश ने कहा कि मामला बिना किसी औपचारिक बातचीत के ही सुलझ गया।

हम कभी इस बारे में बैठकर बात नहीं की, लेकिन हमने बाद में साथ काम किया। कभी-कभी आपको शब्द कहने की भी जरूरत नहीं होती। चीजों को सुलझाने का यह एक सभ्य तरीका है।

अब 'हेरा फेरी 3' से अलग हो चुके हैं प्रियदर्शन

हाल ही में प्रियदर्शन ने कन्फर्म किया है कि अब वो 'हेरा फेरी 3' से जुड़े नहीं हैं। इस साल की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यह फिल्म बनेगी, भले ही 2026 में न हो। सबसे पहले प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने प्रियदर्शन के अलग होने की बात बताई थी, जिसके बाद फिल्ममेकर ने खुद भी इसकी पुष्टि की।

13 साल का सपना हुआ सच, जब माधुरी दीक्षित से मिलीं वामिका गब्बी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी बचपन से जिस अभिनेत्री को वह अपना आइकॉन मानती थीं, आखिरकार उनसे मिलने का उनका सपना सच हो गया। दरअसल, वामिका ने बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा माधुरी दीक्षित से मुलाकात की, जिसका वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो के साथ वामिका गब्बी ने बताया कि वह 13 साल की उम्र से माधुरी दीक्षित की बहुत बड़ी फैन रही हैं और उनसे मिलने का सपना लंबे समय से संजोए हुए थीं।

सालों बाद जब यह सपना पूरा हुआ तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वीडियो की शुरुआत में वामिका, माधुरी दीक्षित के मशहूर गाने 'धक-धक' के आइकॉनिक स्टेप को करती नजर आती हैं तभी माधुरी दीक्षित पीछे से आती हैं और प्यार से उन्हें गले लगा लेती हैं। अचानक अपने सामने बचपन की आइकॉन को देखकर वामिका इमोशनल हो जाती हैं और तुरंत उन्हें कसकर गले लगा लेती हैं।

वीडियो में वामिका ब्लू कलर के एथनिक आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आईं, जबकि माधुरी दीक्षित गुलाबी साड़ी में हमेशा की तरह बेहद आकर्षक दिखीं। वीडियो में माधुरी, वामिका से उनका हालचाल पूछती भी दिखती हैं।

वीडियो शेयर करते हुए वामिका ने लिखा, मेरे सबसे करीबी दोस्त जानते हैं कि 13 साल की उम्र वाली वामिका के लिए यह पल कितना जादुई था। आखिरकार मेरी मुलाकात 'द' माधुरी दीक्षित से हुई। मैंने उन्हें मम्मी-पापा से भी मिलवाया और बचपन के कई किस्से सुनाए, ताकि उन्हें पता चल सके कि वे मेरे बचपन का कितना खूबसूरत हिस्सा रही हैं।

अगर वामिका गब्बी के करियर की बात करें तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। साल 2007 में इम्तियाज अली की सुपरहिट फिल्म 'जब वी मेट' से उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर की शुरुआत की। फिल्म में उनका किरदार छोटा था, लेकिन यहीं से उनके अभिनय करियर की नींव रखी गई। इसके बाद वह 'लव आज कल', 'मौसम' और 'बिट्टू बॉस' जैसी फिल्मों में नजर आईं और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाती चली गईं।

बॉलीवुड के अलावा वामिका ने पंजाबी और मलयालम सिनेमा में भी अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। पंजाबी फिल्म 'तू मेरा 22 मैं तेरा 22' और मलयालम फिल्म 'गोधा' में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हाल ही में वह फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' में नजर आई थीं।

जिस फिल्म को माना फ्लॉप, उसे अपने दम पर सालभर चलवाया

पहले दिन ही हुआ था अपशकुन

मेगास्टार चिरंजीवी की एक फिल्म की शुरुआत ही अपशकुन से हुई थी। उस समय सभी को लगा कि यह फिल्म फ्लॉप हो जाएगी। लेकिन चिरंजीवी ने ऐसा चैलेंज किया कि वही फिल्म बाद में सालभर तक सिनेमाघरों में चली। आइए जानते हैं पूरा किस्सा।

चिरंजीवी ने अपने करियर में कई नए डायरेक्टर्स को मौका दिया है। फिल्म को लेकर उनकी सलाह अक्सर कमाल का असर दिखाती है। टॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर कोडी रामकृष्ण भी उन्हीं में से एक हैं, जो हर तरह की फिल्म- चाहे कमर्शियल हो, फैमिली ड्रामा, भक्ति या हॉरर हो, सभी को हिट बनाने के लिए जाने जाते हैं।

चिरंजीवी की फिल्म से मिला मौका

कोडी रामकृष्ण ने डायरेक्टर के तौर पर डेब्यू चिरंजीवी की फिल्म 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' से किया था। इस फिल्म में चिरंजीवी, पूर्णिमा और माधवी नजर आए थे। अपनी पहली फिल्म होने की वजह से कोडी रामकृष्ण काफी नर्वस थे। उन्होंने सोचा था कि फिल्म का पहला शॉट चिरंजीवी पर ही शूट करेंगे।

पहले दिन ही हुआ अपशकुन

लेकिन चिरंजीवी शूटिंग के उद्घाटन के समय थोड़े लेट हो गए। वहां मौजूद लोगों ने दबाव डाला कि पहला शॉट पूर्णिमा पर ही ले लिया जाए। मजबूरी में कोडी रामकृष्ण ने ऐसा ही किया। सभी ने उन्हें बधाई दी, लेकिन उनके मन में यह बात रह गई कि पहला शॉट चिरंजीवी पर नहीं हो पाया।

इसी बीच एक कैमरा असिस्टेंट भागते हुए आया और बताया कि कैमरे की बैटरी कनेक्ट ही नहीं की गई थी। यह सुनकर सेट पर मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। सबको लगा कि यह बहुत बड़ा अपशकुन है और फिल्म फ्लॉप हो जाएगी। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसे सेंटिमेंट्स आम होते हैं।

ऐसे हिट हुई फिल्म

तभी चिरंजीवी सेट पर पहुंचे और माहौल देखकर वजह पूछी। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि पहला शॉट तो उन पर होना था, फिर पूर्णिमा पर क्यों लिया गया। उनकी बातों से सेट का माहौल हल्का हो गया और सबमें फिर से उत्साह आ गया।

चिरंजीवी ने कहा, 'अब पहला शॉट मुझ पर शूट करो। अगर यह फिल्म एक साल तक नहीं चली, तो फिर मुझसे पूछना।' इस तरह उन्होंने एक चैलेंज भी दे दिया। उनकी बात सच साबित हुई और 'इंटलो रामय्या वीडिलो कृष्णय्या' फिल्म ने थिएटर्स में पूरे एक साल तक रन किया।

सलमान खान को पहले से ही थी सोनाक्षी-जहीर के प्यार की भनक, कपल ने सुनाया दिलचस्प किस्सा

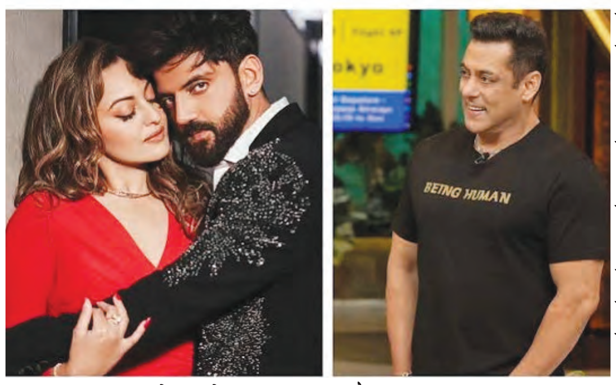

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। दोनों ने कई सालों तक अपने रिश्ते को निजी रखा लेकिन अब जब दोनों शादी के बंधन में बंध चुके हैं तो अपनी लव स्टोरी से जुड़े मजेदार किस्से साझा करते रहते हैं। हाल ही में कपल ने बताया कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को उनके रिश्ते की भनक काफी पहले ही लग गई थी।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के चैट शो 'डबल डेट' में बतौर मेहमान पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने अपनी पहली मुलाकात, रिश्ते और डेटिंग के शुरुआती दिनों से जुड़े कई किस्से साझा किए। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि सलमान खान उनके रिश्ते की शुरुआत से ही इस कहानी का हिस्सा रहे हैं क्योंकि दोनों की मुलाकात सलमान की एक पार्टी में हुई थी।

जहीर इकबाल ने शो में बताया, "सलमान खान को हमारे बताने से पहले ही मेरे और सोनाक्षी के रिश्ते के बारे में पता चल गया था। वह समझ चुके थे कि हम दोनों के बीच कुछ खास है। हमारे बीच एक अलग तरह की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री नजर आती थी, जिसे सलमान खान ने तुरंत पहचान लिया था।"

इस दौरान सोनाक्षी ने कहा, "एक अलग तरह की वाइब चल रही थी और सलमान इतने भी अनजान नहीं हैं। उन्होंने हमें देख लिया था। जब भी वह मुझसे पूछते थे तो हम दोनों इसे नकार देते थे और कहते थे कि ऐसा कुछ नहीं है।"

सोनाक्षी ने बताया, "एक दिन सलमान खान ने मुझसे और जहीर से बात करते हुए कहा था कि एक समय ऐसा आएगा जब दोनों का ब्रेकअप हो सकता है और उस स्थिति में दोनों ही दुखी होंगे। यह बात सुनकर हम दोनों हैरान रह गए थे।"

सोनाक्षी ने एक और दिलचस्प घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक ट्रेकिंग ट्रिप के दौरान सलमान खान ने जहीर से सीधे कह दिया था, 'दिख रहा है सब।' सलमान की इस छोटी सी बात से दोनों को समझ आ गया था कि अब इस रिश्ते को उनसे छिपाना आसान नहीं है।

बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की मुलाकात सलमान खान द्वारा आयोजित एक पार्टी में हुई थी। पहली मुलाकात के बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और फिर धीरे-धीरे यह रिश्ता प्यार में बदल गया। हालांकि, दोनों ने करीब सात साल तक अपने रिश्ते को निजी रखा।

साल 2022 में सोनाक्षी और जहीर ने फिल्म 'डबल एक्सएल' में साथ काम किया था। फिल्म के दौरान भी दोनों की बॉन्डिंग की चर्चा हुई थी। इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और जून 2024 में शादी कर ली।

सीएम ने सड़क पर लगाया झाड़ू, रथ की रस्सी खींची

40 फीट ऊंचे रथ पर सवार होकर निकले भगवान जगन्नाथ, हरे रामा-हरे कृष्णा से गूंजी राजधानी

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जा रही है। पटना में भी इस्कॉन मंदिर से भव्य रथयात्रा निकाली जा रही है। भगवान जगन्नाथ, भाई बलदेव और बहन सुभद्रा 40 फीट ऊंचे हाइड्रोलिक रथ पर सवार होकर इस्कॉन मंदिर से निकले।

रथयात्रा तारामंडल, इनकम टैक्स, जेडी वीमेंस कॉलेज होते हुए दोबारा इस्कॉन मंदिर पहुंचेगी। रथयात्रा से पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भगवान जगन्नाथ की आरती उतारी। इसके बाद रथ के आगे झाड़ू लगाया और भगवान के रथ की रस्सी खींचकर यात्रा की शुरुआत की। हरे राम-हरे कृष्ण के जयघोष के बीच हजारों श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी समेत राज्य सरकार के कई मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। महाप्रभु के स्वागत के लिए रथ यात्रा मार्ग को भव्य तरीके से सजाया गया है। रास्ते में जगह-जगह आकर्षक रंगोलियां बनाई गई हैं, जिन्हें तैयार करने के लिए पटना के अलावा देश के विभिन्न हिस्सों और विदेश से भी कलाकार पहुंचे हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और भगवान जगन्नाथ के रथ पर लगातार पुष्पवर्षा की जाएगी। इस रथ यात्रा के दौरान दोपहर 12 बजे से लेकर रात्रि 9 बजे तक पूरे मार्ग और मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं द्वारा अखंड भजन-कीर्तन का गायन किया जाएगा।

किशनगंज में शहर के मिनानपल्ली स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

वहीं, ठाकुरगंज नगर में भी भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा की प्रतिमाओं को सुसज्जित रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जयघोष और भजन-कीर्तन के साथ महाप्रभु का स्वागत किया।

एसओजी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी फर्जी डिग्री रैकेट का आरोपी गिरफ्तार

पहले पकड़े गए आरोपियों को बिचौलिया बनकर फर्जी डिग्रियां दिलाई थी

चित्तौड़गढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की साल 2022 की हिंदी लेक्चरर (स्कूल शिक्षा) भर्ती परीक्षा में फर्जी डिग्री के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और गिरफ्तारी की है।

एसओजी ने जोधपुर निवासी अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया को 14 जुलाई को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि उसने मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार के नाम पर फर्जी एमए (हिंदी) की डिग्री और मार्कशीट उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाई थी।

इस मामले में अब तक फर्जी डिग्री का इस्तेमाल करने वाली अभ्यर्थी समेत 15 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया- आरपीएससी में हिंदी लेक्चरर भर्ती के दौरान अभ्यर्थी ब्रह्मा कुमारी ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी, गंगरार से जारी एमए (हिंदी) की डिग्री जमा कराई थी।

आयोग ने जब डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन कराया तो पता चला कि यह डिग्री मेवाड़ यूनिवर्सिटी ने जारी ही नहीं की थी। इसके बाद मार्च 2024 में अजमेर के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान सामने आया कि अभ्यर्थी ने फर्जी डिग्री और झूठे शपथ पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने की कोशिश की थी। जांच आगे बढ़ी तो एसओजी को पता चला कि अशोक विश्नोई उर्फ अशोक चोटिया ने इस पूरी प्रक्रिया में बिचौलिए की भूमिका निभाई। उसने महेंद्र सिंह राव के जरिए डॉ. सुरेश कुमार से संपर्क किया और उनकी बहन ब्रह्मा कुमारी के लिए फर्जी डिग्री और मार्कशीट की व्यवस्था करवाई।

जांच में यह भी सामने आया कि अशोक ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी के तत्कालीन डीन कौशल किशोर चंदुल से संपर्क कर यह फर्जी डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध कराए।

झारखंड में शहरी क्षेत्र में एसआईआर को लेकर 18 और 20 जुलाई को बूथ पर मौजूद रहेंगे बीएलओ

बाकी बचे वोटरों तक पहुंचने की कोशिश

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि बीएलओ द्वारा राज्य में 96 प्रतिशत मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा चुका है केवल 4 प्रतिशत ही ऐसे मतदाता हैं जिन्हें अभी तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध नहीं हो पाया है। इसमें एएसडीडी सूची के भी मतदाता हो सकते हैं।

ऐसे मतदाता की अधिकता शहरी क्षेत्र में देखी जा रही है, इन शहरी क्षेत्र वाले जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों की ओर से 18 और 20 जुलाई को मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्रों पर बीएलओ की ओर से कैंप लगाने का अनुरोध प्राप्त हुआ जिससे ऐसे बचे हुए मतदाताओं को सूचीबद्ध किया जा सके। इन कैंपों पर मतदाताओं की सहायता के लिए वोलेंटियर्स, हेल्पडेस्क मैनेजर, बीएलओ सुपरवाईजर उपस्थित रहेंगे जो मतदाताओं को उनका इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने एवं उसे हाथों हाथ जमा करने में सहायता करेंगे। यदि कोई मतदाता किसी कार्य से अपने मतदान केंद्र से दूसरे स्थान पर रह रहे है, वैसी स्थिति में आप अपने मतदाता पहचान पत्र वाले मतदान केंद्र की बीएलओ से ही संपर्क करें।

के. रवि कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बीएलओ की ओर से अपने मतदाताओं से संपर्क करते हुए उन तक ससमय इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराया जा चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं तक बीएलओ की पहुंच बेहतर है वे अपने क्षेत्र के प्रत्येक मतदाताओं को जानते हैं यह कैंप केवल शहरी क्षेत्रों के लिए ही विशेष परिस्थिति में लगाई जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कराने का कार्य जैसे कर रहे है, यथावत करेंगे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि एएसडीडी सूची को मूर्त रूप देते समय बीएलओ और बीएलए-2 इस बात का ध्यान रखें कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से छुटे न, एवं एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में न जुड़े। उन्होंने कहा कि 22 अगस्त को आयोजित बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक के लिए सभी जिलों को एएसडीडी की सूची तैयार करने के लिए प्रपत्र भेजी जा रही है।

कर्नाटक में डॉक्टर की घर में हत्या, बेटा घायल मिला

आरोपी डॉक्टर पत्नी बॉडी के पास मोबाइल चलाती रही, हिरासत में

बेंगलुरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के धारवाड़ में बुधवार को 45 साल के डॉक्टर (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ) किरण होन्नावर की उनके फ्लैट में हत्या कर दी गई। उनके 8 साल के बेटे पर भी चाकू से हमला किया गया। बच्चे का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

इस वारदात के वीडियो सामने आए हैं। इसमें डॉ. होन्नावर और उनका बेटा फर्श पर खून से लथपथ पड़े दिख रहे हैं। होन्नावर की पत्नी डॉक्टर प्रियंका बिस्तर पर मोबाइल फोन चलाती दिखाई दे रही हैं।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने प्रियंका को पूछताछ में ले लिया। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वारदात कब हुई और इसके पीछे क्या वजह थी।

परिजन फोन करते रहे, पत्नी अलग-अलग जवाब देती रहीं

मामले का खुलासा तब हुआ, जब डॉ. किरण के परिजन पूरे दिन उनसे संपर्क करने की कोशिश करते रहे। फिर भी बात नहीं हो पाई। पुलिस के मुताबिक, प्रियंका ने ससुरालवालों से पहले कहा कि पति आराम कर रहे हैं। बाद में बताया कि वे बाहर गए हैं। शाम तक बात नहीं होने पर परिजन फ्लैट पहुंचे।

डॉ. किरण एक कमरे में खून से लथपथ मृत मिले, जबकि दूसरे कमरे में उनका बेटा घायल पड़ा था। रिश्तेदारों ने बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। डॉ. किरण के परिजनों ने हत्या के लिए उनकी पत्नी पर आरोप लगाया है।

हुबली-धारवाड़ के पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने बताया कि अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि घटना कब हुई। पत्नी पूछताछ के दौरान अलग-अलग बयान दे रही है। उन्होंने बताया कि दोनों परिवारों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि हत्या की वजह पता चल सके।

पुलिस अपार्टमेंट के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। अधिकारियों के मुताबिक, पड़ोसियों से किसी तरह के विवाद की जानकारी नहीं मिली है।

प्रेमानंद महाराज के जलाभिषेक के लिए 400 किमी की पैदल यात्रा

हरिद्वार से गंगाजल लेकर वृंदावन निकले तीन भक्त

बुलंदशहर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अनूठा संगम इन दिनों हरिद्वार से वृंदावन तक देखने को मिल रहा है। बुलंदशहर के तीन श्रद्धालु छह कलशों में पवित्र गंगाजल लेकर करीब 400 किलोमीटर की पैदल यात्रा पर निकले हैं।

उनका उद्देश्य वृंदावन स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में संत श्री प्रेमानंद महाराज का गंगाजल से विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक करना है। श्रद्धा और समर्पण से भरी यह यात्रा 41 दिनों में पूरी होगी।

हरिद्वार से शुरू हुई आस्था की पदयात्रा

बुलंदशहर के स्याना कस्बे के बुगरासी अड्डा निवासी गौरव कश्यप, अपने साथियों शिव कुमार और सौरभ के साथ 1 जुलाई को हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल यात्रा पर निकले। श्रद्धालु छह कलशों में गंगाजल लेकर वृंदावन स्थित श्री हित राधा केली कुंज आश्रम पहुंचेंगे, जहां संत श्री प्रेमानंद महाराज का जलाभिषेक किया जाएगा।

श्रद्धालुओं की यह धार्मिक यात्रा लगभग 400 किलोमीटर लंबी है। यात्रा के दौरान तीनों श्रद्धालु प्रतिदिन करीब 10 किलोमीटर की दूरी तय कर रहे हैं। उनका लक्ष्य 8 अगस्त तक वृंदावन पहुंचना है, जबकि 11 अगस्त को संत श्री प्रेमानंद महाराज का गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा।

यात्रियों का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान पूरा करना नहीं, बल्कि समाज में सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण का संदेश देना भी है। उनका मानना है कि ऐसी यात्राएं लोगों को आध्यात्मिकता, प्रेम और सद्भाव की भावना से जोड़ती हैं।

यात्रा के दौरान तीनों श्रद्धालु विभिन्न शहरों और कस्बों से होकर गुजर रहे हैं। बुधवार को जब कलश कांवड़ यात्रा तिगरी, गजरौला पहुंची तो स्थानीय श्रद्धालु जागेश शर्मा समेत कई लोगों ने उनका स्वागत किया और यात्रा की सफलता की कामना की।

स्थानीय लोगों ने युवाओं के इस संकल्प और समर्पण की जमकर सराहना की। श्रद्धालुओं का कहना है कि आज के दौर में जहां युवा आधुनिक जीवनशैली में व्यस्त रहते हैं, वहीं तीन युवाओं का 400 किलोमीटर पैदल चलकर धार्मिक संकल्प पूरा करना समाज के लिए प्रेरणा का विषय है।

कौन हैं पीके का साथ छोड़ने वाली चेतना झांब?

3000 रुपये की नौकरी से शुरुआत, फिर हॉलीवुड तक पहुंची

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूथ आइकन चेतना झांब गुरुवार को औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल हो गईं। वर्ष 2025 में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज से सक्रिय राजनीति में कदम रखने वाली चेतना झांब को पटना स्थित भाजपा कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

चेतना झांब एक मिडिल क्लास परिवार में जन्म लेने वाली चेतना झांब का बचपन समस्तीपुर में बीता। पटना में सेंट्रल स्कूल के पढ़ाई के बाद उन्होंने समस्तीपुर महिला कॉलेज से स्नातक की डिग्री हासिल की। फिर एक कॉल सेंटर के चेतना ने महज 3000 रुपये की नौकरी से अपने करियर की शुरुआत की। चेतना ने कॉल सेंटर में काम करने के बाद एयर होस्टेस की ट्रेनिंग ली और दो वर्षों तक एक एयरलाइन में काम किया। इसके बाद एक हॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस में काम किया। हॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस में काम करने के दौरान चेतना झांब के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने मीडिया, फिल्म और बिजनेस की दुनिया में कदम रखा और जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर की पहचान बना ली। चेतना की एक फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी भी है, जिसके मेडिकल प्रोडक्ट्स अमेरिका, रूस, थाईलैंड समेत एक दर्जन से अधिक देशों में निर्यात होते हैं।

जेएमएम सांसद की शादी के बाद 'आदिवासी पहचान' पर छिड़ी बहस

आईआरएस निशा उरांव ने एससी के फैसले का हवाला देकर उठाया सवाल

रांची, 16 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के जेएमएम सांसद विजय हांसदा की शादी के बाद आदिवासीयत पर एक नई बहस छिड़ गई है। जानकारों का कहना है कि धर्मांतरित आदिवासी का विवाह संस्कार चर्च में पादरी के धार्मिक अगुवाई में संपन्न होता है। जो सरना आदिवासी के रीति रिवाज से बिल्कुल अलग है।

भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) ऑफिसर निशा उरांव का कहना है कि कोई जन्म से आदिवासी नहीं होता। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी साफ किया गया है कि आदिवासी के रीति रिवाज ही उसे आदिवासी बनाते हैं। माननीय सुप्रीम कोर्ट के कई निर्णय ने स्थापित किया है कि आदिवासी के मूल रीति रिवाज ही उसे 'अनुसूचित जनजाति' बनाते हैं।

निशा उरांव ने कहा कि धर्मांतरण से जन्म, शादी, मृत्यु और कई अन्य संस्कार बदल जाते हैं। सरना आदिवासियों में पाहन-नायके सभी आदिवासी संस्कार कराते हैं जबकि धर्मांतरित आदिवासी के संस्कार उनके नए धार्मिक गुरु-पुजारी से कराया जाता है। उन्होंने बताया कि ईसाई धर्म में पादरी की ओर से किए जाने वाले मुख्य धार्मिक अनुष्ठान 'संस्कार' बपतिस्मा (जन्म संस्कार) होता है, जिसमें जल के उपयोग से व्यक्ति को शुद्ध करके चर्च की सदस्यता प्रदान किया जाता है।

धर्म परिवर्तन के बाद पादरी के समक्ष अपने पापों को स्वीकार कर ईश्वर से क्षमा मांगने और प्रभु भोज के दौरान रोटी और दाखमधु को ईसा मसीह के शरीर और लहू के रूप में आशीर्वाद लिया जाता है। विवाह संस्कार के दौरान पादरी द्वारा वर-वधू का मिलन कराना और आजीवन साथ रहने की प्रतिज्ञा दिलाया जाता है। जबकि बीमार या मृत्यु शैया पर पड़े व्यक्ति को तेल लगाकर चंगाई और शांति की प्रार्थना की जाती है।

निशा उरांव ने बताया कि ईसाई धर्म में पवित्र आदेश की मान्यता है, जिसके तहत किसी व्यक्ति को पादरी या नन के रूप में नियुक्त करने का अनुष्ठान किया जाता है। इसके अलावा, पादरी रविवार की प्रार्थना सभा का संचालन, अंत्येष्टि संस्कार और बच्चों के नामकरण जैसे अनुष्ठान भी संपन्न कराते है। इन सब से स्पष्ट है कि धर्मांतरित आदिवासी के रीति रिवाज , सरना आदिवासी के रीति रिवाज से बिल्कुल अलग है। आईआरएस निशा उरांव ने कहा कि कई मामलों में पाया गया है की धर्मांतरण के बाद भी कुछ रीति रिवाज को आदत के अनुसार पालन किया जा रहा है।

जौहर यूनिवर्सिटी का ध्वस्तीकरण रोकने को एसटी हसन ने सीएम योगी से लगाई गुहार

मुरादाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। रामपुर विकास प्राधिकरण ने आजम खान के ड्रीम प्रोजेक्ट जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलाने का आदेश दे दिया है। यूनिवर्सिटी परिसर में बने 40 भवनों में से 38 भवन बिना मानचित्र स्वीकृत के पाए गए हैं। प्राधिकरण ने 15 दिन का समय दिया है। बुलडोजर कार्रवाई पर मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने बुलडोजर कार्रवाई को रोकने के लिए यूपी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है।

मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन ने कहा कि आजम खान ने बड़ी मुश्किल से जौहर यूनिवर्सिटी को बनाया है। संस्थान में कुछ कमियां हो सकती हैं, लेकिन यहां हिंदू-मुस्लिम सभी शिक्षा लेते हैं। उन्होंने कहा कि इंसान हमेशा के लिए जिंदा नहीं रहता है। उनकी भी एक्टिव लाइफ 5 से 10 साल हो सकती है, लेकिन संस्थान खड़ा रहेगा और शिक्षा की खिदमत करता रहेगा, जिसमें हिंदू-मुस्लिम सभी लोग पढ़ा करते हैं। मैं मुख्यमंत्री और गवर्नर से अपील करता हूं कि वह इसमें हस्तक्षेप करें और दूसरा कोई रास्ता निकालें, जिससे संस्थान बचा रहे और बच्चों की खिदमत करता रहे।

एसटी हसन से जब सवाल किया गया कि आजम खान पर सरकार में रहने के दौरान नियमों का दुरुपयोग करने के आरोप लगते रहे हैं, इस पर उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि कुछ कमियां रही हैं, लेकिन दूसरा रास्ता निकालना चाहिए, जिससे शिक्षा का ये मंदिर खड़ा रहे और बच्चों की खिदमत करता रहे।

लखनऊ में मौत को मातः मजदूर के शरीर से आर-पार थीं 4 सरिया

केजीएमयू के डॉक्टरों ने 8 .5 घंटे की सर्जरी से बचाई जान

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और मिसाल कायम की है। बादशाह नगर में निर्माणाधीन इमारत से गिरने के बाद 23 वर्षीय मजदूर के शरीर में आर-पार धंसी चार लोहे की सरियों को करीब 8 घंटे 30 मिनट तक चले जटिल ऑपरेशन के बाद सफलतापूर्वक निकालकर उसकी जान बचा ली गई। इस दौरान मरीज के फेफड़े, डायफ्राम, आमाशय, छोटी आंत, प्लीहा और मूत्राशय जैसे कई महत्वपूर्ण अंग गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त थे। फिलहाल मरीज की हालत स्थिर है और वह आईसीयू में डॉक्टरों की निगरानी में भर्ती है।

फर्रुखाबाद जिले के ग्राम नरैया निवासी 23 वर्षीय उमेश लखनऊ में मजदूरी करता है। 13 जुलाई की सुबह करीब 4:30 बजे बादशाह नगर स्थित एक निर्माणाधीन इमारत पर काम करते समय उसका पैर फिसल गया। वह सीधे नीचे रखी नुकीली लोहे की सरियों पर जा गिरा।

हादसा इतना भयावह था कि चार लोहे की सरियां उसके शरीर के आर-पार निकल गईं। स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए कटर से सरियों को काटा और सुबह करीब 5:30 बजे उसी हालत में उसे केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

अस्पताल पहुंचने पर उमेश का ब्लड प्रेशर लगातार गिर रहा था और पेशाब के साथ खून आ रहा था। सीटी स्कैन में सामने आया कि चारों सरियां बाएं नितंब से प्रवेश कर पेट और छाती को चीरते हुए शरीर के अलग-अलग हिस्सों से बाहर निकली हुई थीं।

तीन सरियां दाहिने कंधे और गर्दन के पास से बाहर निकली थीं, जबकि एक रीढ़ के समीप पीठ की ओर दिखाई दे रही थी। इस दौरान फेफड़े, डायफ्राम, आमाशय, छोटी आंत, प्लीहा और मूत्राशय गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो चुके थे। प्रो. डॉ. समीर मिश्रा के नेतृत्व में डॉ. नरेंद्र कुमार और ट्रॉमा सेंटर की टीम ने तत्काल इलाज शुरू किया। फेफड़ों में हवा और खून भरने के कारण पहले इंटरकॉस्टल ड्रेन डाली गई और सुबह सात बजे मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया। डॉक्टरों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि सरियों को सीधे बाहर निकालने से भारी रक्तस्राव हो सकता था।

8 साल के बच्चे को टीचर ने बुरी तरह पीटा

बाड़मेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के एक प्राइवेट स्कूल में टीचर ने मैथ की कॉपी नहीं लाने पर चौथी क्लास के स्टूडेंट को डंडे से बुरी तरह पीटा। जिससे बच्चा बेहाश हो गया। यह देख स्कूल स्टाफ घबरा गया। एक टीचर ने स्टूडेंट के परिजनों को सूचना दी। परिजन स्कूल पहुंचे और बच्चे को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

मामला चौहटन के टीपीएस पब्लिक स्कूल का गुरुवार सुबह 10 बजे का है। डॉ. रतनाराम चौधरी ने बताया - हॉस्पिटल में बच्चे को करीब 10.30 बजे लाया गया था। तुरंत इलाज के बाद हालत में सुधार आ गया था।

करीब आधे घंटे तक ओपीडी में निगरानी में रखा गया। मारपीट से नीले निशान (नील) पाए गए। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई थी। वहीं स्कूल संचालक का कहना है कि मामले में टीचर की गलती होगी तो उसे स्कूल से निकाल देंगे।

बच्चे के पिता ने बताया - मेरा 8 साल का बेटा प्राइवेट टीपीएस पब्लिक स्कूल में चौथी क्लास में पढ़ता है। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे बस से स्कूल गया था। करीब 10 बजे क्लास में गणित के टीचर गणपत ने कॉपी मांगी।

बच्चे ने बताया कि वह गणित की कॉपी घर पर भूल गया है। कल लेकर आएगा। इस पर टीचर ने डंडे से उसकी पिटाई कर दी। जिससे उसे चक्कर आने लगे और बच्चा अचेत हो गया। इसके बाद स्कूल के अन्य टीचर जसवंत ने हमें फोन करके तबीयत बिगड़ने की सूचना दी। सूचना मिलने पर हम स्कूल पहुंचे तो बेटे की तबीयत खराब थी। पूछने पर उसने बताया कि गणित की कॉपी घर पर छूटने पर शिक्षक ने डंडे से पीटा।

रायपुर में ई-20 पेट्रोल डालने से इंजन खराब

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में पेट्रोल में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में ई20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाएं।

कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो। अगर ऐसा नहीं किया तो कंपनी को वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपए और अन्य खर्च भी लौटाने होंगे।

ई-20 से कार खराब होने पर कस्टमर को मुआवजा देने का यह देश का पहला मामला है।

डॉ. प्रेमराज देबता ने बताया कि उन्होंने जून 2024 में मारुति सुजुकी की नेक्सा डीलरशिप से ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस खरीदी थी। खरीदारी के समय डीलर ने बताया था कि कार दिसंबर 2023 में मैन्युफैक्चर हुई है, लेकिन बाद में आयोग के रिकॉर्ड से पता चला कि कार जनवरी 2023 में मैन्युफैक्चर हुई थी। डॉ. प्रेमराज रोजाना 150 से 200 किलोमीटर तक सफर करते हैं, इसलिए उन्होंने हाइब्रिड गाड़ी ली थी। शुरुआत में वाहन ठीक चला, लेकिन 5 महीने बाद 11 नवंबर 2024 को अचानक डैशबोर्ड पर इंजन मालफंक्शन का अलर्ट आया और कार बंद हो गई।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व में भारतीयों का दबदबा

पूर्व आरबीआई गवर्नर रघुराम राजन समेत तीन दिग्गजों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पिछले कई सालों से जारी उच्च मुद्रास्फीति (महंगाई) से निपटने और अपनी आर्थिक नीतियों को नए सिरे से सुधारने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने तीन भारतीयों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने सेंट्रल बैंक की पांच नई टास्क फोर्स में आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन, दिल्ली में जन्मे भारतीय-अमेरिकी अर्थशास्त्री राज चेट्टी और भारतीय मूल की माइक्रोसॉफ्ट की सीनियर एग्जीक्यूटिव आशा शर्मा को शामिल किया है।

फेडरल रिजर्व के नए अध्यक्ष केविन वॉर्श ने जो पांच स्पेशल टास्क फोर्स (कमेटियां) बनाई है, उनमें दुनिया के कई दिग्गज शामिल हैं, जैसे बैंक ऑफ इंग्लैंड के पूर्व गवर्नर मर्विन किंग, वॉलमार्ट के पूर्व सीईओ डग मैकमिलन और नोबेल पुरस्कार विजेता थॉमस सार्जेंट। इस फैसले पर फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श ने कहा, मुझे गर्व है कि दुनिया के सबसे बेहतरीन एक्सपर्ट्स हमारी संस्था के प्रदर्शन को सुधारने के लिए साथ काम करने को तैयार हुए हैं. हमारा लक्ष्य साफ है कि फेडरल रिजर्व इस मुश्किल समय में अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सबसे मजबूत स्थिति में रहे।

रघुराम राजन क्या करेंगे ?

फेड चेयरमैन ने राजन की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन कहा कि इस टास्क फोर्स का उद्देश्य केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से ऊपर चल रही मुद्रास्फीति के पांच साल से अधिक समय के बाद फेडरल रिजर्व में नई सोच का संचार करना है।

रघुराम राजन फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट व्यवस्था के लाभ और संस्थागत प्रभावों की जांच करने वाले पैनल का हिस्सा होंगे

अर्थशास्त्री राज चेट्टी

राज चेट्टी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में भारतीय-अमेरिकी लोक अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। वह शिकागो विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री केविन मर्फी के साथ मिलकर डेटा टास्क फोर्स का सह-नेतृत्व करेंगे। यह समूह फेडरल रिजर्व के नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करने वाले वास्तविक आर्थिक संकेतों की गुणवत्ता और समयबद्धता में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

आशा शर्मा

भारतीय मूल की आशा शर्मा को इस साल माइक्रोसॉफ्ट के गेमिंग और एक्सबॉक्स का सीईओ नियुक्त किया गया था। वे वेंचर कैपिटलिस्ट मार्क एंड्रीसेन और स्टैनफोर्ड के अर्थशास्त्री चार्ल्स आई. जोन्स के साथ मिलकर 'उत्पादकता और रोजगार' कमेटी में काम करेंगी।

केविन वॉर्श ने कहा, मैंने 15 ऐसे लोगों से संपर्क किया जिन्हें मैं जानता हूं और जिन पर मुझे भरोसा है, जिनके विचार विविध हैं। यह पारदर्शिता और नए विचारों की दिशा में एक कदम है। हमारा उद्देश्य मौद्रिक नीति के संचालन में बेहतर निर्णय लेना और उच्च मुद्रास्फीति के इन वर्षों को पीछे छोड़ना है, यह टीम संचार, बैलेंस शीट नीति, आर्थिक आंकड़ों का उपयोग, उत्पादकता और रोजगार, और मुद्रास्फीति ढांचा की जांच करेगी।

ऐसे नहीं चलेगा! ईरान युद्ध से भारत ने सीखा सबक

आयात कम करने के लिए सरकार ने कसी कमर

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में खराब होते हालात और भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच सरकार इकॉनमी के लिए जरूरी चीजों के आयात में कमी लाने के लिए कई कदम उठा रही है। इनका मकसद सप्लाई चेन को सुरक्षित रखना और करेंसी पर दबाव कम करना है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पीएम ऑफिस ने प्रमुख मंत्रालयों को उन सामानों की पहचान करने का निर्देश दिया है, जिनके लिए आयात पर निर्भरता ज्यादा है और जिन्हें स्थानीय रूप से बने उत्पादों से बदला जा सकता है। सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी और अन्य प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय 100 से ज्यादा उत्पादों की सूची तैयार कर रहा है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल, जरूरी दवाएं, फर्टिलाइजर, सेमीकंडक्टर, ऑटोमोबाइल और मशीनरी शामिल हैं। देश में इन चीजों का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। कई मंत्रालयों के बीच इस बारे में चर्चा चल रही है। हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

कैसे सामने आई कमजोरी?

घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कैबिनेट ने बुधवार को चिप और स्मार्टफोन उत्पादन के लिए 1.9 लाख करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी। साथ ही देश में फर्टिलाइजर उत्पादन बढ़ाने की नीति को भी मंजूरी दी गई। भारत की मैन्युफैक्चरिंग काफी हद तक विदेशों खासकर चीन से आने वाले कच्चे माल पर निर्भर है। इससे सप्लाई में रुकावट आने पर यह इंडस्ट्री कमजोर हो जाती है। पिछले साल ऑटो और टेक इंडस्ट्री में ऐसा देखने को मिला था। ईरान युद्ध ने भारत की निर्भरता को और उजागर कर दिया है। हाल के महीनों में ऊर्जा की भारी कमी और आयात बिलों में भारी वृद्धि हुई है। इससे रुपये में भारी गिरावट आई है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष के दौरान लगभग 775 बिलियन मूल्य के सामान का आयात किया। इसमें से लगभग पांचवां हिस्सा अकेले चीन से आया। घरेलू क्षमता बढ़ाना अब पीएम नरेंद्र मोदी के आर्थिक एजेंडे का एक अहम हिस्सा है।

कौन कर रहा है माथापच्ची?

इसका मकसद व्यापार घाटा कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना और भारत को चीन के विकल्प के तौर पर मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है। सूत्रों का कहना है कि शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली एक टास्क फोर्स अर्थव्यवस्था के लिए इम्पोर्ट सब्स्टीट्यूशन का ब्लूप्रिंट तैयार कर रही है। मोदी ने प्रमुख सरकारी मंत्रालयों को ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने का निर्देश दिया है जहां भारत ज्यादा कुशलता से और कम लागत पर सामान बना सकता है। सरकार देश में फैक्ट्री लगाने के लिए प्राइवेट और विदेशी निवेशकों को मैन्युफैक्चरिंग इंसेंटिव देने पर विचार कर सकती है या सरकारी कंपनियों से जॉइंट वेंचर के जरिए अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए कह सकती है।

वाहन खराब होने पर उपभोक्ता फोरम ने कंपनी को दिया ग्राहक को नई कार देने का आदेश

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश में ग्रीन फ्यूल के तौर पर प्रमोट किए जा रहे ई20 (20% इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर चल रही बड़ी बहस के बीच छत्तीसगढ़ से एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसला सामने आया है। रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (अतिरिक्त पीठ) ने वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके डीलर को एक ग्राहक की ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कार को बदलकर उसी मॉडल का नया ई20-कंपैटिबल (अनुकूल) वाहन देने का कड़ा आदेश जारी किया है। उपभोक्ता आयोग ने इस मामले में कंपनी और डीलर दोनों को 'सेवा में कमी' और 'अनुचित व्यापार व्यवहार' का दोषी माना है। 14 जुलाई 2026 को आया यह ऐतिहासिक फैसला देश में इथेनॉल मिश्रित ईंधन के उपयोग और वाहन निर्माताओं द्वारा पारदर्शिता बरतने की अनिवार्यता पर एक बड़ा कानूनी संदेश देता है।

क्या है ई20 ईंधन से जुड़ा यह पूरा विवाद ?

यह मामला रायपुर के रहने वाले 41 वर्षीय किडनी रोग विशेषज्ञ (नेफ्रोलॉजिस्ट) डॉ. प्रेमराज देवता से जुड़ा है। डॉ. देवता ने 3 जून 2024 को मारुति सुजुकी की 'ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस' कार 18,29,000 रुपये में खरीदी थी। शिकायत के मुताबिक, कार खरीदने के समय उन्हें यह बिल्कुल नहीं बताया गया था कि यह गाड़ी व्यापक रूप से उपलब्ध ई20 इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के पूर्ण अनुकूल नहीं है। बाद में पता चला कि जो गाड़ी उन्हें नई बताकर जून 2024 में बेची गई थी, वह वास्तव में जनवरी 2023 में निर्मित की गई थी- यानी बिक्री से लगभग 17 महीने पहले। कार करीब 21,913 किलोमीटर तक बिना किसी परेशानी के चली, लेकिन नवंबर 2024 में इसके डैशबोर्ड पर अचानक इंजन की खराबी का सिग्नल आ गया। इसके बाद बार-बार डीलर के वर्कशॉप जाने, फ्यूल टैंक साफ कराने और स्पेयर पार्ट्स बदलने के बाद भी कार लगातार खराब होती रही। थक-हारकर ग्राहक ने कंपनी और रायपुर के नेक्सा मैग्नेटो (स्काई ऑटो मोबाइल) डीलर के खिलाफ आयोग का दरवाजा खटखटाया। इस बीच, मार्च 2025 से ग्राहक को एक वैकल्पिक कार (लोनर वाहन) दी गई थी, जबकि उनकी अपनी गाड़ी डीलरशिप पर ही खड़ी रही। फोरम के समक्ष मारुति सुजुकी और डीलर ने शिकायत का कड़ा विरोध किया। उनके वकीलों ने दलील दी कि गाड़ी के इंजन में आई खराबी किसी मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट (निर्माण संबंधी कमी) के कारण नहीं थी, बल्कि इसमें मिलावटी या प्रदूषित ईंधन के इस्तेमाल से हुई थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-53
भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -50
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष शुक्रवार 17 July 2026
तिथि - तृतीया 06-28 तक उपरान्त (चतुर्थी क्षय)
नक्षत्र - मघा 18-34 तक उप पूर्वाफाल्गुनी
योग - व्यतिपात 22-46 तक उप वरियान
करण - गर 06-28 तक उप वणिज

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लगनारभ समय		
कर्क---	05-52	बजे
सिंह---	08-05	बजे
कन्या--	10-12	बजे
तुला-----	12-17	बजे
वृश्चिक---	14-26	बजे
धनु----	16-40	बजे
मकर--	18-46	बजे
कुंभ---	20-37	बजे
मीन---	22-16	बजे
मेष----	23-52	बजे
वृष-----	01-36	बजे
मिथुन--	03-40	बजे

मघा नक्षत्र शांति

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-45 से 12-22 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया		
चंचल	05 -53 - 07-29	शुभ
लाभ	07-29 - 09-07	शुभ
अमृत	09-07 - 10-45	शुभ
काल	19-45 - 12-22	अशुभ
शुभ.	12-22 - 13-59	शुभ
रोग	13-59 - 15-38	अशुभ
उत्पात	15-38 - 17-15	अशुभ
चंचल	17-15 - 18-50	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-50 - 20-15	अशुभ
काल	20-15 - 21-38	अशुभ
लाभ	21-38 - 23-00	शुभ
उत्पात	23-00 - 00-22	अशुभ
शुभ.	00-22 - 01-45	शुभ
अमृत	01-45 - 03-07	शुभ
चंचल	03-07 - 04-30	शुभ
रोग	05-30 - 05-53	अशुभ

सोना 189 गिरकर 1.42 लाख पर आया

चांदी 680 बढ़कर 2 .20 लाख किलो पर पहुंची, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

सोने के दाम में आज यानी 16 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 189 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 680 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 9 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 10 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.20 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

जेपी ग्रुप के होटल चलाएगी यूरोप की सबसे बड़ी कंपनी!

गौतम अडानी तैयार कर रहे हैं बड़ा प्लान

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जेपी ग्रुप के बिक चुके होटलों को चलाने की जिम्म्मेदारी यूरोप यूरोप के सबसे बड़े हॉस्पिटैलिटी ग्रुप एक्कोर और आईटीसी को मिल सकती है।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने कर्ज में डूबे जेपी ग्रुप की होल्डिंग कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए अडानी एंटरप्राइजेज के 14,535 करोड़ के रेजोल्यूशन प्लान को मंजूरी दी थी।

इस डील में जेएएल का रियल एस्टेट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और हॉस्पिटैलिटी बिजनेस शामिल हैं।

दिल्ली और आगरा में जेपी ग्रुप के होटलों को मैनेज करने के लिए अडानी ग्रुप यूरोप के सबसे बड़े हॉस्पिटैलिटी ग्रुप एक्कोर के साथ बातचीत कर रहा है। एक्कोर इन प्रॉपर्टीज के नवीनीकरण और अपग्रेडिंग के लिए कुछ निवेश भी कर सकती है। इसके अलावा अडानी ग्रुप ग्रेटर नोएडा में स्थित जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट को मैनेज करने के लिए आईटीसी होटल्स के साथ भी अलग से चर्चा कर रहा है।

कहां-कहां है जेपी ग्रुप के होटल ?

अडानी ग्रुप, एक्कोर और आईटीसी होटल्स को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला था। 900 एकड़ में फैले जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजॉर्ट में एक गोल्फ कोर्स है जिसे ग्रेग नॉर्मन ने डिजाइन किया है।

इस रिजॉर्ट में 170 कमरे और सुइट, सात डाइनिंग वेन्यू और 90,000 वर्ग फुट में फैला एक स्पा भी है। जेएएल के होटल पोर्टफोलियो में जेपी पैलेस होटल एंड कन्वेंशन सेंटर आगरा, जेपी वसंत कॉन्टिनेंटल नई दिल्ली, जेपी रेजिडेंसी मैनर मसूरी और जेपी सिद्धार्थ नई दिल्ली भी शामिल हैं। अडानी ग्रुप हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने पर विचार कर रहा है। ग्रुप की कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने देश के कुछ चुनिंदा एयरपोर्ट्स के करीब पांच होटल विकसित करने के लिए मई में आईएचजी होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के साथ एक एग्रीमेंट किया था। इस पोर्टफोलियो से लगभग 1,500 कमरे जुड़ने की उम्मीद है।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी रचनात्मकता और तीक्ष्ण सोच आपको आसानी से सीखने और विचारों को व्यक्त करने में मदद करती है। आप जानकारी को जल्दी से अवशोषित करते हैं और सीखने के माहौल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। भावनात्मक उतार-चढ़ाव संचार को प्रभावित कर सकते हैं।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें। आपके पास मजबूत प्रेरक क्षमताएं हैं।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आप पा सकते हैं कि चुपचाप और स्वतंत्र रूप से काम करने से सबसे अच्छे परिणाम मिलते हैं। ज़िम्मेदारी की एक मज़बूत भावना आपको केंद्रित रखती है, जबकि भावनात्मक गहराई आपके प्रयासों को अर्थ देती है। सहानुभूति आपकी बातचीत का मार्गदर्शन करती है, और विनम्र बने रहने से आपको चुनौतियों से पार पाने में मदद मिलती है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
साहसी ऊर्जा आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करती है, जबकि नए विचार नए दृष्टिकोणों को जन्म देते हैं। स्पष्ट सोच और निरंतर प्रयास प्रगति की ओर ले जाते हैं। हालाँकि कभी-कभी आपको लय में कुछ कमी महसूस हो सकती है, लेकिन आपके सामाजिक संबंध आपको सहारा देते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप खुद को साहसी और भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करते हैं, जिससे यह आपके करियर में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाने का एक बेहतरीन समय है। जमीन पर बने रहने के लिए व्यावहारिक, तथ्य-आधारित कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। व्यक्तिगत संबंधों को काम या पढ़ाई में बाधा बनने से रोकें।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
सिंह राशि में सूर्य आज कार्यस्थल पर आपके आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगा और आपको साहसिक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। मेष राशि में चंद्रमा के साथ, पढ़ाई और कार्यों के प्रति आपकी प्रेरणा उच्च रहेगी, जिससे आपको तेज़ी से प्रगति मिलेगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपका आत्मविश्वास और उत्साह आपके काम और पढ़ाई में एक मज़बूत गति प्रदान करते हैं, जिससे आपको साहसिक पहल करने में मदद मिलती है। मानसिक कुशाग्रता आपको अवसरों का लाभ उठाने की शक्ति देती है, लेकिन अनावश्यक बहस या अत्यधिक आलोचनात्मक रवैये से बचें। प्रेरक ऊर्जा प्रबल है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है, वहीं भावनात्मक आवेग गलत कदम उठाने का कारण बन सकता है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपका आत्मविश्वास सबसे अलग है, इसलिए यह काम पर अपने कौशल दिखाने का एक शानदार समय है। अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करें क्योंकि वे आपको रचनात्मक समाधान खोजने में मदद कर सकती हैं। अपनी साहसी ऊर्जा को दयालुता के साथ संतुलित करें, खासकर समूह सेटिंग में।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपका स्वाभाविक करिश्मा आपको काम पर अलग दिखने में मदद करता है, जबकि एक अनुशासित मानसिकता आपको केंद्रित रखती है। करियर में वृद्धि आशाजनक लगती है, जो आशावाद और विस्तार लाती है। रिश्तों में तनाव उभर सकता है, लेकिन शांत और चतुराईपूर्ण संचार किसी भी संघर्ष को कम कर सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप काम पर भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं, जिससे सकारात्मक और सहायक माहौल बनेगा। नए विचार सामने आने की संभावना है, जो आपको नए और आविष्कारशील तरीकों से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे। स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण संचार आपको अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद करता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
एकांत गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करें, धैर्य में शक्ति पाएं। चुनौतियाँ आ सकती हैं, फिर भी आपकी मेहनत रंग लाएगी। आप किसी भी बाधा का डटकर सामना कर पाएंगे। बाधाओं पर काबू पाने में धैर्य रखें। संतुलन बनाए रखें, और आपका समर्पण आपको काम और अध्ययन की मांगों के माध्यम से मार्गदर्शन करेगा।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

क्या है धीरूभाई का वो नुस्खा, जिससे मुकेश अंबानी बने एशिया में सबसे अमीर? अब बच्चों को इसी मंत्र के साथ सौंप रहे कमान

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी भारत के दूसरे सबसे अमीर शख्स हैं। वे न सिर्फ भारत बल्कि एशिया के सबसे अमीर शख्स भी रहे हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कंपनी की सालाना आम बैठक में कहा था कि रिलायंस इंडस्ट्रीज में कामकाज की जिम्मेदारियाँ उनके बच्चों को सौंपने का काम करीब-करीब हो गया है, जो कि उत्तराधिकार की प्रोसेस का आखिरी फेज है।

मगर बच्चों के लिए ऐसा काम करने की फ्रीडम का फॉर्मूला उन्हें अपने पिता से मिला है। आखिर क्या है ऐसा नुस्खा, जो मुकेश अंबानी को पिता से मिला और अब वे इसे अपने बच्चों को सौंप रहे हैं? आइए जानते हैं।

क्या है ये फॉर्मूला ?

18 साल पहले सन 2008 में मुकेश अंबानी ने कहा था कि मेरे लिए सबसे बड़ा फायदा यह रहा कि मेरे पिता ने मुझे 'फर्स्ट-जनरेशन' (पहली पीढ़ी) के तौर पर स्वीकार किया। बिजनेस करने की यह सोच नेक्स्ट जनरेशन यानी उनके बच्चों तक भी पहुँची है। अब मुकेश, रिलायंस जियो जैसे वेंचर्स में अपने बच्चों और युवा एग्जीक्यूटिव्स को प्रोत्साहित करते हैं कि वे कंपनी को डायनामिक बनाए रखने के लिए उनकी बात को भी गलत साबित कर सकें या उसे न मानें। यानी ये उन्हें फ्रीडम देते हैं।

पिता ने दी थी ऑटोनोमी

मुकेश अंबानी ने 18 साल पहले एक इंटरव्यू में बताया था कि कैसे उनके पिता, धीरूभाई अंबानी ने उन्हें शुरुआत में ही बहुत ज्यादा आजादी और आर्थिक सपोर्ट भी किया। इस बात का मतलब यह है कि मुकेश अंबानी को सिर्फ अपने पिता की मौजूदा संपत्ति को संभालने के बजाय, नए बिजनेस शुरू से बनाने की आजादी भी मिली थी। उन्हें पहली पीढ़ी का उद्यमी मानकर, धीरूभाई अंबानी ने अपने बेटे को कोई सख्त कॉर्पोरेट ब्लूप्रिंट नहीं दिया और न ही उनके साथ किसी ट्रेनी जैसा बर्ताव किया।

समस्याओं को सुलझाने की बुनियादी काबिलियत मिली

पिता के अनोखे ट्रस्ट ने मुकेश अंबानी को खुद से आगे बढ़ने वाले एक फाउंडर के तौर पर समस्याओं को सुलझाने की बुनियादी काबिलियत डेवलप करने में मदद की। इससे उन्हें आखिर में रिलायंस साम्राज्य को टेलीकॉम और रिटेल जैसे बिल्कुल नए उद्योगों तक फैलाने का आत्मविश्वास मिला। मुकेश अंबानी का कहना है कि वे अपने बच्चों के साथ भी बिल्कुल यही चीज अपनाते हैं।

कितनी है मुकेश अंबानी की नेटवर्थ?

मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप बिजनेसमैन में से हैं। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 8.51 लाख करोड़ आंकी गई है। अप्रैल 1957 में जन्मे, वे मशहूर उद्योगपति धीरूभाई अंबानी के बड़े बेटे हैं। 1980 में, उन्होंने भारत लौटकर पारिवारिक बिजनेस को बढ़ाने में अपने पिता की मदद करने के लिए स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी का एमबीए प्रोग्राम बीच में ही छोड़ दिया था।उनकी लीडरशिप में, आरआईएल भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट-सेक्टर का ग्रुप बना, जिसका कारोबार एनर्जी, पेट्रोकेमिकल्स, रिटेल और टेलीकम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है।

एअर इंडिया एप का कायाकल्पः यात्रियों को मिलेगी तेज सेवा

भारत–केंद्रित नवाचारों पर रहेगा जोर

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। एअर इंडिया ने अपने मोबाइल ऐप को नई सुविधाओं के साथ पूरी तरह से बदल दिया है। इन बदलावों से यात्रियों को अब और तेजी से प्रतिक्रिया मिल सकेगी। साथ ही, भुगतान प्रणाली में भारत-विशिष्ट नवाचारों को भी लागू किया जा सकेगा। एअर इंडिया के अनुसार, ऐप में मुख्य सुधार उड़ान व्यवधानों के दौरान सहायता, भुगतान प्रणाली के अपडेट और इन-हाउस इंटरनेट बुकिंग तंत्र से संबंधित हैं। एयरलाइन के मुख्य डिजिटल और प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने पीटीआई को बताया कि उन्नत मोबाइल ऐप बुकिंग में अधिक आसानी प्रदान करेगा। यह एयरलाइन को ग्राहकों की जरूरतों पर अधिक तेजी से प्रतिक्रिया देने में भी मदद करेगा। गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में एअर इंडिया ने बताया कि ऐप को अब तक करीब 1.7 करोड़ बार डाउनलोड किया जा चुका है। यह प्रतिदिन 1 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करता है। यह आंकड़ा ऐप की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

यात्रियों को कैसे मिलेगी बेहतर सुविधा?

उड़ान में किसी भी व्यवधान की स्थिति में, यात्रियों को होम स्क्रीन से ही होटल आवास और परिवहन सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता संदर्भ के अनुसार उपलब्ध होगी, जिससे यात्रियों को तुरंत समाधान मिल सकेगा। इन-हाउस इंटरनेट बुकिंग तंत्र एक तेज और अधिक प्रतिक्रियाशील उपयोगकर्ता इंटरफेस प्रदान करेगा। इससे बुकिंग प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक सुगम हो जाएगी। यात्री अब अपनी यात्रा से जुड़ी जानकारी और सहायता के लिए इंतजार नहीं करेंगे। यह सुविधा यात्रियों के समय की बचत करेगी और उनकी यात्रा को आरामदायक बनाएगी।

भुगतान प्रणाली में क्या नए बदलाव हुए हैं?

रामास्वामी ने बताया कि भुगतान ऑर्केस्ट्रेशन प्रणाली उन्हें भारत-विशिष्ट कई नवाचार करने की अनुमति देती है। यह इन नवाचारों को तेजी से लागू करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि इससे प्रदर्शन में क्षमता विस्तार और पारदर्शिता भी आएगी। यह प्रणाली भारत के विशिष्ट भुगतान तरीकों और जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इससे लेनदेन सुरक्षित और अधिक कुशल बनेंगे।

ईरान–अमेरिका युद्ध की आशंका से भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती, सेंसेक्स–निफ्टी सपाट

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में सुस्ती का माहौल रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक सपाट बंद हुए। ईरान-अमेरिका युद्ध को लेकर बढ़ती अनिश्चितताओं ने निवेशकों को प्रभावित किया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स मात्र एक अंक बढ़कर 77,187 पर बंद हुआ।

वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 करीब 6 अंक गिरकर 24,073 पर पहुंच गया। बाजार में यह सुस्ती एक्सपायरी के दिन देखी गई। निफ्टी 24,100 के स्तर से नीचे बंद हुआ। इस दौरान अस्थिरता का पैमाना इंडिया वीआईएक्स करीब 3 फीसदी गिरकर 12.88 पर आ गया। शेयरों के क्षेत्रवार प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में करीब 1 फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.5 फीसदी की वृद्धि हुई। पूरे बाजार की चाल मंदी की ओर रही। एनएसई पर 1,776 शेयरों में गिरावट और 1,543 में बढ़त देखी गई। 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बाजार में सुस्ती का क्या कारण रहा?

निवेशकों ने ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को गंभीरता से लिया। इस भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण बाजार में सतर्कता बनी रही। एक्सपायरी के दिन भी निवेशकों ने बड़े दांव लगाने से परहेज किया। इससे प्रमुख सूचकांकों में कोई खास उतार-चढ़ाव नहीं दिखा।

रुपये और शेयरों का क्या हाल रहा?

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 0.1 फीसदी कमजोर होकर 96.3450 पर बंद हुआ। इसका पिछला बंद भाव 96.2550 था। पहली तिमाही के नतीजों से पहले विप्रो के शेयरों में 2 फीसदी की तेजी देखी गई। यह कुछ शेयरों में दिखी सकारात्मकता का एक उदाहरण था।

100% सिलेक्शन के 'गारंटीड बैच' ने ही रखी पेपर लीक की नींव
राजेंद्र राठौड़ का विधानसभा में बड़ा खुलासा

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपर लीक माफिया और कोचिंग सेंटर्स के बीच के अपवित्र गठजोड़ पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने विधानसभा के मंच से एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है। राजस्थान विधानसभा के 75वें स्थापना वर्ष समारोह के दौरान बोलते हुए राठौड़ ने दोटूक कहा कि कोचिंग संस्थानों के बीच 'गारंटीड रिजल्ट' देने की अंधी दौड़ ने ही राजस्थान में पेपर लीक जैसे घिनौने रैकेट की मजबूत नींव रखी थी। राठौड़ ने इस बात पर जोर दिया कि अपने संस्थान का सक्सेस रेट 100 फीसदी दिखाने और बाजार में अपना दबदबा बनाए रखने के लिए कुछ बड़े कोचिंग संस्थान सीधे तौर पर पेपर लीक करने वाले नेटवर्क के सक्रिय हिस्सेदार बन गए। कोचिंग इंडस्ट्री के खौफनाक आंकड़ों को सामने रखते हुए राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि आज कोचिंग का धंधा 58,000 करोड़ रुपये का हो चुका है, जिसके साल 2034 तक तीन गुना होने की संभावना है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे छात्रों की चीखें छुपी हैं। उन्होंने कोटा में छात्रों की आत्महत्याओं के बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की ओर से किए गए एक अध्ययन का हवाला दिया।

इस स्टडी के मुताबिक, कोचिंग में पढ़ने वाले 70 फीसदी छात्र भयंकर तनाव से जूझ रहे हैं, 40 फीसदी डिप्रेशन और नींद न आने की बीमारी का शिकार हैं, जबकि करीब 30 फीसदी छात्रों के मन में कभी न कभी आत्महत्या के विचार आए हैं। राठौड़ ने एनसीआरबी के आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि देश में हर रोज औसतन 40 छात्र दम तोड़ रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक है।

राठौड़ ने कोचिंग संस्थानों के भ्रामक विज्ञापनों पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि '100% सफलता की गारंटी' वाले विज्ञापनों के झांसे में आकर गरीब और मध्यमवर्गीय माता-पिता कर्ज लेकर या अपनी जमा-पूंजी दांव पर लगाकर बच्चों का दाखिला इन 'गारंटीड बैच' में कराते हैं। यही लाचारी और दबाव बच्चों को आत्मघाती कदमों की तरफ धकेलता है। हाल ही में दिल्ली और लखनऊ के कोचिंग सेंटरों में हुए हादसों का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्रों की सुरक्षा और संस्थानों की जवाबदेही तय करने की पुरजोर वकालत की। इस गंभीर संकट के बीच राजेंद्र राठौड़ ने राजस्थान विधानसभा की पीठ थपथपाई। उन्होंने 'राजस्थान कोचिंग सेंटर्स अधिनियम, 2025' को पारित करने के लिए सदन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस बेलगाम हो चुकी इंडस्ट्री को नियंत्रित करने के लिए यह कानून एक बेहद प्रगतिशील और ऐतिहासिक कदम है।

हाईकोर्ट का आया अनूठा आदेश, खुली जेल में सजेगा मंडप
2 उम्रकैदी करेंगे विवाह

जोधपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट के एक अनूठे आदेश के बाद जोधपुर के मंडोर स्थित ओपन एयर कैंप (खुली जेल) में जल्द ही एक उम्रकैद की सजा पाया जोड़ा सात फेरे लेगा। पति की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रही महिला बंदी, हत्या के ही एक अन्य दोषी पुरुष बंदी से विवाह करेगी। अदालत ने कहा कि दो बालिगों का आपसी सहमति से विवाह करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा है। इससे दोषियों के पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा में लौटने की प्रक्रिया भी मजबूत होती है।

न्यायाधीश डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और न्यायाधीश प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने नागौर निवासी मूलाराम की अस्थायी सजा निलंबन याचिका का निस्तारण करते हुए यह आदेश दिया। मूलाराम 16 फरवरी 2017 से आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और वर्तमान में मंडोर ओपन एयर कैंप में रह रहा है। उसकी ओर से अधिवक्ता कालूराम भाटी ने बताया कि वह सीमा गड़से गुलाब से विवाह करना चाहता है। सीमा भी अपने पति की हत्या के मामले में दोषसिद्ध है और फिलहाल 40 दिन की पैरोल पर है।

याचिका में कहा गया कि विवाह से दोनों के पुनर्वास और सुधार की प्रक्रिया को बल मिलेगा तथा वे भविष्य में सामान्य पारिवारिक जीवन जी सकेंगे। इसके समर्थन में राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व निर्णय का हवाला दिया, जिसमें बंदियों के वैवाहिक और संतानोत्पत्ति संबंधी अधिकारों को अनुच्छेद-21 के दायरे में माना गया था।

राज्य सरकार की ओर से पेश रिपोर्ट में दोनों के विवाह की इच्छा और उनके बीच लिव-इन संबंध होने की पुष्टि की गई। लोक अभियोजकों ने भी कहा कि जेल नियमों के तहत ओपन एयर कैंप में विधिसम्मत विवाह कराने पर सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। अदालत ने कहा कि विवाह समाज की आधारभूत संस्था है और दोषसिद्ध बंदियों को भी सहमति से विवाह करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

खंडपीठ ने निर्देश दिया कि विवाह समारोह में दोनों पक्षों के परिवारों के अधिकतम 21 सदस्य, विवाह संस्कार कराने वाले पंडित सहित, ओपन एयर कैंप में प्रवेश कर सकेंगे। अतिथियों की संख्या बढ़ाने का अंतिम निर्णय कैंप प्रशासन करेगा। विवाह की तिथि की पूर्व सूचना देनी होगी और समारोह का पूरा खर्च मूलाराम स्वयं वहन करेगा।

'चुनाव नहीं करा सकते तो हाईकोर्ट से बंदा भेजें?'
निकाय-पंचायत चुनाव में देरी पर सरकार को बड़ी चेतावनी

राजस्थान पंचायत चुनाव देरी पर सख्त हुआ हाई कोर्ट

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव कराने में हो रही लगातार देरी पर राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव अमले को आड़े हाथों लिया है। कोर्ट का गुस्सा इस कदर फूटा कि एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य चुनाव आयुक्त और ओबीसी आयोग के सचिव व सलाहकार को सीधे कोर्ट में तलब कर लिया। अदालत ने साफ कहा कि प्रशासनिक दिक्कतों की आड़ लेकर अदालती आदेशों को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता।

यह पूरा मामला पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की उस अवमानना याचिका पर गरमाया, जिसमें उन्होंने सरकार पर कोर्ट के पुराने आदेशों की जानबूझकर अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य चुनाव आयोग और ओबीसी आयोग की सुस्त कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी जताई। कोर्ट के तेवर भांपकर अफसरों के पसीने छूट गए जब पीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा- 'अगर राज्य चुनाव आयोग इन चुनावों को संपन्न कराने में खुद को लाचार पा रहा है, तो फिर हम इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए हाईकोर्ट से किसी अधिकारी को नियुक्त कर सकते हैं।' इसके साथ ही अदालत ने दोटूक चेतावनी दी कि सरकार उसे ज्यादा सख्त फैसले लेने के लिए मजबूर न करे। अदालत की इस तीखी फटकार के बीच राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने समय सीमा बढ़ाने की गुहार लगाई। सरकार ने दलील दी कि वे कोर्ट के आदेशों की नाफरमानी नहीं कर रहे हैं, बल्कि व्यावहारिक संकट में फंसे हैं। महाधिवक्ता ने तर्क दिया कि राजस्थान की लगभग 50 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखती है। ऐसे में चुनाव की तारीखों का ऐलान करने से पहले इस बड़े वर्ग के लिए संवैधानिक रूप से सही और वैध राजनीतिक आरक्षण की सीमाएं तय करना तकनीकी रूप से अनिवार्य है।

12वीं कक्षा के छात्र की हत्या
झाड़ियों में मिला शव; परिजन बोले- दोस्तों ने ही मार डाला

अलवर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले में 12वीं कक्षा के छात्र की हत्या का मामला सामने आया है। दो दिन से लापता छात्र का लहूलुहान शव नौगांवा थाना क्षेत्र के नेवाड़ी-पड़ावदा गांव स्थित श्मशान घाट की दीवार के पास झाड़ियों में मिला। देर रात शव की पहचान होने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया। परिजनों ने युवक के दोस्तों पर ही हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे हत्या मानते हुए सभी पहलुओं से जांच में जुटी हुई है। थानाधिकारी हरदयाल सिंह ने बताया कि अलवर सदर थाना क्षेत्र के भूगोर से 2 दिन पहले 12वीं कक्षा का छात्र तुषार कुमार लापता हो गया था। काफी तलाश के बाद भी जब बेटे का सुराग नहीं लगा तो परिजनों ने गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाया था। नौगांवा थाना क्षेत्र के नेवाड़ी-पड़ावदा गांव स्थित श्मशान घाट की दीवार के पास झाड़ियों में युवक का लहूलुहान शव मिलने से की सूचना पर मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य जुटाए।

पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 21 वर्ष प्रतीत हो रही थी। युवक के सिर के पीछे गंभीर चोट का निशान है तथा शव लहूलुहान अवस्था में मिला था। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम दृष्टया मामला हत्या का माना जा रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अलवर के सामान्य चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवा दिया है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थाना क्षेत्रों सहित गुमशुदगी के रिकॉर्ड भी खंगाले गए। देर रात मृतक की पहचान हो पाई। परिजनों ने 14 जुलाई को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छात्र अपने नौगांवा के तसई इंदिरा कॉलोनी के संजू व अजीत के साथ गया था। पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

महिला जेल में डिप्टी सुपरिटेंडेंट कैदियों से कर रही थी अवैध वसूली, सीएम के निर्देशों पर सख्त एक्शन

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित महिला जेल से भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जेल में बंद महिला कैदियों से अवैध वसूली और प्रताड़ना के आरोपों में घिरी महिला जेल की डिप्टी सुपरिंटेंडेंट सरोज बिश्नोई को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड (निलंबित) कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के कड़े रुख के बाद जेल प्रशासन ने यह बड़ी कार्रवाई की है। सीएम ने कानून-व्यवस्था पर बैठक के अगले ही दिन पुलिस अफसरों के खिलाफ मिली शिकायतों के बाद कार्रवाई को मंजूरी दे दी थी। सरोज बिश्नोई का निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय जयपुर से बदलकर भरतपुर जेल कर दिया गया है।

मिली जानकारी अनुसार, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट सरोज बिश्नोई पर आरोप है कि वे महिला जेल में बंद महिला कैदियों को विभिन्न तरीकों से परेशान करती थीं। जेल के भीतर बुनियादी सुविधाएं देने या बैरक बदलने के नाम पर उनसे मोटी रकम की वसूली कर रही थीं। यह भी आरोप लगा है कि सरोज विश्नोई के खिलाफ शिकायतें मिली थीं कि वे एक महिला कैदी को अपने साथ रखती थीं। महिला बंदी का दफ्तर के कामों में कर्मचारियों की तरह हस्तक्षेप था। सरोज विश्नोई पर पैसे लेकर बंदियों को नियम विरूद्ध सुविधाएं उपलब्ध करवाए जाने की भी शिकायतें मिली है। इसमें परिजनों के राहत देने के नाम पर भी करप्शन करने की बात सामने आई है।

पिछले कुछ समय से जेल प्रशासन से और मुख्यमंत्री कार्यालय को सरोज बिश्नोई के खिलाफ लगातार गंभीर शिकायतें मिल रही थीं। शुरुआती विभागीय जांच के सत्यापन के बाद सरोज बिश्नोई के खिलाफ मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीएम भजनलाल शर्मा ने कानून व्यवस्था को लेकर मीटिंग की है। इसमें साफ तौर पर सीएम ने कहा कि अपराध से जुड़े मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाए।सीएम के स्पष्ट और कड़े निर्देशों के बाद जेल विभाग हरकत में आया।

डायलिसिस कराने से महिला मरीजों ने किया मना, सरकार से मांगी इच्छामृत्यु

कोटा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशियलिटी विंग में भर्ती सीजेरियन पीड़ित महिलाओं के मामले में नया मोड़ आ गया है। सीजेरियन के करीब 70 दिन बाद किडनी संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहीं चार महिला मरीज मीडिया के सामने आईं और अपनी पीड़ा साझा की। नेफ्रोलॉजी वार्ड में भर्ती इन महिलाओं ने अब डायलिसिस कराने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि लंबे समय से इलाज के बावजूद स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है, इसलिए उन्होंने इच्छामृत्यु की मांग भी उठाई है।

दो दिन पहले इन महिलाओं के परिजनों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर किडनी ट्रांसप्लांट कराने की मांग की थी। परिजनों ने प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया था, जिसकी अवधि पूरी हो गई। इसके बाद महिलाएं खुद मीडिया के सामने आईं और डायलिसिस नहीं कराने की बात कही। उनका कहना है कि उनकी किडनियां ठीक से काम नहीं कर रही हैं और हर दूसरे दिन होने वाले डायलिसिस से शरीर पूरी तरह टूट चुका है।

पीड़ित महिलाओं रागिनी, पिंकी और धन्नी बाई ने बताया कि वे मई महीने में अस्पताल में भर्ती हुई थीं, जहां उनका सीजेरियन ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन के बाद 70 दिन से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन वे अब भी अस्पताल में भर्ती हैं। उनका कहना है कि डायलिसिस के दौरान उन्हें तेज बुखार आता है, हालत बिगड़ जाती है और असहनीय दर्द होता है। इसलिए अब वे केवल किडनी ट्रांसप्लांट कराना चाहती हैं और डायलिसिस नहीं कराएंगी।

वहीं, कोटा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन ने कहा कि जिन पांच महिलाओं की सीजेरियन के बाद तबीयत गंभीर हुई थी, उनकी स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर है और लगातार सुधार हो रहा है। उन्होंने बताया कि जरूरत के अनुसार ही मरीजों का डायलिसिस किया जा रहा है। फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी कि उन्हें कब तक डायलिसिस की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक किडनियां सामान्य रूप से काम करना शुरू नहीं करतीं, तब तक डायलिसिस जरूरी है।

500 रुपये गायब हुए तो तलाशी के नाम पर उतरवाए छात्राओं के कपड़े, हंगामे के बाद शिक्षिका निलंबित

सवाई माधोपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले के गंगापुर सिटी उपखंड के बामनवास क्षेत्र स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लिवाली में छात्राओं के साथ कथित अभद्र व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक अध्यापिका के 500 रुपये गायब होने पर कक्षा 9 और 11 की छात्राओं की तलाशी के नाम पर उन्हें कपड़े उतरवाकर निर्वस्त्र किया गया। घटना की जानकारी घर पहुंचने पर छात्राओं ने परिजनों को दी, जिसके बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। हंगामे के बाद शिक्षा विभाग ने आरोपी वरिष्ठ अध्यापिका को निलंबित कर दिया है, जबकि एक व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक को कार्यमुक्त कर दिया गया है।

विद्यालय में कार्यरत एक अध्यापिका के 500 रुपये गायब हो गए थे। काफी तलाश के बाद भी रुपये नहीं मिलने पर संदेह के आधार पर कक्षा 9 और 11 की छात्राओं को एक कमरे में ले जाकर उनकी तलाशी ली गई। आरोप है कि तलाशी के दौरान छात्राओं से कपड़े उतरवाए गए। इस घटना से छात्राएं मानसिक रूप से आहत हो गईं और घर जाकर परिजनों को पूरी जानकारी दी।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक और ग्रामीण विद्यालय पहुंच गए। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया और विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। सूचना मिलने पर बामनवास की कार्यवाहक मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रतिभा मीणा और पुलिस मौके पर पहुंची। सीबीईओ ने छात्राओं के बयान दर्ज किए और पूरे मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भेजी। ग्रामीणों ने संबंधित दोनों अध्यापिकाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन जारी रखा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ अध्यापिका (हिंदी) सरस्वती मीणा को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, राजाखेड़ा (धौलपुर) निर्धारित किया गया है। वहीं व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षक वंदना शर्मा को सेवा प्रदाता कंपनी के लिए कार्यमुक्त कर दिया गया है।

दुबई में कारोबारी के अपहरण कांड में बड़ा खुलासा, दो और आरोपी गिरफ्तार
मास्टरमाइंड लुत्फी की तलाश

भीलवाड़ा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दुबई में भीलवाड़ा के कारोबारी का अपहरण कर 10 दिन तक बंधक बनाकर मारपीट करने और 40 लाख रुपये की फिरौती वसूलने के मामले में भीलवाड़ा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अब तक इस मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। अदालत ने दो आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया, जबकि मुख्य भूमिका निभाने वाले आरोपी मोइन खान को सात दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

सुभाष नगर थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया कि जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर कारोबारी मुकेश टेलर के साथ दुबई में मारपीट करने वाले मोइन खान और उसके सहयोगी वसीम को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले पुलिस फाइनेंसर योगेश मूंदड़ा को गिरफ्तार कर चुकी है। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया, जहां से योगेश मूंदड़ा और वसीम को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया, जबकि मोइन खान को सात दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा गया। पुलिस का मानना है कि यह मामला केवल अपहरण और फिरौती तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय अवैध वसूली गिरोह काम कर रहा है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गिरोह के वित्तीय लेन-देन, विदेश में मौजूद नेटवर्क और अन्य सहयोगियों के बारे में पूछताछ की जाएगी।

जांच में सामने आया है कि कारोबारी को दुबई में जिस फ्लैट में 10 दिन तक बंधक बनाकर रखा गया था, वह भीलवाड़ा के पूर्व पार्षद एवं मुख्य आरोपी फजले रऊफ शेख उर्फ लुत्फी से जुड़ा हुआ है। इसी आधार पर उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है, ताकि दुबई पुलिस के सहयोग से उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। पुलिस उसकी तलाश के साथ-साथ अन्य फरार आरोपियों की भी खोज कर रही है।

नगर निगम मुख्यालय के पास चलती लग्जरी कार में अचानक लगी आग
मिनटों में सड़क पर लगी भीड़

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम मुख्यालय के पास गुरुवार सुबह एक चलती लग्जरी कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहत की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग समय रहते बाहर निकल आए, जिससे किसी व्यकित को नुकसान नहीं पहुंचा। जानकारी के अनुसार आस-पास के लोगों ने आग बुझाने में मदद की और कुछ देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

ट्रेन से बाड़मेर आते और रात में वारदात कर लौट जाते, 8 जिलों में चोरी करना कबूला

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

बाड़मेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कोतवाली थाना पुलिस ने शास्त्रीनगर स्थित एक बंद मकान में हुई नकबजनी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का सरगना श्रीगंगानगर का निवासी है, जबकि अन्य दो आरोपी पंजाब और हनुमानगढ़ के हैं। आरोपियों ने बाड़मेर सहित 8 जिलों में दर्जनों चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट ने बताया कि 18 जून की रात शास्त्रीनगर निवासी किशोर कुमार जटिया के मकान के ताले तोड़कर सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ली गई थी। परिवार उस समय मनाली घूमने गया हुआ था। मामले में कोतवाली थाने में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। सहयोग से गिरोह के सरगना सुभाष उर्फ शास्त्री उर्फ भगतजी निवासी घड़साना (श्रीगंगानगर), सज्जन कुमार निवासी अमरपुरा (फाजिल्का, पंजाब) और रवी कुमार सोनी निवासी सुरेशिया (हनुमानगढ़) को गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और चोरी का माल बरामद करने के प्रयास जारी हैं। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और चोरी का माल बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

रिश्वत में 1000 रुपए और मुर्गा लिया, 12 साल पुराने मामले में एएसआई को 4 साल की सजा

भीलवाड़ा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। एसीबी कोर्ट ने एक हजार रुपए की घूस और मुर्गा लेने के 12 साल पुराने मामले में जहाजपुर पुलिस थाने के तत्कालीन सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) कालूराम कहार को दोषी माना। न्यायालय ने फैसले में आरोपी सहायक उप निरीक्षक को चार साल के कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार परिवादी जहाजपुर के गेगा का खेड़ा निवासी रमेशचन्द्र मीणा एवं उसके चचेरे भाई फोरूलाल मीणा ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा इकाई में 23 जुलाई 2014 को रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि परिवादी गण की सामलाती जमीन पर घौड़ गांव का मथुरा मीणा जबरन हंकाई कर कब्जा करना चाहता है। जिसकी रिपोर्ट भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर पुलिस थाने में दी। यहां सहायक उप निरीक्षक कालूराम कहार ने आगे की कार्रवाई के लिए तीन हजार की घूस राशि मांगी। इस पर घर जाकर उसे एक हजार रूपए की राशि देकर आए, लेकिन वह दो हजार की राशि को लेकर परेशान कर रहा है।

अवैध हथियार फैक्ट्री का खुलासा : 2 आरोपी गिरफ्तार, हरियाणा-यूपी में होती थी सप्लाई

गिरफ्तार आरोपी

भरतपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के कामां थाने के गांव लुहेसर में पुलिस ने अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पकड़ी है। यह फैक्ट्री पिछले करीब डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से चल रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यहां बने हथियार राजस्थान के अलावा हरियाणा व उत्तर प्रदेश में भी बेचे गए थे। आशंका है कि गिरफ्तार बदमाशों ने आसपास के इलाकों में कहीं गैंगस्टर्स को तो हथियार सप्लाई नहीं किए हैं, क्योंकि इससे पूर्व भी गैंगस्टर्स को अवैध हथियार सप्लाई में मेवात का नाम आता रहा है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 7 अवैध हथियार एवं हथियार बनाने की मशीनें व कलपुर्जे जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार 14 जुलाई को डीएसटी टीम प्रभारी को सहायक उप निरीक्षक की ओर से गांव लुहेसर में इन्ताज पुत्र साहब खां के मकान पर बड़े स्तर पर अवैध हथियारों का निर्माण किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस थाना कामां से पुलिस ने जाब्ते के साथ मकान पर दबिश दी। जहां मकसूद पुत्र नसरू मेव (42) निवासी लुहेसर थाना कामां जिला डीग एवं इन्ताज पुत्र साब खां मेव (35) निवासी लुहेसर थाना कामां को गिरफ्तार किया।

बीडीएल ने मनाया 57वां स्थापना दिवस गुणवत्ता और नवाचार पर दिया गया जोर

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने गुरुवार को अपने सभी संयंत्रों और कार्यालयों में 57वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शैलेश वागेरवाल ने स्थापना दिवस का केक काटकर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में निदेशकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों एवं कर्मचारी संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर, बाबू जगजीवन राम, महात्मा ज्योतिराव फुले तथा भारत रत्न डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर

कर्मचारियों को संबोधित करते हुए शैलेश वागेरवाल ने बीडीएल परिवार को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने वर्तमान एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारों, ग्राहकों, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, व्यावसायिक सहयोगियों तथा अन्य सभी हितधारकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से ही बीडीएल निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कर्मचारियों से ग्राहक संतुष्टि, समयबद्ध आपूर्ति, परिचालन उत्कृष्टता, उच्च गुणवत्ता, नवाचार और टीम भावना के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने का आह्वान किया, ताकि सशस्त्र बलों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करते हुए विकसित भारत के लक्ष्य में प्रभावी योगदान दिया जा सके। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने बीडीएल को वैश्विक स्तर पर सम्मानित रक्षा विनिर्माण कंपनी के रूप में स्थापित करने का अपना दृष्टिकोण भी साझा किया। उन्होंने ग्राहक-प्रथम नीति, गुणवत्ता, समय पर आपूर्ति, नवाचार, जवाबदेही, ईमानदारी और टीमवर्क को कंपनी की भावी सफलता का आधार बताया।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करने में बीडीएल की महत्वपूर्ण भूमिका दोहराते हुए कर्मचारी सशक्तिकरण, सतत प्रशिक्षण, डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी उत्कृष्टता, सुरक्षा, सतत विकास तथा सशस्त्र बलों, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी पर विशेष बल दिया।

बंडी संजय ने स्कूल के गृहकार्य विवाद पर कार्रवाई की मांग की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने उस कथित घटना की कड़ी निंदा की, जिसमें हैदराबाद स्थित सक्सेस स्कूल में कक्षा द्वितीय के एक हिंदू छात्र को होमवर्क के हिस्से के रूप में इस्लामी धार्मिक श्लोक पढ़ने के लिए कहा गया था। हैदराबाद में मीडिया से बात करते हुए बंडी संजय ने कलमा और सूरह अल-फातिहा पढ़ने के निर्देश को घृणित बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि तथाकथित धर्मनिरपेक्ष समूह इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं और पूरे हिंदू समुदाय से इसकी सर्वसम्मति से निंदा करने का आग्रह किया। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि इस घटना को नजरअंदाज करने से तेलंगाना भर में यह संस्कृति फैल सकती है।

इमारतों के विकास के लिए एमईपी सिस्टम का शीघ्र एकीकरण महत्वपूर्ण

नारेडको ने बुनियादी ढांचा नियोजन पर कार्यशाला आयोजित की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (एनएरेडको) तेलंगाना ने इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन (आईपीए) हैदराबाद चैप्टर के सहयोग से सतत और कुशल शहरी विकास के लिए परियोजना नियोजन के प्रारंभिक चरणों में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग (एमईपी) सेवाओं को एकीकृत करने के महत्व को उजागर करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। एमईपी सेवाओं की बुनियादी आवश्यकताएं और आर्किटेक्चर और अन्य सलाहकारों के साथ समन्वय विषय पर आयोजित कार्यशाला में डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स, सलाहकार और उद्योग जगत के पेशेवर एक साथ आए और बुनियादी ढांचा नियोजन, जल प्रबंधन और हितधारक समन्वय में सर्वोत्तम प्रथाओं पर चर्चा की। विशेषज्ञों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रारंभिक एमईपी योजना से महंगे डिज़ाइन परिवर्तनों से बचा जा सकता है, परियोजना की दक्षता में सुधार होता है और भवन का दीर्घकालिक प्रदर्शन बेहतर होता है। सत्रों में उपयोगिता योजना, पंपिंग सिस्टम, जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूटीपी), सीवेज उपचार संयंत्र (एसटीपी) और बड़े आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए सतत जल प्रबंधन जैसे विषयों को शामिल किया गया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, एनएरेडको तेलंगाना के अध्यक्ष के श्रीधर रेड्डी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा गुणवत्तापूर्ण निर्माण जितना ही महत्वपूर्ण है, और साथ ही यह भी कहा कि सुरक्षित, कुशल और टिकाऊ इमारतों के विकास के लिए एमईपी सिस्टम का शीघ्र एकीकरण महत्वपूर्ण है। आईपीए हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष पी. श्रवण कुमार ने कहा कि बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई समस्याएं डिज़ाइन चरण के दौरान खराब योजना के कारण उत्पन्न होती हैं और उन्होंने भविष्य के लिए तैयार, लचीली परियोजनाएं बनाने के लिए डेवलपर्स, आर्किटेक्ट और तकनीकी सलाहकारों के बीच मजबूत समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

बोनालू तेलंगाना की सांस्कृतिक पहचान और आस्था का प्रतीक : राज्यपाल

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि बोनालू उत्सव तेलंगाना की आध्यात्मिक परंपरा, सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक आस्था का प्रतीक है। यह पर्व राज्य की भक्ति, समरसता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रतिबिंबित करता है। गुरुवार को गोलकोंडा किले में भाग्यनगर बोनालू उत्सव समिति द्वारा आयोजित ऐतिहासिक गोलकोंडा बोनालू महोत्सव में राज्यपाल ने श्री जगदंबिका महाकाली अम्मावारु के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बोनालू केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आदिशक्ति के प्रति अटूट श्रद्धा और तेलंगाना की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आषाढ़ मास में मां महाकाली को बोनम अर्पित करने की परंपरा मानव और प्रकृति के बीच सदियों पुराने सामंजस्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पूजा में हल्दी, नीम की पत्तियों और पुष्पों का उपयोग भारतीय पूर्वजों की वैज्ञानिक सोच और पर्यावरण संरक्षण की भावना को दर्शाता है। वहीं घटम, पोथुराजु और रंगम जैसी पारंपरिक रस्में तेलंगाना की विशिष्ट सांस्कृतिक धरोहर को आज भी जीवंत बनाए हुए हैं। राज्यपाल ने कहा कि बोनालू के दौरान समय पर वर्षा, भरपूर फसल और समाज के कल्याण की प्रार्थना भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की भावना को प्रदर्शित करती है। यह उत्सव 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे जनाः सुखिनो भवन्तु' जैसे भारतीय आदर्शों को भी सशक्त करता है, जो विश्व शांति, सद्भाव और समस्त मानवता के कल्याण का संदेश देते हैं। शिव प्रताप शुक्ल ने मां महाकाली से तेलंगाना, देश और विश्व में शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की प्रार्थना करते हुए प्रदेशवासियों को बोनालू पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे इस उत्सव को श्रद्धा, अनुशासन और सांप्रदायिक सौहार्द के साथ मनाएं।

ईटेला ने गोलकुंडा बोनालू में प्रार्थना की, त्योहार की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र ने गुरुवार को आषाढ़ बोनालू उत्सव के प्रारंभ के अवसर पर गोलकोंडा किले स्थित जगदंबा महाकाली मंदिर का दौरा किया और विशेष प्रार्थनाएं अर्पित कीं। बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, मलकाजगिरि सांसद ने बोनालू को तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बताया और कहा कि यह त्योहार गोलकोंडा में पारंपरिक रूप से पहले 'बोनम' चढ़ाने के साथ शुरू होता है, जिसके बाद हैदराबाद और ग्रामीण तेलंगाना में उत्सव मनाया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि भक्त अपने परिवार की खुशहाली, अच्छी बारिश, समृद्ध कृषि, फलते-फूलते व्यवसायों और राज्य के समग्र विकास के लिए प्रार्थना करते हैं। राजेंद्र ने कहा कि गोलकोंडा बोनालू जतारा ने सभी समुदायों के लोगों की सामूहिक भागीदारी के माध्यम से सदियों से तेलंगाना की परंपराओं को संरक्षित रखा है। उन्होंने राज्य के लोगों को बोनालू की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

खिलाड़ी जुनून और एकाग्रता के साथ खेल को कैरियर बनाएं : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि खेल के प्रति जुनून और एकाग्रता ही खिलाड़ियों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाती है। उन्होंने कहा कि बिना लक्ष्य और समर्पण के किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल नहीं की जा सकती। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को टीजी-20 लीग की विजेता हैदराबाद ई-चैंपियंस टीम ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए प्रोत्साहन राशि के चेक प्रदान किए। समारोह में प्रख्यात बैडमिंटन प्रशिक्षक पुलेला गोपीचंद तथा ईनाडु समूह के प्रबंध निदेशक सीएच. किरण भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने और हैदराबाद की खेल क्षेत्र में पुरानी प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने के लिए दूरदृष्टि के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना के लिए विशेष खेल नीति लागू की गई है, जिसके माध्यम से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को राज्य सरकार रोजगार और नकद पुरस्कार प्रदान कर रही है। साथ ही खेल अवसंरचना के व्यापक विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जा चुकी है तथा गाचीबौली स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है, ताकि खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीजी-20 लीग ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस लीग से उभरने वाले खिलाड़ी भविष्य में देश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

सिंचाई विभाग के दो अधिकारी रिश्वत लेते हुए पकड़े गए

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को आदिलाबाद जिले में सिंचाई विभाग के एक कार्यकारी अभियंता और एक सहायक अभियंता को अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए कथित तौर पर 60 हजार रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी के अनुसार, कार्यकारी अभियंता राठौड़ विट्ठल ने कथित तौर पर आदिलाबाद जिले के सोनल गांव में कृषि भूमि पर मुर्गीपालन फार्म के निर्माण की सुविधा के लिए एनओसी जारी करने के बदले एक शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की थी। एनओसी की आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि भूमि के पास से एक छोटी सिंचाई नहर गुजरती है। आरोप है कि रिश्वत सहायक अभियंता रूपावती रमेश के माध्यम से ली गई थी। शिकायत मिलने पर एसीबी अधिकारियों ने जाल बिछाकर सहायक अभियंता के पास से 60,000 रुपये की रिश्वत बरामद की। एसीबी ने कहा कि दोनों अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग किया और अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए बेईमानी से काम किया। उन्हें न्यायिक हिरासत के लिए करीमनगर में एसपीई और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है। आगे की जांच जारी है।

हैदराबाद कांग्रेस ने मतदाताओं की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन शुरू की

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दौरान मतदाताओं की सहायता के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन शुरू की है। टीपीसीसी अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड ने हेल्पलाइन - 8826777445 का उद्घाटन किया, जो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक संचालित होगी और जनगणना प्रपत्रों, आवश्यक दस्तावेजों, सत्यापन प्रक्रियाओं और मतदाता संबंधी मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। हैदराबाद डीसीसी अध्यक्ष सैयद खालिद सैफुल्लाह ने कहा कि यह हेल्पलाइन उन मतदाताओं की मदद करेगी जिनसे बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने संपर्क नहीं किया है, जिन्हें फॉर्म भरने में सहायता चाहिए, चुनावी विवरण में सुधार की आवश्यकता है, या जिन्हें अनियमितता श्रेणी में चिह्नित किया गया है। सहायता प्रदान की जाएगी, लेकिन सभी जोड़-घटाव और सुधार चुनाव आयोग की स्वीकृति के अधीन होंगे। कांग्रेस ने मतदाताओं की सहायता के लिए 101 डीसीसी पदाधिकारियों, 44 स्थानीय इकाई अध्यक्षों और लगभग 1,200 बूथ स्तरीय एजेंटों को तैनात किया है। यदि फोन पर समस्या का समाधान नहीं हो पाता है, तो स्थानीय प्रतिनिधि मतदाताओं के घर जाकर उनकी सहायता करेंगे, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्राथमिकता दी जाएगी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

PUB/465

संख्याः वाई/सी. ई-नीलामी/एचवाईबी/2025-26, दि.15-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति, गणराज्य भारत की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद विभाग, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा मोबाइल एस्सेट्स, छिटपुट स्टेटिक सर्विस, आरडीएन, आउट आफ होम कैटगिरी, बैटरी स्वैपिंग & पार्सल्स के लिए ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, हैदराबाद डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम संख्याः 1, श्रेणीः पार्सल सूची संख्याः एचवाईबी-पार्सल्स-एसएलआर कार्य विवरणः रेल सं. (1) 17023-एसएलआर-एफ1-केसीजी-केआरएनटी-25-1, (2) 12794-एसएलआर-एफ1-एनजेडबी-टीपीटीवाई-25-1, (3) 17605-एसएलआर-एफ1-केसीजी-बीजीकेटी-26-1, (4) 19714-एसएलआर-एफ1-केआऱएनटी-जेपी-26-2, **नीलामी की तिथिः** 25-07-26, **नीलामी शुरु समयः** 11.30 बजे, नीलामी बंद समयः 12.30 बजे

क्रम संख्याः 2, श्रेणीः एडीवीटी-आइएनटी-206103-2-26-1(रेल के भीतर एडवर्टाइजिंग) सूची संख्याः एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** रेल सं. 20703/20704, काचीगुडा (केसीजी) य़शवंतपुर (वाईपीआऱ) वन्दे भारत एक्सप्रेस के लिए विनाइल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापन। केवल रेल के भीतरी ओर ही एडवर्टाइजमेन्ट्स आफऱ किया जायेगा। नीलामी की तिथिः 30-07-26, नीलामी शुरु समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 10.30 बजे

क्रम संख्याः 3, श्रेणीः एडीवीटी-आइएनटी-202068-2-25-1(रेल के भीतर एडवर्टाइजिंग, फुल फेस) **सूची संख्याः** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** रेल सं.12789/12790 काचीगुडा-मुरुडेश्वर-काचीगुडा & 22715/22716 काचीगुडा-मदुराई-काचीगुडा एक्सप्रेस रेल की बाहरी ओर, नीलामी की तिथिः 30-07-26, **नीलामी शुरु समयः** 10.00 बजे, **नीलामी बंद समयः 10.40 बजे**

क्रम संख्याः 4, श्रेणीः एडीवीटी-एचवाईबी-एसएफएक्स-ओएच-124-25-1(एडवर्टाइजिंग आउट आफ होम) **सूची संख्याः** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** सफीलगुडा, दयानंद नगर, रामकृष्णपुरम रेलवे स्टेशनों पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार। नीलामी की तिथिः 30-07-26, **नीलामी शुरु समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 10.50 बजे**

क्रम संख्याः 5, श्रेणीःएडीवीटी-ईबीडब्ल्यू-324769-1-26-1 (एडवर्टाइजिंग -रेल के भीतरी ओर- (खिडकी के नीचे)) सूची संख्याः एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः रेल सं.12789/12790,** काचीगुडा-मुरुडेश्वर-काचीगुडा एक्सप्रेस & रेल सं. 22715/22716 के बाहरी ओर विज्ञापन, एरिया 3053.86 स्के.मीटर्स, **नीलामी की तिथिः** 30-07-26, **नीलामी शुरु समयः** 10.00 बजे, **नीलामी बंद समयः** 11.10 बजे

क्रम संख्याः 6, श्रेणीः एमएसएस-एचवाईबी-युआर-इवीइसी-6-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं -इवी चार्जिंग स्टेशन्स) सूची संख्याः एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** उमदानगर रेलवे स्टेशन-राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के समीपीय रेल टर्मिनल पर इवी चार्जिंग स्टेशन्स। **नीलामी की तिथिः** 30-07-26, **नीलामी शुरु समयः** 10.00 बजे, **नीलामी बंद समयः 11.20 बजे**

क्रम संख्याः 7, श्रेणीः एमएसएस-एचवाईबी-एसटीपीडी-इवीसी-117-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं -बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स) **सूची संख्याः** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** हैदराबाद भवन परिसरो में इवी चार्जिंग सुविधा। **नीलामी की तिथिः 30-07-26, नीलामी शुरु समयः** 10.00 बजे, **नीलामी बंद समयः** 11.30 बजे

क्रम संख्याः 8, श्रेणीः एमएसएस-एचवाईबी-डीवाईइ-बीएस-95-25-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं -बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स) **सूची संख्याः** एचवाईबी-मिक्स्ड-एनएफआर **कार्य विवरणः** दयानंद नगर रेलवे स्टेशन पर बैटरी स्वैपिंग का ठेका। **नीलामी की तिथिः** 30-07-26, नीलामी शुरु समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.40 बजे

क्रम संख्याः 9, श्रेणीः एमएसएस-एचवाईबी-युआऱ-एसटीजीइएन-121-26-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं -स्थैतिक जनरल) सूची संख्याः -, **कार्य विवरणः** स्टेशनों के परिसंचरण क्षेत्र में फूड ट्रक (24*7 ग्राहकों की सेवा में रत) का संचालन तथा रखरखाव- चाट स्टाल/ ड्राइव इन्स सहित फूड ट्रक/ज्यूस बार **नीलामी की तिथिः 30-07-26, नीलामी शुरु समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 11.50 बजे**

क्रम संख्याः 10, श्रेणीः एमएसएस-एचवाईबी-एसबीबीजे-एसटीजीइएन-109-25-1 (छिटपुट स्थैतिक-सेवाएं -स्थैतिक जनरल) सूची संख्याः —, कार्य विवरणः श्री बाला भ्रमरेश्वरा जोगुलाम्बा (एसबीबीजे) हाल्ट स्टेशन पर एसी रिटायरिंग रूम, नान-एसी रिटायरिंग रूम, दुपहिया वाहन पार्किंग & फूड ट्रक का संचालन तथा रखरखाव।

नीलामी की तिथिः 30-07-26, **नीलामी शुरु समयः 10.00 बजे, नीलामी बंद समयः 12.00 बजे**

ए547

-वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक/हैदराबाद

तिरुपति में एक दिन में 97 करोड़ का दान

> अचानक चंदा देने उमड़ पड़े श्रद्धालु

तिरुमला, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में मंगलवार को दान देने वालों की ऐसी भीड़ उमड़ी कि महज 24 घंटे में मंदिर को 96.98 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड दान प्राप्त हुआ। पहली नजर में यह सामान्य धार्मिक आस्था का मामला लग सकता है, लेकिन इसके पीछे की वजह कुछ और ही निकली।

ऐसा क्या बदला कि दान देने उमड़े लोग :

हुआ यूं कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) की नई डोनर पॉलिसी 15 जुलाई की आधी रात से लागू हो गई, जिसके बाद दानदाताओं को मिलने वाली कई आजीवन सुविधाओं में बड़ा बदलाव कर दिया गया है। यही वजह रही कि हजारों श्रद्धालुओं ने नई पॉलिसी लागू होने से पहले दान देकर पुराने नियमों के तहत मिलने वाले आजीवन लाभ सुरक्षित कर लिए। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को कुल 2,460 दानदाताओं ने मंदिर में योगदान दिया। इनमें 1,212 श्रद्धालुओं ने 1 लाख से 10 लाख रुपये के बीच दान दिया, जबकि 1,246 लोगों ने 10 लाख से 25 लाख रुपये तक का योगदान किया। इसके अलावा दो श्रद्धालुओं ने एक-एक करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया। इतनी बड़ी संख्या में दानदाताओं के एक ही दिन में सामने आने से मंदिर प्रशासन को भी रिकॉर्ड आय दर्ज हुई। तिरुपति बालाजी मंदिर दुनिया के सबसे समृद्ध धार्मिक संस्थानों में गिना जाता है। इसकी अनुमानित कुल संपत्ति करीब 3.38 लाख करोड़ रुपये बताई जाती है, जो कई छोटे देशों की जीडीपी से भी अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में मंदिर की हुंडी (दान पात्र) में ही 1,738 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जमा हुई। इसका मतलब है कि मंदिर को औसतन प्रतिदिन लगभग 4.75 करोड़ रुपये का दान मिलता है। टीटीडी के आंकड़ों के मुताबिक, मंदिर में अब तक 1,97,888 रजिस्टर्ड दानदाता हैं। इनमें करीब 1.5 लाख लोगों ने एक लाख रुपये या उससे अधिक का दान दिया है, जबकि लगभग 22,000 श्रद्धालु ऐसे हैं जिन्होंने 10 लाख रुपये से अधिक का योगदान किया है। पिछले कुछ वर्षों में बढ़े दानदाताओं की संख्या लगातार बढ़ी है। यही कारण है कि मंदिर प्रशासन ने दानदाताओं को मिलने वाली सुविधाओं की समीक्षा करने का फैसला किया। टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष बीआर नायडू ने कहा कि पिछले केवल चार महीनों में ही 10 लाख रुपये या उससे अधिक दान देने वाले करीब 3,000 नए दानदाता जुड़े हैं। इतनी तेजी से बढ़ती संख्या को देखते हुए दान व्यवस्था में पारदर्शिता और एकरूपता लाने के लिए नई डोनर पॉलिसी लागू करना आवश्यक हो गया था।

गोलकोंडा में आयोजित जगदम्बा महाकाली बोनाल जातरा में भाग लेते हुआ बीजेपी स्टेट एग्जीक्यूटिव मेम्बर एवं महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, मनोज जयलवाल, लक्ष्मण यादव व अन्य।

बेस्ट मारेडपल्ली के ट्रिनिटी बिल्डिंग में हनुमान बैद के निवास पर जैन मुनि दीपकुमार एवं काव्य कुमार ने रात्रि प्रवास किया। अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुशील संचेती, प्रेम बैंगानी, मंजू दुगड, निर्मला बैद आदि ने मुनिश्री के प्रवचन का लाभ उठाया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 170वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 19 को

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा सेंट एड्म्स हाई स्कूल राजेंद्रनगर के सहयोग से 170वां निशुल्क निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 19 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक राजेन्द्र नगर स्थित गोल्डन हाईट्स कॉलोनी स्थित सेंट एड्म्स हाई स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यक को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की सेवा दी जाएगी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. नवनीत राज, डॉ.एस. निखिल राज द्वारा सेवा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा विकलांगों की जांच कर उन्हें निशुल्क एड्स एवं एप्लाएंस जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स प्रदान किये जाऐंगे।

निशुल्क डायलिसिस की व्यवस्था आवश्यक रोगी के लिए रहेगी। रोगी को अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनकी सुविधा के लिए उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच किया जाएगा। शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, ईश्वर, मधु, मकीम से संपर्क किया जा सकता है।

राजपूत समाज का वार्षिक उत्सव 19 को

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजपूत समाज हैदराबाद का वार्षिक जलसा 19 जुलाई को अंबरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन प्लेस में प्रातः 10बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद राजपूत समाज के विशिष्ट सूत्रधार टी गोपाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम मुख्य रूप से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के महासचिव हरगोविंद सिंह तोमर, क्षत्रिय उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चाव्हाण (नासिक), बिरेन्द्र तोमर (ग्वालियर), वीरेंद्र सिंह व विनोद सिंह मुंबई एवं अन्य शामिल होंगे।

इस आशय की जानकारी टी गोपाल सिंह ने देते हुए बताया कि राजपूत समाज हैदराबाद द्वारा पिछले 25 वर्षों से प्रत्येक वर्ष राजपूत समुदाय से संबंधित कला व संस्कृति को लेकर कार्यक्रम किया जा रहा है। इसी क्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, झूल्ला आदि मनोरंजक गतिविधियों को आकर्षक ढंग से प्रोफेशनल इवेंट टीम द्वारा आयोजित की जाएगी। आयोजक टीम टी गोपाल सिंह, टी. नरेंद्र सिंह, टी जीवन सिंह ने सभी राजपूत समुदायों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है।

पांच दिवसीय शिवपुराण कथा का शुभारंभ

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर परिसर में गुरुवार को पांच दिवसीय शिवपुराण कथा का शुभारंभ हुआ।

प्रातः भव्य कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव के जयकारों के साथ नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा शिवालय मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक पहुंची। इसके पश्चात कथा वाचक पंडित संजय कृष्ण शास्त्री ने शिवपुराण कथा का शुभारंभ करते हुए भगवान शिव की महिमा का विस्तृत वर्णन किया। कथा 20 जुलाई 2026 तक दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगी। इस आयोजन का संचालन समस्त महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

आखिरी 7 मिनट में 2 गोल, दोनों मेसी ने असिस्ट किए; इंग्लैंड 85 मिनट तक आगे रहकर हारा

अटलांटा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। लियोनेल मेसी की टीम ने दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया। टीम 85 मिनट 0-1 से पिछड़ रही थी। उसके बाद आखिरी 7 मिनट में दो गोल दागे और जीत हासिल की। फाइनल में उसका मुकाबला 19 जुलाई को स्पेन से होगा।

अटलांटा में एंथनी गॉर्डन के 55वें मिनट के गोल से इंग्लैंड फाइनल की ओर बढ़ता दिख रहा था। लेकिन लियोनेल मेसी की टीम ने आखिर वक्त में मैच का रुख पलट दिया। मेसी के पास पर एंजो फर्नांडिज ने 25 गज से शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। फिर इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर सब्स्टीट्यूट लॉटारो मार्टिनेज ने हेडर से गोल दागकर जीत दिला दी।

यह अर्जेंटीना का 7वां वर्ल्ड कप फाइनल होगा। टीम इससे पहले 1930, 1978, 1986, 1990, 2014 और 2022 में फाइनल खेल चुकी है। अर्जेंटीना 1978, 1986 और 2022 में विश्व कप जीत चुकी है। अब उसके पास लगातार दूसरी बार और कुल चौथा खिताब जीतने का मौका है।

मैच की शुरुआत से ही यह साफ हो गया था कि मुकाबला सिर्फ फुटबॉल का नहीं है। तीसरे ही मिनट में इंग्लैंड के इलियट एंडरसन पर टैकल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए। रेफरी इस्माइल एलफाथ को बीच-बचाव करना पड़ा। पूरे पहले हाफ में कई बार खिलाड़ी भिड़े और फाउल की भरमार रही।

33वें मिनट में इंग्लैंड को पहला मौका मिला। डेक्लन राइस की फ्री-किक पर जॉन स्टोन्स ने हेडर लगाया, लेकिन गेंद नेट में लगकर बाहर चली गई। अर्जेंटीना की ओर से एंजो फर्नांडिज ने 38वें मिनट में बॉक्स के बाहर से शॉट लगाया, जो गोलपोस्ट के ऊपर निकल गया।

37वें मिनट में लियोनेल मेसी आगे बढ़े, लेकिन इलियट

मेसी जीत के बाद सेलिब्रेट करते हुए।

एंडरसन ने उन्हें रोकने के लिए फाउल किया। इस पर एंडरसन को येलो कार्ड मिला। 42वें मिनट में जूड बेलिंगहम की जर्सी खींचने पर अर्जेंटीना के लिसांड्रो मार्टिनेज को भी कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम की सीटी के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी रेफरी से बहस करते रहे और मेसी सबसे आखिर में मैदान से बाहर गए।

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने तेज शुरुआत की। जूलियन अल्वारेज ने 48वें मिनट में पहला ऑन-टारगेट शॉट लगाया, जिसे जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार तरीके से रोक दिया। 55वें मिनट में मैच का पहला गोल इंग्लैंड ने किया।

हैरी केन के लंबे पास पर अर्जेंटीना का डिफेंस पूरी तरह क्लियरेंस नहीं कर सका। डेक्लन राइस ने गेंद मॉर्गन रोजर्स को दी। रोजर्स ने दाईं ओर से सटीक क्रॉस डाला, जिस पर एंथनी गॉर्डन ने बॉक्स से आसान फिनिश किया। यह टूर्नामेंट में गॉर्डन का पहला गोल था और इंग्लैंड 1-0 से आगे हो गया। गोल खाने के बाद अर्जेंटीना ने अटैकिंग गेम खेलना शुरू कर दिया। टीम को 86वें मिनट में कॉर्नर मिला। लियोनेल मेसी ने शॉर्ट कॉर्नर खेलकर गेंद एंजो फर्नांडिज को दी। फर्नांडिज ने करीब 25 गज की दूरी से शॉट लगाया। गेंद खिलाड़ियों के बीच से निकलते हुए सीधे नेट में जा समाई। इस गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया।

इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी ने फिर कमाल कर दिखाया। उन्होंने दाईं ओर से बॉल बॉक्स में भेजी। सब्स्टीट्यूट स्ट्राइकर लॉटारो मार्टिनेज डिफेंडरों से आगे निकले और शानदार हेडर के जरिए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। अर्जेंटीना ने 7 मिनट के भीतर मैच पलटते हुए 2-1 की बढ़त बना ली।

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी लगातार दूसरे वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने वाले इतिहास के 7वें कोच बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ विटोरियो पोजो, हेल्मुट शॉन, मारियो जगालो, कार्लोस बिलार्डो, फ्रांज बेकेनबाउर और डिडिएर डेशां ने हासिल की थी।

2022 में चैंपियन बनने के बाद अर्जेंटीना ने 2026 में भी फाइनल में जगह बना ली। टीम इतिहास में पहली बार लगातार दो वर्ल्ड कप फाइनल खेलेगी। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप इतिहास में अपना छठा सेमीफाइनल खेला। अर्जेंटीना कभी भी सेमीफाइनल नहीं हारा।

इंग्लैंड को हराकर अर्जेंटीना ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार 14वीं जीत दर्ज की। टीम सितंबर 2025 में इक्वाडोर से हारने के बाद एक भी मैच नहीं हारी है।

अर्जेंटीना ने मौजूदा टूर्नामेंट में 19 गोल किए हैं। यह टीम का एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड है। अर्जेंटीना ने लगातार 14 वर्ल्ड कप मैचों में कम से कम 2 गोल किए हैं। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

अर्जेंटीना के खिलाफ उतरते ही हैरी केन ने इंग्लैंड के लिए 121वां मैच खेला। वह वेन रूनी को पीछे छोड़कर इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए। ओवरऑल उनसे आगे सिर्फ गोलकीपर पीटर शिल्टन (125 मैच) हैं।

जापान ओपन बैडमिंटन

क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं सिंधु

विश्व नंबर-पांच हान को हराया

अटलांटा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने बृहस्पतिवार को चीन की विश्व में पांचवें नंबर की खिलाड़ी हान यू को सीधे गेम में हराकर जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जो उनका मौजूदा सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। विश्व रैंकिंग में 10वें नंबर पर काबिज भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर के मुकाबले में अपने से उच्च रैंकिंग वाली चीनी शटलर को केवल 35 मिनट में 21-16, 21-14 से पराजित किया। गैर-वरीयता प्राप्त सिंधु ने धीमी शुरुआत के बाद पहले गेम के बीच में लय हासिल की। उन्होंने शटल को सटीक रूप से हिट किया और रैलियों पर हावी होकर बढ़त बना ली। इसके बाद पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने दूसरे गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाया और 8-0 की बढ़त हासिल करने के बाद आसानी से मुकाबला जीत लिया। इस जीत से सिंधु ने हान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा, जिन्हें शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी आन से-यंग के दूसरे दौर के मैच से हटने के बाद वॉकओवर मिल गया था।

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत का शानदार प्रदर्शन, सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में जीता स्वर्ण

बुडापेस्ट, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने पोल्याक इमरे, वर्गा यानोस और कोज्मा इस्तवान स्मृति सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वैश्विक सर्किट पर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सहरावत ने खिताबी मुकाबले में जॉर्जिया के रोबेटी डिंगाशविली को तकनीकी दक्षता के आधार पर 13-3 से करारी शिकस्त दी।

भारतीय दल के पदकों की संख्या

तब और बढ़ गई जब दीपक ने 61 किग्रा फ्रीस्टाइल में कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। दीपक ने प्लेऑफ में अजरबैजान के नुरदीन नोवरुजोव को 9-8 से हराया। भारत 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में दो और पदक जीतने की दौड़ में बना हुआ है। कुमार मोहित का सामना कांस्य पदक के मैच में कजाखस्तान के नाचिन कुलर से होगा जबकि उनके साथी विशाल कालीरमन तीसरे स्थान के लिए होने वाले अपने प्लेऑफ मुकाबले में कजाखस्तान के ही ओसुमजान दास्तानबेक से भिड़ेंगे।

मेजर लीग में पूरन का 31 गेंद में शतक

न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन मैच में 13 छक्के लगाए; विंडीज की महिला टीम ने क्लीन स्वीप किया

खेल डेस्क, 16 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने मेजर क्रिकेट लीग में 31 गेंद में शतक लगा दिया है। उन्होंने गुरुवार को एमआई न्यूयॉर्क की ओर से वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 5 चौके और 13 छक्कों से सजी पारी खेली। उनकी पारी के दम पर न्यूयॉर्क ने वॉशिंगटन को 266 रन का टारगेट दिया है। जवाब में फ्रीडम ने 7 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बना डाले हैं।

लीग के एक अन्य मुकाबले में लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स ने सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स को 7 रन से हराकर पहली बार मेजर लीग क्रिकेट के फाइनल में प्रवेश किया है। फाइनल मैच 19 जुलाई को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

नाइट राइडर्स ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स 20 ओवर में 4 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। नाइट राइडर्स की ओर से कॉलिन मुनरो (44 गेंदों पर 51) और आंद्रे रसेल (50 गेंदों पर नाबाद 62) ने पारी संभाली। रोवमैन पॉवेल ने आखिरी तीन ओवर्स में 15 गेंदों पर नाबाद 50 रन ठोक दिए।

स्टेफानी टेलर का लगातार दूसरा शतक

आयरलैंड को 64 रन से हराया

ब्रेडी (आयरलैंड), 16 जुलाई (एजेंसियां)। स्टेफानी टेलर के लगातार दूसरे शतक से वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 64 रन से जीत लिया है। इसी के साथ उसने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह जनवरी 2025 के बाद वेस्टइंडीज की पहली वनडे सीरीज जीत है।

ब्रेडी में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने 82 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। यहां से स्टेफानी टेलर ने 105 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। उन्होंने लोअर ऑर्डर के बैटर्स के साथ अहम साझेदारियां की और स्कोर 257 रन तक पहुंचाया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम 193 रन पर सिमट गई और

वेस्टइंडीज ने 64 रन से जीत दर्ज कर सीरीज में क्लीन स्वीप पूरा किया। वेस्टइंडीज की स्पिन जोड़ी करिश्मा रामहरैक और अफी फ्लेचर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट झटके।

टेलर ने इस पारी के दौरान अपने वनडे करियर का 10वां शतक लगाया। वह लगातार दो मैचों में शतक जड़ने वाली वेस्टइंडीज की दूसरी बल्लेबाज बनीं। साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने की उपलब्धि भी हासिल की।

33 गेंदों पर 80 रन की जरूरत, 8 विकेट गिरे

9वें नंबर के खिलाड़ी ने 13 छक्के-चौके जड़कर जिताया मैच

लंदन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। 9वें नंबर के खिलाड़ी से आप मुश्किल हालातों से उबारते हुए टीम को जीत दिलाने की उम्मीद तो नहीं ही कर सकते हैं। खासकर तब जब टीम लक्ष्य का पीछा कर रही हो. लेकिन, इंग्लैंड में खेले जा रहे टी20 टूर्नामेंट वाइटेलिटी ब्लास्ट के मेंस क्वार्टर फाइनल 4 में एक ऐसी ही जीत की स्क्रिप्ट देखने को मिली. ये मुकाबला यॉर्कशर बनाम समरसेट के बीच था. इस मुकाबले में समरसेट ने यॉर्कशर को 2 विकेट से हराया और उसकी जीत के नायक रहे 9वें नंबर पर खेलने उतरे क्रेग ओवर्टन.

यॉर्कशर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाए थे. जवाब में 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए समरसेट के 8 विकेट सिर्फ 82 रन पर 14.3 ओवर में ही गिर गए. यानी, जीत के लिए उसे अब भी 80 रन रन चाहिए थे और गेंदें सिर्फ 33 बची थी. इतना ही नहीं

यॉर्कशर जीत का जश्न मना रहा है

समरसेट के विकेट भी कहां बचे थे और जो 2 खिलाड़ी थे, वो लोअर ऑर्डर के थे, जिनसे उन हालात में जीत की उम्मीद लगाना बेमानी ही थी. लेकिन, समरसेट की जहां हार तय लग रही थी, वहीं सबकी उम्मीदों से परे जाकर 9वें नंबर पर खेलने उतरे क्रेग ओवर्टन ने एक नामुमकिन से दिख रहे काम का मुमकिन कर डाला. उन्होंने अपनी हिम्मत और दिलेरी दिखाकर बतला दिया कि जहां चाह है, वहां राह.

क्रेग ओवर्टन ने 263.33 की स्ट्राइक रेट से 30 गेंदों पर नाबाद 79 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 5 छक्के समेत कुल 13 बाउंड्रीज शामिल रहे. क्रेग ओवर्टन के T20 करियर का ये पहला अर्धशतक था, जो ऐसे वक्त पर उनके बल्ले से निकला जब वाइटेलिटी ब्लास्ट की उनकी टीम को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी. 9वें नंबर के खिलाड़ी ओवर्टन की तूफानी पारी की बदौलत समरसेट ने यॉर्कशर के खिलाफ 162 रन का लक्ष्य 1 गेंद पहले ही हासिल कर लिया.

भारत ने एशियाई आयुवर्ग मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीते 19 पदक, पांच स्वर्ण भी शामिल

जकार्ता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने एशियन अंडर-19 और अंडर-23 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के महिला वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया है। इंडोनेशिया के जकार्ता में खेले गए फाइनल में भारत ने अंडर-19 और अंडर-23 वर्ग में कुल पांच स्वर्ण, 10 रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम किए। अंडर-19 महिला वर्ग में भारत ने दो स्वर्ण और छह रजत पदक जीते, जो युवाओं के दमखम को दिखाता है। 51 किलोग्राम वर्ग में चंद्रिका पुजारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान की नाजोकत मार्डोनोवा को 5-0 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, प्राची ने भी इंडोनेशिया की दिरा आर्टिका को मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंडर-19 वर्ग में भारत के अन्य फाइनलिस्ट ने भी कड़ी टक्कर

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप

दी, लेकिन उन्हें रजत से ही संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक जीते। 54 किलोग्राम वर्ग में निशा ने जापान की कोइन कोकुफू को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ग में भारत के अन्य गोल्ड मेडलिस्ट ने भी अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पोडियम पर टॉप स्थान हासिल किया।

वहीं, निकिता चंद (60 किलोग्राम), काजल (65 किलोग्राम) और मुस्कान (75 किलोग्राम) ने अपने-अपने फाइनल में कड़ी टक्कर दी, लेकिन उज्बेकिस्तान की मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के सामने उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण मिले, जो अलग-अलग भार वर्ग में भारत के लगातार अच्छे प्रदर्शन को उजागर करते हैं।

इन नतीजों के साथ भारत ने एक बार फिर युवा स्तर पर, खासकर महिला वर्ग में, अपने दबदबे का परिचय दिया। महिला वर्ग में भारत का यह प्रदर्शन एशियाई आयु वर्ग मुक्केबाजी में उसकी लगातार बढ़ती बादशाहत को दर्शाता है। अंडर-19 और अंडर-23 दोनों वर्गों में भारतीय मुक्केबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह साबित किया है कि देश के पास भविष्य के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की मजबूत फौज तैयार है।

स्टीव स्मिथ और एंड्रीस गौस के तूफान में उड़ी एमआई की टीम, टी20 इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

वाशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मेजर क्रिकेट लीग 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के बल्लेबाजों ने MI न्यूयॉर्क के खिलाफ जमकर गदर काटा और इतिहास रच दिया. ऑकलैंड के कोलीसिअम मैदान पर खेले गए इस नॉकआउट मुकाबले में एमआई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 267 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था, लेकिन कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रीस गौस की तूफानी शतकीय पारियों के दम पर वाशिंगटन ने 18.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया.

यह टी20 इतिहास में अब तक सबसे बड़ा सफल रन चेज रहा. गौस ने 132 रन बनाए, जबकि कप्तान स्मिथ ने नाबाद 110 रनों की पारी खेली. वहीं, इस जीत के साथ वाशिंगटन की टीम ने क्वालीफायर में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि एमआई की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई.

इस रोमांचक मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर एमआई न्यूयॉर्क को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया.

पहले बल्लेबाजी करने उतरी एमआई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सिर्फ 9 रन के स्कोर पर मोनाक पटेल के रूप में पहला विकेट गंवा दिया. हालांकि, इसके बाद कप्तान निकोलस पूरन ने क्विंटन डी कॉक के साथ मिलकर पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी कर डाली. डी कॉक 24 गेंदों पर 51 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पूरन ने महज 33 गेंदों पर 106 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली.

प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा सीतारामा प्रोजेक्ट : भट्टी

> डिप्टी सीएम ने सीतम्मा सागर बहुउद्देशीय परियोजना का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि जन सरकार गुरुत्वाकर्षण और लिफ्ट सिंचाई दोनों के माध्यम से गोदावरी नदी में बहने वाले जल के अधिकतम उपयोग पर विशेष ध्यान देते हुए आगे बढ़ रही है।

वह गुरुवार को मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में सीतारामा लिफ्ट सिंचाई योजना और सीतम्मा सागर बहुउद्देशीय परियोजना का क्षेत्र-स्तरीय निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक जलवायु परिवर्तन और प्रतिकूल परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए एक व्यापक योजना के साथ अग्रिम तैयारी कर रही है और इस दिशा में तेजी से कदम उठा रही है। भट्टी विक्रमार्क ने याद दिलाया कि तीन दिन पहले, देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के सम्मक्का बैराज के बैकवाटर में, पानी को पूरी क्षमता से उठाने के लिए सभी पंप चालू कर दिए गए थे। उन्होंने स्वयं वहां रुककर लगभग 12 जिलों और 17 विधानसभा क्षेत्रों में फैले 22 जलाशयों को भरने के कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने

बताया कि आज उन्होंने सीताराम परियोजना का दौरा किया, समीक्षा की और कार्यों में तेजी लाने के लिए मौके पर ही निर्देश जारी किए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का उद्देश्य तेलंगाना क्षेत्र में गोदावरी नदी पर इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करना और यह सुनिश्चित करना है कि पानी अंतिम छोर तक पहुंचे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछली सरकार के कुकर्मों को देखकर जनता ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता सौंपी थी। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद, पूरे मंत्रिमंडल ने इन परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने बताया कि चूंकि काफी राशि पहले ही खर्च हो चुकी थी, इसलिए मंत्रिमंडल ने परियोजना को रोकना उचित नहीं समझा और इसे जारी रखने और पूरा करने का संकल्प लिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वितरिका नहरों की कमी और जलाशय क्षमता संबंधी समस्याओं को दूर किया जा रहा है। राजीव नहर को सागर नहर से जोड़ा जा रहा है, जबकि वायरा और पालेरू जलाशयों को जोड़ने वाली नहरों और सुरंगों के माध्यम से भरने के कार्यक्रम चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि साथुपल्ली तक पानी पहुंचाने के कार्यों में तेजी लाई जा रही है। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि इन कार्यों को पूरा करने के लिए एक मासिक कैलेंडर तैयार किया गया है और समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए आवधिक समीक्षा की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की, यह जनता की सरकार है। एक भी रुपया दुरूपयोग नहीं किया जाएगा। हम पहले से किए गए कार्यों को आगे बढ़ाएंगे, उन्हें प्राथमिकता देंगे और यथाशीघ्र पूरा करेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया कि सरकार गोदावरी नदी के अंतिम छोर पर स्थित इस परियोजना से अधिकतम संभव जल का उपयोग करेगी और जिले के किसानों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

कांग्रेस ने समाज के हर वर्ग के साथ विश्वासघात किया : केटीआर

विधायकों, एमएलसी, जन प्रतिनिधियों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि कांग्रेस सरकार जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुकी है और इतिहास में उसे एक ऐसी सरकार के रूप में याद किया जाएगा जिसने अपना आधा कार्यकाल पूरा होने से पहले ही बड़े पैमाने पर जन आक्रोश को आमंत्रित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहकर और समाज के हर वर्ग के साथ विश्वासघात करके खुद को एक धोखेबाज सरकार में बदल दिया है।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि जनता का हर वर्ग अब कांग्रेस सरकार का पुरजोर विरोध कर रहा है। केटी रामाराव ने ये टिप्पणियां गुरुवार को हैदराबाद में एलबी नगर के विधायक सुधीर रेड्डी के आवास पर पार्टी नेताओं, हैदराबाद के विधायकों, एमएलसी, जन प्रतिनिधियों और वरिष्ठ नेताओं की एक व्यापक बैठक को संबोधित करते हुए कीं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं, किसानों, छात्रों और बेरोजगार युवाओं से किए गए एक भी वादे को पूरा करने में विफल रही है। जन कल्याण पर ध्यान देने के बजाय, उसने भ्रष्टाचार, घोटालों, अनियमितताओं और प्रशासनिक ज्यादतियों को अपना दैनिक एजेंडा बना लिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उनके शब्द, शासन और नीतियां जनता पर बोझ बन गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री के स्वयं के आंतरिक सर्वेक्षण में भी कांग्रेस सरकार के प्रति जनता की भारी असंतुष्टि झलकती है। केटीआर ने टिप्पणी की कि कांग्रेस सरकार के दिन गिने-चुने रह जाने का अहसास होने पर रेवंत रेड्डी हताशा में आकर अविवेकी बयानबाजी करने पर उतारू हो गए हैं। कृषि संकट का जिक्र करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जहां किसान सिंचाई के पानी के लिए गुहार लगा रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री ने ऐसी टिप्पणी की है जिससे यह संकेत मिलता है कि खून बहाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब तेलंगाना का कृषि क्षेत्र सूखे जैसी परिस्थितियों और गंभीर संकट से जूझ रहा है, ऐसे बयानों ने राज्य भर के लोगों को नाराज कर दिया है। बैठक में प्रस्तावित युवा संग्राम सभा की भव्य सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी रसद और संगठनात्मक व्यवस्थाओं पर व्यापक चर्चा हुई।

गोलकोंडा बोनालू समारोह के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था : वीसी सज्जनार

सुरक्षा के लिए लगभग 2,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा स्थित श्री जगदंबिका महाकाली मंदिर में वार्षिक आषाढ़ बोनालू उत्सव का शुभारंभ गुरुवार को पहले बोना के अर्पण के साथ भव्य रूप से हुआ। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने प्रार्थना करने और विशेष अनुष्ठानों में भाग लेने से पहले

गोलकोंडा किले की तलहटी से लेकर उसके ऊपर स्थित मंदिर तक सुरक्षा और बंदोबस्त व्यवस्था का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने कहा कि महोत्सव के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए लगभग 2,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। लंगर हाउज एक्स रोड से मंदिर तक पूरे मार्ग पर विशेष पुलिस बल तैनात किए गए हैं। उत्सवों की निगरानी और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए ड्रोन कैमरों और एक व्यापक सीसीटीवी निगरानी नेटवर्क का उपयोग किया जा रहा है। अपराध शाखा ने जेब कतरने और चेन छीनने जैसी घटनाओं को रोकने के लिए सतर्कता बढ़ा दी है, वहीं महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष महिला सुरक्षा दल तैनात किए गए हैं। यातायात पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए विशेष पार्किंग और यातायात प्रबंधन व्यवस्था भी की है। आयुक्त ने कहा कि कानून व्यवस्था, यातायात पुलिस और अन्य सरकारी विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में काम कर रहे हैं कि बोनालू उत्सव शांतिपूर्ण, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी वातावरण में आयोजित हो। निरीक्षण में संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जोएल डेविस, डीसीपी (सीएआर मुख्यालय) आर. वेंकटेश्वरलू, डीसीपी (गोलकोंडा जोन) जे. राघवेंद्र रेड्डी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आज करेंगे हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

देशभर में 75 अमृत स्टेशनों को करेंगे राष्ट्र को समर्पित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे के दौरान देशभर में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शुभारंभ करेंगे। इसी क्रम में वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20 राज्यों के 75 अमृत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इनमें तेलंगाना का हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन भी शामिल है। हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन पर भी उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनप्रतिनिधि एवं रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 20 राज्यों में विकसित किए गए 75 रेलवे स्टेशनों का कुल विकास कार्य लगभग 1,570 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया गया है। इन स्टेशनों को आधुनिक, यात्री-अनुकूल और स्थानीय संस्कृति, विरासत तथा स्थापत्य शैली के अनुरूप विकसित किया गया है। यह योजना 'विरासत भी, विकास भी' की अवधारणा पर आधारित है। तेलंगाना के हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास 26 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। स्टेशन को आधुनिक वास्तुकला, हवाई अड्डे जैसी यात्री सुविधाओं, अत्याधुनिक तकनीक और आकर्षक स्वरूप से सुसज्जित किया गया है। विस्तृत यात्री परिसर, बेहतर आवागमन व्यवस्था तथा आधुनिक सुविधाओं के साथ यह स्टेशन हैदराबाद के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का आधुनिक प्रवेश द्वार बन गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, जिनमें हाईटेक सिटी रेलवे स्टेशन प्रमुख है।

रेल निलयम में हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

कर्मचारियों से राजभाषा में अधिक कार्य करने का आह्वान

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय के राजभाषा विभाग ने 14 और 15 जुलाई को रेल निलयम में प्रारंभिक हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रतियोगिताओं की अध्यक्षता मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाडे ने की। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान के लिए बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों को अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी में करना चाहिए तथा अपने सहकर्मियों को भी राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना

चाहिए। प्रतियोगिताओं का आयोजन उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम.के. नागराजु के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वाक् प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता के सचिव एवं उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (योजना) ए. स्वराज कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों से भविष्य में भी राजभाषा संबंधी कार्यक्रमों में इसी उत्साह के साथ भाग लेने का आह्वान किया। मुख्यालय के कर्मचारियों ने प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए हिंदी के प्रति अपनी रुचि और समर्पण का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना था।

महिला की हत्या से सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

संगारेड्डी, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पटनचेरु थाना क्षेत्र के रामेश्वरम बांदा के बाहरी इलाके में गुरुवार को एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान पटनचेरु कस्बे की अंबेडकर कॉलोनी निवासी मंजुला (35) के रूप में हुई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनकी हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर जी. विनायक रेड्डी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक विशेषज्ञों की सहायता से साक्ष्य जुटाने का कार्य शुरू किया। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या के कारणों और आरोपितों की पहचान के लिए जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

21 जुलाई को होगा रोजगार मेला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मेहदीपटनम स्थित किंग्स पैलेस में 21 जुलाई को मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा।

पीवीएनआर एक्सप्रेसवे के स्तंभ संख्या 67 के पास आयोजित यह रोजगार मेला सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की कई प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी। आयोजक एवं पेशे से इंजीनियर मन्नान खान ने बताया कि रोजगार मेले में फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, सूचना प्रौद्योगिकी, आईटीईएस, शिक्षा, बैंकिंग सहित कई क्षेत्रों में नौकरी के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कुछ कंपनियां घर से काम करने (वर्क फ्रॉम होम) का विकल्प भी देंगी। रोजगार मेले में माध्यमिक (कक्षा 10) उत्तीर्ण या उससे अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

आदिलाबाद में मिली दुर्लभ जैन प्रतिमा नौवीं शताब्दी की बताई गई मूर्ति

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के चंद गांव में जर्जर अवस्था में मिली कई प्राचीन मूर्तियों के बीच एक दुर्लभ जैन प्रतिमा की पहचान शोधकर्ताओं ने की है। कोठा तेलंगाना चरित्रबृन्दम के शोधकर्ता पृथ्वीराज रोद्दावर ने अपने सहयोगियों साई राज कांबले और कट्टूरी सुभाष के साथ इस प्रतिमा का अध्ययन किया। विशेषज्ञों के अनुसार यह भगवान पार्श्वनाथ की अत्यंत दुर्लभ और कलात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रतिमा है।

प्रतिमा सिरविहीन अवस्था में है। इसमें भगवान पार्श्वनाथ को अर्धपद्मासन में बैठे हुए दर्शाया गया है, जबकि उनकी पीठ पर सर्प लिपटा हुआ दिखाई देता है। मुख्य प्रतिमा के दोनों ओर कायोत्सर्ग मुद्रा में दो जैन तीर्थंकर उकेरे गए हैं। आसन पर दो सिंहों के बीच धर्मचक्र भी अंकित है, जो इसकी विशेषता मानी जा रही है। कोठा तेलंगाना चरित्रबृन्दम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने बताया कि यह प्रतिमा नौवीं शताब्दी की प्रतीत होती है। इसकी शैली बिहार के राजगीर और महाराष्ट्र के पूर्वी खानदेश स्थित एरंडोल में मिली पार्श्वनाथ प्रतिमाओं से काफी मिलती-जुलती है। प्रसिद्ध पुरातत्व एवं मूर्तिकला विशेषज्ञ तथा प्लीच इंडिया फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. इमानी शिव नागिरेड्डी ने कहा कि तेलंगाना में इस प्रकार की पार्श्वनाथ प्रतिमा पहली बार मिली है। उनके अनुसार यह खोज ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं को चंद गांव से एक अन्य जैन प्रतिमा भी मिली है, जिसमें ऊपरी भाग में हाथी द्वारा अभिषेक का दृश्य और नीचे दो पंक्तियों में तीन जैन तीर्थंकरों का अंकन दिखाई देता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ये खोजें क्षेत्र के प्राचीन जैन इतिहास पर नए शोध का आधार बन सकती हैं।

कर्मचारी स्वास्थ्य योजना पर सवाल बिल और देरी बनी बड़ी चुनौती

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की संशोधित कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ईएचएस) का क्रियान्वयन शुरुआत से ही विवादों में घिर गया है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन व पेंशन से 1.5 प्रतिशत अनिवार्य अंशदान की कटौती शुरू होने के बावजूद योजना पूरी तरह लागू नहीं हो सकी है। इससे कर्मचारी संगठनों और निजी अस्पतालों में नाराजगी बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार पर निजी अस्पतालों के लगभग 2,600 करोड़ रुपये के चिकित्सा बिल लंबित हैं। इनमें आरोग्यश्री योजना के करीब 2,000 से 2,100 करोड़ रुपये तथा पुरानी ईएचएस योजना के लगभग 500 करोड़ रुपये के बकाया शामिल हैं।

सरकार ने दो महीने पहले नए कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल ट्रस्ट (ईएचसीटी) के लिए अंशदान लेना शुरू कर दिया था, लेकिन अब तक योजना का प्रभावी संचालन शुरू नहीं हो पाया है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि अंशदान की कटौती शुरू कर दी गई, जबकि नेटवर्क अस्पतालों के साथ समझौते अभी तक अंतिम रूप नहीं ले सके हैं। इसके अलावा कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को स्वास्थ्य कार्ड भी जारी नहीं किए गए हैं, जिससे योजना का लाभ मिलना शुरू नहीं हो सका है। दूसरी ओर, निजी अस्पतालों का आरोप है कि सरकार ने चिकित्सा पैकेज की दरों में एकतरफा कमी कर दी है। अस्पतालों का कहना है कि नई दरें मौजूदा आरोग्यश्री और पुरानी ईएचएस दरों से भी कम हैं, जिससे गुणवत्तापूर्ण उपचार देना मुश्किल होगा। अस्पतालों ने लंबित भुगतान और व्यवहारिक लागत निर्धारण प्रणाली लागू करने की मांग भी उठाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि योजना को सफल बनाने के लिए अस्पतालों का समय पर पंजीकरण, कर्मचारियों को शीघ्र स्वास्थ्य कार्ड जारी करना, चिकित्सा बिलों का निर्धारित समय सीमा में भुगतान, निजी अस्पतालों को नीति निर्माण में भागीदारी और प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है।

मिशन प्रकृति का पहला वर्ष पूरा, 10 विद्यालयों को मिला सम्मान

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस सोसाइटी (टीजीएस डब्ल्यूआरईआईएस) ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया के सहयोग से संचालित पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम 'मिशन प्रकृति' के पहले वर्ष के सफल समापन का उत्सव मनाया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें प्रकृति संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ना है। एक वर्ष के दौरान मिशन प्रकृति से तेलंगाना के टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस के सभी 238 विद्यालय जुड़े और 1.75 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। विद्यार्थियों ने जैव विविधता संरक्षण, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक के उपयोग में कमी, विद्यालय परिसर को हरित बनाने तथा अन्य पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन समारोह में मिशन प्रकृति के प्रभावी संचालन, नवाचार, नेतृत्व और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10 विद्यालयों को सम्मानित किया गया। इन विद्यालयों का चयन 238 सहभागी विद्यालयों में से किया गया।

सम्मानित विद्यालयों में एकलारा (कामारेड्डी), कंजरा (निजामाबाद), मैनचेरियल, इस्नापुर (संगारेड्डी), वलिगोंडा (यदाद्री भुवनगिरी), टेकुलापल्ली (खम्मम), जनगांव (नर्मेटा), पाल्वोंचा (भद्राद्रि कोठागुडेम), नरसिम्हुलापेटा (महबूबाबाद) और चेवेल्ला (रंगा रेड्डी) स्थित टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस विद्यालय शामिल रहे। आयोजकों ने कहा कि इस पहल ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कांग्रेस में बढ़ी अंदरूनी खींचतान कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस में पिछले कुछ महीनों से चल रही अंदरूनी खींचतान थमने का नाम नहीं ले रही है। पार्टी नेतृत्व ने कई नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, लेकिन अब तक किसी बड़े नेता पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने से कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच सवाल उठने लगे हैं। ताजा मामला राज्य युवा कांग्रेस अध्यक्ष शिवचरण रेड्डी से जुड़ा है। भारतीय युवा कांग्रेस ने उन्हें यदगिरिगुट्टा देवस्थानम बोर्ड की सदस्य ईश्वरम्मा यादव के साथ कथित अभद्र व्यवहार को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आरोप है कि शपथ ग्रहण समारोह के लिए लगाए गए फ्लेक्स बैनरों में उनके पिता जक्कीदी प्रभाकर रेड्डी की तस्वीर नहीं होने पर उन्होंने ईश्वरम्मा यादव और उनके समर्थकों के साथ अपशब्द कहे। इसके बाद विवाद ने जातीय रंग ले लिया और कांग्रेस सहित कई आदिवासी नेताओं ने उनके व्यवहार की आलोचना की।

इससे पहले पूर्व मंत्री और सरकारी सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर को भी कथित ऑडियो वायरल होने के बाद नोटिस दिया गया था। उस ऑडियो में पार्टी नेताओं पर पैसों के बदले पद देने का आरोप लगाए जाने की बात सामने आई थी। हालांकि बाद में शब्बीर अली ने आरोपों से इनकार किया और अनुशासनात्मक समिति ने मामला बंद कर दिया। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। इधर, तुंगतुर्थी विधायक मंडुला सैमुअल और भोंगिर सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी के समर्थकों के बीच हुए विवाद की जांच के लिए पूर्व विधायक टी. जग्गा रेड्डी को पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं वन मंत्री कोंडा सुरेखा और विधायक कडियाम श्रीहरि के बीच विवाद पर भी एआईसीसी सचिव सचिन सावंत से रिपोर्ट मांगी गई है। पलकुर्थी क्षेत्र के कांग्रेस नेताओं ने भी विधायक यशस्विनी रेड्डी के खिलाफ संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर शिकायत दर्ज कराई है।

तेलंगाना में कमजोर पड़ा मानसून अधिकांश जिलों में बारिश की कमी

हैदराबद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून कमजोर पड़ने से राज्य में सूखे जैसी स्थिति बनने की आशंका बढ़ गई है। 16 जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई के शेष दिनों में भी भारी बारिश की संभावना कम दिखाई दे रही है। तेलंगाना विकास योजना सोसायटी (टीजीडीपीएस) के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में अब तक सामान्य 243.4 मिमी के मुकाबले केवल 159.1 मिमी वर्षा हुई है। यानी राज्य में औसतन 35 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। 33 में से 27 जिलों में वर्षा सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत तक कम रही है।

मेडचल-मलकाजगिरि और हनुमाकोंडा जिले सबसे अधिक प्रभावित हैं। इन दोनों जिलों में क्रमशः 60 और 67 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई है। वहीं केवल नलगोंडा, रंगारेड्डी, नगरकुरनूल और मुलुगु जिलों में सामान्य वर्षा हुई है। जुलाई को सामान्यतः मानसून का सबसे सक्रिय महीना माना जाता है, लेकिन इस बार स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

जुलाई के मध्य तक सामान्य 227.4 मिमी के मुकाबले केवल 71.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य से 61 प्रतिशत कम है। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र भी बारिश की कमी से प्रभावित है। जीएचएमसी, साइबराबाद और मेडचल-मलकाजगिरि क्षेत्र में 1 जून से अब तक सामान्य 193.4 मिमी के मुकाबले केवल 112.5 मिमी वर्षा हुई है, जो 42 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जल्द पर्याप्त वर्षा नहीं हुई तो इसका असर खेती, जलाशयों के जलस्तर और पेयजल उपलब्धता पर पड़ सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.